आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
01 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 150
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

लालू,नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट दें- पी.के

झारखंड

रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार के सभी फैसलों को स्वास्थ्य मंत्री इरफान ने बताया असवैधानिक

हज़ारीबाग

जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह आदर्श दंपत्ति सम्मेलन एवं सीएचओ सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया

हमने कहा था कि जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे: राहुल गांधी

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का विजन है, जिसे सरकार ने अपनाया है। राहुल गांधी ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए जातीय सर्वे को एक मॉडल बताते हुए इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए ब्लू प्रिंट के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, ÷हम इस फैसले का समर्थन करते हैं और जानना चाहते हैं कि यह कब होगा। तेलंगाना एक मॉडल बना है, जो ब्लू प्रिंट बन सकता है। जातीय जनगणना को डिजाइन करने में हम सरकार की पूरी तरह मदद करेंगे।

राहुल गांधी का सरकार से सवाल ञराहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना के फैसले को

कांग्रेस के कैंपेन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, ये हमारा विजन है, जिसे सरकार ने अपनाया है।

- **राहुल गांधी ने जातीय जनगणना के फैसले का स्वागत किया**
- **तेलंगाना मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की मांग**
- **जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय का पहला कदम बताया**

हमारे कैंपेन का असर हुआ है। हमने संसद में कहा था कि हम जातीय जनगणना को लागू कराएंगे। उन्होंने सरकार से इसकी समयसीमा पर स्पष्टता मांगी और सवाल किया, हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि इसकी टाइमलाइन क्या है? कब और कैसे जातीय जनगणना लागू होगी? इसके साथ ही, उन्होंने आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने की मांग उठाई, ताकि सामाजिक न्याय को और मजबूत किया जा सके। राहुल ने जोर देकर कहा कि यह कदम समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व और अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण होगा।

निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण : उन्होंने कहा कि हमने एक और बात कही थी, कांग्रेस ने एक और मुद्दा उठाया था, इसका उल्लेख घोषणापत्र में भी किया गया था. यह मुद्दा अनुच्छेद 15(5) के तहत निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण का है. यह पहले से ही एक कानून है. हम चाहते हैं कि एनडीए-बीजेपी सरकार इसे लागू करना शुरू करे.

सामाजिक न्याय की दिशा में पहला कदम ञराहुल गांधी ने जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय की दिशा में पहला कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को समझने और नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि तेलंगाना मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय जनगणना को डिजाइन किया जाए ताकि हर समुदाय की हिस्सेदारी और जरूरतों का सटीक आकलन हो सके।

केंद्र सरकार का जातीय जनगणना का फैसला : मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए 2026 में होने वाली जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह आजादी के बाद भारत में पहली बार होगा जब राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की जाएगी। सरकार का कहना है कि यह कदम सामाजिक न्याय और पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए उठाया गया है। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह प्रक्रिया कब शुरू होगी और इसका डिजाइन कैसा होगा। इस फैसले को बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक रूप से गेमचेंजर माना जा रहा है।

इस बार भी जो जातिगत जनगणना करवाई जाएगी, सभी की नजर सिर्फ इस बात पर रहेगी कि ओबीसी कितने प्रतिशत हैं। ■ शेष पृष्ठ 4 पर

मुख्यमंत्री को अपनी संपूर्ण विदेश यात्रा का श्वेत पत्र जारी करना चाहिए: प्रतुल शाहदेव

संवाददाता द्वारा

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि मुख्यमंत्री को अपनी हालिया स्वीडन और स्पेन यात्रा का श्वेत पत्र शीघ्र जारी करना चाहिए. इस श्वेत पत्र में यात्रा पर हुए संपूर्ण खर्च का विवरण और निवेश संबंधी हुए समझौतों की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए. केवल निवेश की संभावनाओं या मौखिक आश्वासनों की चर्चा करना पर्याप्त नहीं है.

प्रतुल शाहदेव ने मुख्यमंत्री की इस यात्रा को व्यक्तिगत पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत सफल, लेकिन निवेश के दृष्टिकोण से पूर्णतः असफल बताया. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री यूरोप के दो सबसे खूबसूरत देशों स्वीडन और स्पेन का भ्रमण कर लौट आए हैं, जहां वे विभिन्न दर्शनीय स्थलों पर अपने कैमरे से तस्वीरें लेते दिखाई दिए. उन्होंने आरोप लगाया कि इस 11 सदस्यीय सरकारी दल की यात्रा पर लगभग 4.30 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई, जिसे एक निजी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को भुगतान किया गया. जबकि रांची के प्रतिष्ठित टूर ऑपरेटरों के अनुसार, प्रति व्यक्ति इस यात्रा की लागत 2.75 लाख के आसपास आती है. उन्होंने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री के साथ अधिकारियों की पूरी टीम मौजूद थी, तब एक बाहरी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को नियुक्त करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि इस कंपनी को कुल कितनी राशि का भुगतान किया गया. प्रतुल शाहदेव ने यह भी कहा कि इस यात्रा में करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन झारखंड में निवेश को लेकर अब तक कोई ठोस, लिखित समझौता सामने नहीं आया है.

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा बर्सिलोना एफसी क्लब के दौरे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सीएम वहां क्लब की वाइस प्रेसिडेंट से जर्सी लेते और तस्वीरें खिंचवाते नजर आए, लेकिन जब फुटबॉल को झारखंड में बढ़ावा देने की बात आई तो करार आरसीडीई बार्सिलोना क्लब से किया गया, जो बर्सिलोना एफसी से बिल्कुल अलग और स्पेनिश लीग में 13वें स्थान पर है.

उन्होंने यह भी कहा कि आरसीडीई क्लब के मालिक चीनी उद्योगपति चेन यानशेंग हैं, जिनकी पृष्ठभूमि विवादास्पद रही है और मुख्यमंत्री को समझौते से पूर्व उनकी पृष्ठभूमि की जांच करनी चाहिए थी.

शाहदेव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री की एक तस्वीर सामने आई है. जिसमें वे वोल्वो के इंजन के साथ फोटो खिंचवा रहे हैं. यदि उन्हें वोल्वो की नवीनतम ईवी टेक्नोलॉजी देखनी थी, तो इसके लिए स्वीडन जाने की आवश्यकता नहीं थी. वोल्वो की आधुनिकतम ईवी गाड़ियां बेंगलुरु में भी निर्मित हो रही हैं और पुणे में टाटा कंपनी भी अत्याधुनिक ईवी ट्रक और बसें बना रही है.

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा चेकोस्लोवाकिया के टेस्ला ग्रुप एएस से गीगा फैक्ट्री लगाने की बात पर भी तंज कसते हुए कहा कि एलन मस्क की टेस्ला कंपनी और चेकोस्लोवाकिया की टेस्ला ग्रुप एएस में आसमान और जमीन का अंतर है.

चेकोस्लोवाकिया की यह कंपनी मुख्य रूप से रेडियो, टीवी और बैटरियों का निर्माण करती है, जबकि भारत की टाटा और रिलायंस जैसी कंपनियों को पहले से ही गीगा फैक्ट्री निर्माण में वैश्विक स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त है.

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक एक्स (Twitter) अकाउंट के अनुसार, उन्होंने स्वीडन और स्पेन की कंपनियों से खेलों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग और क्रिकेट को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा की. उन्होंने पूछा कि क्या विदेश यात्रा का मुख्य उद्देश्य पर्यटन था या राज्य में वास्तविक निवेश लाना?

10 दिनी विदेश यात्रा के बाद रांची लौटे सीएम हेमंत सोरेन

बिशेष संवाददाता द्वारा

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने 10 दिवसीय विदेश दौरे के बाद राजधानी रांची लौट आए हैं. इस दौरान उन्होंने स्पेन और स्वीडन में राज्य के विकास और निवेश के अवसरों पर चर्चा की. यह दौरा झारखंड के विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे राज्य में नए निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल 19 अप्रैल से 27 अप्रैल तक स्पेन और स्वीडन के दौरे पर था.

आने वाले समय में संभावनाएं : इस दौरे के बाद झारखंड में विदेशी निवेश में वृद्धि होने की संभावना है.-नए निवेश से राज्य में रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं.-इससे राज्य के विकास में तेजी आने की संभावना है. इस यात्रा से झारखंड के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे और प्रदेश के बुनियादी ढांचे से लेकर अन्य कई क्षेत्रों में बदलाव के रास्ते बनते दिख रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक स्तर की कंपनियों और संगठनों के साथ चर्चा की है। झारखंड में नवीनतम तकनीक से तैयार सड़कों, पुलों, और अन्य परियोजनाओं के लिए स्पेनिश कंपनियों के साथ सहयोग का रास्ता खुला है।

प्री-फैब्रिकेटेड संरचनाएं और स्मार्ट निर्माण पद्धतियों को अपनाने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में रोजगार सृजन का रास्ता तो खुलेगा ही, नई तकनीक से भी झारखंड के लोग रूबरू होंगे।

लौटने के पूर्व राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रक निर्माता वोल्वो कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की जिसमें उनसे झारखंड में कंपनी का कार्यालय खोलने के लिए आग्रह किया गया। वोल्वो इस प्रस्ताव पर विचार भी कर रहा है।

दूसरी ओर, स्पेनिश एसोसिएशन ऑफ कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंसेशनेयर कंपनियों (सिओपैन) के साथ वार्ता के दौरान झारखंड की औद्योगिक नीति में यथा संभव बदलाव के भी संकेत दिए गए। इसके माध्यम से झारखंड को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक बेहतर गंतव्य बताने में सफलता मिली।

झारखंड के प्रतिनिधिमंडल ने गतिशीलता (मोबिलिटी) तथा बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाली वैश्विक कंपनी एबर्टिस के प्रतिनिधियों के साथ आमने-सामने बैठक की। एबर्टिस की तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे भारतीय राज्यों में पहले से उपस्थिति है।

कंपनी यहां सड़क और परिवहन से संबंधित परियोजनाओं में सक्रिय है। इसके बाद महत्वपूर्ण उपलब्धियों में मंत्रा डेटा सेंटर के साथ बातचीत को माना जा रहा है। बुनियादी ढांचे और डेटा सेंटर उद्योग पर केंद्रित इस बैठक के माध्यम से भी झारखंड में डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम से झारखंड में सड़क, रेल, और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए वैश्विक सहयोग मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

इन परियोजनाओं से झारखंड में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, और बुनियादी ढांचे में सुधार की उम्मीद है, विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों में। प्रतिनिधिमंडल के लौटने पर कई और बातों का खुलासा होगा।

डीजीपीपद पर बने रहेंगे अनुराग गुप्ता, केंद्र को जवाब भेजेगी हेमंत सरकार

1990 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं अनुराग गुप्ता

1990 बैच के आइपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता की सेवानिवृत्ति 30 अप्रैल 2025 थी। डीजीपी की नियुक्ति संबंधित नियमावली के आधार पर राज्य सरकार ने उन्हें दो साल के लिए इस पद पर बैठाया है।

इस नियमावली को केंद्र सरकार ने नियम विरुद्ध बताते हुए अनुराग गुप्ता के डीजीपी के पद पर पदस्थापन को अवैध बताया था और राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि अनुराग गुप्ता को 30 अप्रैल 2025 को सेवानिवृत्त करें।

अब राज्य सरकार ने केंद्र के इस निर्देश को मानने से इंकार कर दिया है। राज्य सरकार केंद्र के उठाए गए प्रत्येक बिंदुओं का जवाब देगी।

इधर, अनुराग गुप्ता ने भी बुधवार को अपनी सेवानिवृत्ति से संबंधित किसी भी तरह का कोई त्यागपत्र नहीं दिया है। वे राज्य सरकार के निर्णय के साथ हैं।

क्राइम संवाददाता द्वारा

रांची। झारखंड पुलिस के डीजीपी के पद पर अनुराग गुप्ता बने रहेंगे। केंद्र के निर्देश संबंधित पत्र पर मंथन के बाद राज्य सरकार ने बुधवार को यह निर्णय लिया। राज्य सरकार केंद्र की चिट्ठी का जवाब भेजेगी और कहेगी कि हाई कोर्ट में चल रहे वाद के निर्णय तक अनुराग गुप्ता की सेवानिवृत्ति के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाए। राज्य सरकार का मानना है कि अनुराग गुप्ता को डीजीपी के पद पर दो साल के कार्यकाल के लिए पदस्थापित किया जाना नियमसम्मत है। राज्य सरकार के इस रूख से यह स्पष्ट हो गया है कि केंद्र-राज्य के बीच डीजीपी के पद को लेकर टकराव बना रहेगा।

पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया बसे गांव की आबादी को पलामू में शिफ्ट

क्राइम संवाददाता द्वारा

पलामू: पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में बसे जयगिर गांव की आबादी को पलामू में शिफ्ट किया जा रहा है. जयगिर पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से शिफ्ट होने वाला पहला गांव बना है. जयगिर का पहाड़ माओवादियों की उपराजधानी माना जाता रहा है. बूढ़ा पहाड़ के बाद जयगिर का पहाड़ माओवादियों का सबसे सुरक्षित ठिकाना रहा था.

पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया से एक दर्जन के करीब गांव को शिफ्ट करने की योजना तैयार की गई है. जो पिछले कुछ वर्षों से तैयार की जा रही थी. जयगिर के ग्रामीणों से इसके लिए सहमति बनानी पड़ी जिसके बाद यह प्रक्रिया शुरू की गई और जिसके बाद पलामू के सतबरवा प्रखंड के पोलपोल

गांव में सभी को शिफ्ट किया गया.

पलामू टाइगर रिजर्व ने जयगिर के रहने वाले ग्रामीणों को शिफ्ट होने के लिए मुआवजा दिया है. ग्रामीणों के समक्ष दो प्रस्ताव दिए गए थे पहला पांच एकड़ जमीन या फिर 15 लाख नगद के साथ घर. ग्रामीणों ने आपसी सहमति के बाद मुआवजा लिया है. जयगिर के रहने वाले बच्चों का स्कूल में नामांकन नहीं था. पलामू टाइगर रिजर्व ने पहल करते हुए 30 से अधिक बच्चों का स्कूल में नामांकन करवाया. जयगिर इलाके में जाने के लिए पहाड़ी पगडंडी है. लातेहार से करीब 8 से 10 किलोमीटर पैदल सफर करने के बाद जयगिर गांव तक पहुंचा जा सकता था. अब पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय, मेदिनीनगर से नजदीक पड़ता है.

जयगिर का इलाका अति नक्सल प्रभावित माना जाता है. इस इलाके में प्रशासनिक पहुंच एक बड़ी चुनौती रही है. पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक कुमार आशीष ने अपने पूरे परिवार के साथ जयगिर गांव में कई रातें गुजारीं और ग्रामीणों का हौसला बढ़ाया था. ग्रामीणों को अधिकारियों पर विश्वास हुआ जिसके बाद ग्रामीण शिफ्ट हुए. शिफ्ट होने बाद ग्रामीणों ने चार दिनों तक पारंपरिक तरीके से पूजा पाठ किया.

जयगिर पलामू टाइगर रिजर्व के कोर एरिया में बसा हुआ है. ग्रामीणों को पोलपोल में शिफ्ट किया गया है. ग्रामीणों को पोलपोल में शिफ्ट करने का असर भी नजर आने लगा है. पोलपोल में अब तेंदुआ के मूवमेंट को रिकॉर्ड किया गया है. वन्यजीवों के इलाके में मानव आबादी की दखलअंदाजी अब बेहद कम हो जाएगी. ग्रामीणों को कई सुविधाएं दी गई हैं. स्कूली बच्चों का नामांकन भी करवाया गया है. -कुमार आशीष, उपनिदेशक, पीटीआर

जयगिर का पहाड़ लातेहार के नेतरहाट, गारू और महुआडांड से जुड़ा हुआ है. माओवादी इस इलाके से गुमला, लोहरदगा, सारंडा और बिहार के इलाके के लिए मूवमेंट करते थे. बूढ़ा पहाड़ से लेकर सारंडा के बीच माओवादियों का जयगिर सबसे बड़ा ठिकाना रहा है. बूढ़ा पहाड़ पर माओवादियों के खिलाफ अभियान ऑक्टोपस चलाया गया था. बूढ़ा पहाड़ से भगाने के बाद माओवादियों ने जयगिर के पहाड़ को ही अपना ठिकाना बनाया था. माओवादी अपने दस्ते को मजबूत करने के लिए जयगिर के कई बच्चों को भी उठाते थे, बाद में बच्चे भाग गए थे. माओवादियों के टॉप कमांडर छोटू खरवार ने मारे जाने से पहले जयगिर को अपना ठिकाना बनाया था. इसी इलाके से लातेहार बूढ़ा पहाड़ गुमला लोहरदगा के इलाके में अपनी गतिविधि चलाता था. जयगिर के इलाके पर पुलिस एवं सुरक्षाबलों की नजर रही है. माओवादी आम लोगों का समर्थन खो चुके हैं पब्लिक सपोर्ट बचा नहीं है. फिलहाल इलाके में कोई भी बड़ा दस्त सक्रिय नहीं है. इलाके में कैंप बनाने की भी योजना रही है. किसी भी इलाके को पुलिस एवं सुरक्षा बल माओवादियों का ठिकाना नहीं बनने देंगे. पुलिस एवं वन विभाग इलाके के लिए कार्य कर रही है. - वाईएस रमेश, डीआईजी, पलामू रेंज

झारखंड में महंगी हुई बिजली, अब कंज्यूमर्स को देने होंगे 6.85 रुपये प्रति यूनिट

बिशेष प्रतिनिधि द्वारा

रांची: झारखंड में बिजली अब पहले से महंगी हो गई है। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग (JSERC) ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नई बिजली दरों की घोषणा की। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए यह बढ़ोतरी मामूली है, लेकिन किसानों और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए विशेष छूट दी गई है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में बिजली 6.70 रुपये प्रति यूनिट मिलेगी। आयोग ने यह भी कहा है कि किसी भी उपभोक्ता को मीटर का किराया नहीं देना होगा। इसका मतलब है कि मीटर का किराया अब माफ कर दिया गया है।

शहरी क्षेत्रों में बिजली की दर 20 पैसे प्रति यूनिट बढ़ाई गई है, जिससे नई दर 6.85 रुपये प्रति यूनिट हो गई है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए दरों में 40 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि हुई है। अब उन्हें 6.70 रुपये प्रति यूनिट चुकाने होंगे। जबकि कृषि उपभोक्ताओं के लिए टैरिफ में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे उन्हें राहत मिली है।

कृषि उपयोगकर्ताओं के लिए टैरिफ यथावत रखा गया है। वहीं रूफटॉप सोलर को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रॉस मीटरिंग पर 4.16 रुपये प्रति किलोवॉट-घंटा और नेट मीटरिंग पर 3.80/किलोवॉट-घंटा दर निर्धारित की गई है।

नई टैरिफ से जुड़े मुख्य बिंदु

टैरिफ में कुल बढ़ोतरी सिर्फ 6.34% की गई है, जबकि JBVNL ने 40.02% वृद्धि का प्रस्ताव दिया था।

उपभोक्ताओं से कोई मीटर रेंट नहीं लिया जाएगा।

बिल भुगतान पर छूटः बिल की राशि यदि 5 दिनों के भीतर चुकाई जाती है, तो उपभोक्ताओं को 2% की छूट मिलेगी।

लोड फैक्टर अगर 65% से अधिक है, तो अधिकतम 15% तक की छूट दी जाएगी।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर अपनाने वाले उपभोक्ताओं को एनर्जी चार्ज में 3% (लगभग 0.20/यूनिट) की छूट दी जाएगी, साथ ही सुरक्षा राशि एक महीने में वापस की जाएगी या बिल में समायोजित होगी।

EV चार्जिंग और ग्रीन एनर्जी टैरिफ

सार्वजनिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए दरें:

सौर समय (9:00 AMसे 4:00 PM): 7.31/यूनिट

गैर-सौर समयः 8.77/यूनिट

ग्रीन एनर्जी टैरिफ के लिए आयोग ने प्रस्तावित 8.375/यूनिट की बजाय, स्वीकृत टैरिफ + 0.60/यूनिट को मंजूरी दी है।

बिजली आपूर्ति और फिक्स्ड चार्ज

HT उपभोक्ताओं को 23 घंटे और LT उपभोक्ताओं को 21 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी, तभी फिक्स्ड चार्ज की पूरी वसूली होगी।

अगर बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से कम होती है, तो फिक्स्ड चार्ज का स्वतः समायोजन उपभोक्ताओं के बिल में किया जाएगा।

नियामक आयोग की स्वीकृति और ARR आंकड़े

आयोग ने FY 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के लिए JBVNL के ARR प्रस्तावों की समीक्षा कर संशोधित राशि मंजूर की:

FY 2023-24: मांग 10,847.70 करोड़, स्वीकृति 7,854.64 करोड़

FY 2024-25: मांग 10,405.84 करोड़, स्वीकृति 7,981.30 करोड़

FY 2025-26: मांग 11,444.90 करोड़, स्वीकृति 8,980.52 करोड़

डिस्ट्रिब्यूशन लॉस को आयोग ने तीनों वर्षों के लिए 13% पर सीमित किया, जबकि JBVNL ने अधिक प्रतिशत का प्रस्ताव दिया था।

> “ प्रधानमंत्री ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस तरह की बैठक आमतौर पर सीमा पर जवाबी कार्रवाई या ऑपरेशन की मंजूरी से पहले होती है। इसमें ऑप्शन, टाइम,टारगेट और मैसेज जैसे मसलों पर चर्चा होती है। न्यूज एजेंसी ढळकके मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे। प्रधानमंत्री ने यह बात मंगलवार को तीनों सेनाओं के प्रमुख, ठरअ अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ हाई लेवल मीटिंग में कही। यह बैठक डेढ़ घंटे से ज्यादा चली। पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी के शब्दों में गुस्सा और दृढ़ता साफ नजर आई।

5 ऐसे संकेत जिससे लग रहा कि इस बार पाकिस्तान को तगड़ी मार पड़ने वाली है

वरुण शैलेश

नई दिल्ली : कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को भारत ने बहुत गंभीरता से लिया है।इस बात को इससे भी समझा जा सकता है कि सरकार को देश में हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। विपक्षी दलों ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने के लिए सरकार जो भी करेगी, हम उसके हर कदम के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेना के साथ बैठक की और उन्हें कहा कि आप जैसे चाहें कदम उठाएं। पीएम मोदी की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत संग बैठक में यही संकेत मिला कि संघ भी आतंकवाद के खिलाफ सरकार के हर फैसले के साथ है।22 अप्रैल को पहलगाम की बैसारन घाटी में 26 लोग मारे गए थे। ये सभी लोग वहां घूमने गए थे। इस हमले से पूरा देश हिल गया था। बहरहाल, हम उन 5 संकेतों को समझते हैं जिससे लग रहा है कि इस बार कुछ खास होने वाला है...

1. तीनों सैन्य प्रमुखों के साथ पीएम की हाई लेवल मीटिंग : प्रधानमंत्री ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस तरह की बैठक आमतौर पर सीमा पर जवाबी कार्रवाई या ऑपरेशन की मंजूरी से पहले होती है। इसमें ऑप्शन, टाइम,टारगेट और मैसेज जैसे मसलों पर चर्चा होती है। न्यूज एजेंसी ढळकके मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे। प्रधानमंत्री ने यह बात मंगलवार को तीनों सेनाओं के प्रमुख, ठरअ अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ हाई लेवल मीटिंग में कही। यह बैठक डेढ़ घंटे से ज्यादा चली।

2. भूलने और माफ करने की नीति अब नहीं चलेगी-पीएम मोदी : पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी के शब्दों में गुस्सा और दृढ़ता साफ नजर आई। उनका कहना था कि हमारा धैर्य हमारी कमजोरी न समझें। यह वैसी ही भाषा है जैसी उन्होंने उरी और पुलवामा हमलों के बाद इस्तेमाल की थी- जिनके बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की थी। बीते रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री ने कड़ा संदेश दिया था।

3. कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की सक्रियता : पहलगाम हमले के बाद उउर की बैठक तुरंत बुलाई गई, जो कि युद्ध, आतंकी हमले या बड़ी सुरक्षा चुनौतियों के समय होती है। पिछले उदाहरणों जैसे सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक में भी यही पैटर्न देखा गया था। यह संकेत है कि सरकार जवाबी कदम के लिए राजनीतिक हरी झंडी दे चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार की सुबह फिर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की मीटिंग करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर जैसे बड़े नेता इस मीटिंग में शामिल होंगे। खबरों में यह भी कहा गया है कि इसके बाद कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक अफेयर्स की मीटिंग भी हो सकती है। एक हफ्ते में यह दूसरी उउर मीटिंग है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। पहलगाम में हुए हमले के बाद सरकार बहुत गंभीर है और लगातार स्थिति पर नजर रख रही है। उउर की मीटिंग में इस हमले से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात हो सकती है। सरकार देश की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सतर्क है।

4. मोदी-संघ प्रमुख की बैठक के संकेत भी समझिए : प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बीच मंगलवार को बैठक हुई। आमतौर पर ऐसी बैठक राष्ट्रीय सुरक्षा या कड़े निर्णयों से पहले होती है। जब भी सरकार कोई बड़ा रणनीतिक या सैन्य फैसला लेने वाली होती है, संघ से विचार-विमर्श किया जाता है। यह संकेत देता है कि सरकार की कुछ बड़ी योजना है। इससे पहले, आरएसएस ने इसे राष्ट्र की एकता और अखंडता पर हमला करार देते हुए दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। संघ ने कहा था कि सरकार को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक राहत और सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए और इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की उपयुक्त सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।

5. सर्वदलीय बैठक में विपक्ष को भरोसे में लिया : जब भी सरकार को लगता है कि राष्ट्रव्यापी एकता जरूरी है, तो वह सभी दलों को विश्वास में लेती है। विपक्ष से विचार-विमर्श का मतलब है कि देश की राजनीति से ऊपर उठकर कोई बड़ा कदम लिया जा सकता है, जिसकी जानकारी पहले से साझा की जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेता इसमें शामिल हैं। बैठक में सभी नेताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ सरकार के कदमों का समर्थन किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी।

अंबेडकर-अखिलेश वाले पोस्टर पर यूपी में सियासी उबाल, बीजेपी ने सपा के खिलाफ खोला मोर्चा

अजयेंद्र राजन शुक्ला

लखनऊ समाजवादी पार्टी के होर्डिंग में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उस हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने के मामले में उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने इस मामले में चौतरफा हमला बोल दिया है। योगी सरकार में मंत्री से लेकर सांसद-विधायकों ने इसे बाबा साहेब और उनके अनुयायियों का अपमान बताया। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी संगठन की तरफ से आज पूरे प्रदेश में लखनऊ सहित सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया गया है। मामले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती भी भड़की हुई हैं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस इस बात का विशेष ध्यान रखे कि बाबा साहेब का अपमान न हो नहीं तो बीएसपी इनके खिलाफ सड़कों पर उतर सकती है। दरअसल दरअसल समाजवादी पार्टी दफ्तर के सामने एक पोस्टर लगाया गया जिसमें एक तस्वीर में आधा चेहरा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का है, जबकि आधा चेहरा अखिलेश यादव का दिखाया गया है। इस पोस्टर को लेकर बवाल मच गया। बीजेपी सरकार में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, राज्य सभा सदस्य बृजलाल, बीजेपी विधायक मीनाक्षी सिंह और प्रो. श्याम बिहारी लाल समेत कई नेताओं ने घोर निंदा की है। बीजेपी के तमाम नेताओं ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के कृत्य को बेहद शर्मनाक बताया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया है, भारतीय संविधान के निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अपमान कतई ना किया जाए। खासकर सपा व कांग्रेस को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, वरना बीएसपी इनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने होर्डिंग पर कहा, ये सपा की दूषित मानसिकता है। बाबा साहेब का जिस तरह से इन लोगों ने अपमान किया है इसको देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी और समय आने पर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई बार समाजवादी पार्टी के नेता बाबा साहेब का अपमान कर चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में बाबा साहेब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज और बाबा साहेब की पत्नी रमाबाई अंबेडकर के नाम से बने जिले कानपुर देहात से भी रमाबाई अंबेडकर का नाम हटाया था। अंबेडकर के प्रति सपा की घृणा पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित हो रही है। उन्होंने पोस्टर लगाने वाले के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की बात भी कही। वहीं यूपी सरकार में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि यह एक कानूनी जुर्म के साथ बाबा साहेब के अनुयायियों की आस्था पर कुठाराघात है। ये हम सभी को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। हम सभी इसकी निंदा करते हैं। मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग की जितनी भी योजनाएं थीं, सभी को समाप्त कर दिया था। इन्होंने सारे महापुरुषों का अपमान किया है। इसे जनता कभी भी नहीं भूलेगी। वहीं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि हम अंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अखिलेश यादव का कृत्य खुद दलित विरोधी है, उन्होंने अपने शासनकाल में दलित कार्मिकों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई, जिससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है। बाबा साहेब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर वे शायद दलित समाज को यह बताना चाहते हैं कि वे बाबा साहब के बराबर हैं, लेकिन उनके इस कृत्य से दलित समाज न सिर्फ आहत है बल्कि इसे अखिलेश द्वारा जानबूझकर बाबा साहब का अपमान किए जाने का कुत्सित प्रयास मान रहा है। राज्य सभा सदस्य बृज लाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने ये जो पोस्टर लगाया है और पोस्टर के माध्यम से अखिलेश यादव अपने आपको बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के बराबर समझ रहे हैं जबकि अखिलेश यादव बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के पैरों की धूल भी नहीं हैं। उनकी इस हरकत पर उन्हे देश की जनता माफ नहीं करेगी। बीजेपी विधायक मीनाक्षी सिंह ने कहा, "समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का फोटो आधा काटकर लगाया गया जोकि बहुत ही निंदनीय है। समाजवादी पार्टी हमेशा पीडीए की बात करती है और दूसरी तरफ इस पार्टी के कार्यकर्ता बाबा साहेब का आधा फोटो लगाकर उनका अपमान कर रहे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस कृत्य पर मौन धारण किये हुए हैं। इसका सीधा अर्थ है कि बाबा साहब के इस अपमानजनक कृत्य में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की मूक सहमति है। मैं अखिलेश यादव से मांग करती हूं कि वो इस अक्षम्य कृत्य के लिए माफ़ी मांगें। उधर भारतीय जनता पार्टी ने भी इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपना लिया है। भारतीय जनता पार्टी बुधवार को विरोध में प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने ऐलान किया है कि सपा द्वारा किये गए बाबा साहेब के अपमान के विरोध में बुधवार 30 अप्रैल 2025 को भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता अनुसूचित मोर्चा के नेतृत्व में जिला मुख्यालयों पर बाबा साहेब की प्रतिमाओं के समक्ष विरोध प्रदर्शन करेगें। प्रदेश की राजधानी लखनऊमें बुधवार को सुबह 11 बजे अटल चौक स्थित भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

'पता नहीं अब अपने पति से दोबारा कब मिल पाऊंगी', सीआरपीएफ जवान की पत्नी मीनल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में आई तल्खी का असर साफ नजर आने लगा है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहा था। इसी क्रम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान की पाकिस्तानी पत्नी को भारत छोड़कर वापस पाकिस्तान भेजा गया है। अधिकारी ने इस बात की जानकारी मंगलवार को दी है। अधिकारी ने बताया कि मीनल खान अपने पति मुनीर खान के साथ जम्मू से वाघा बॉर्डर के लिए रवाना हुई थीं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जवान से शादी की थी। एक मीडिया चैनल से बात करते हुए मीनल खान ने कहा, 'जाहिर ही है कि यह सब जो कुछ हुआ है वह बहुत गलत है। जिसने भी यह सब किया है, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। मेरी दोनों देशों की सरकार से यही अपील है कि जिन लोगों की शादियां हुईं है उनको वीजा दिया जाए। हसबैंड-वाइफ जो हैं वो दूर ना रहें। बच्चे भी अपनी माओं से दूर ना रह पाएं। इसके अलावा दूसरे वीजा ना दें। मीनल ने यह भी कहा कि वह अपने पति से जुदा हो रही है और पता नहीं अब दोबारा कब मिल सकेगी। मीनल और मुनीर की दोस्ती सोशल मीडिया के जरिये हुई थी और बाद में दोनों ने एक-दूसरे से शादी रचा ली थी। सीआरपीएफ जवान मुनीर खान ने 24 मई 2024 को ऑनलाइन निकाह किया था। मार्च में ही मीनल पाकिस्तान से जम्मू में अपने ससुराल पहुंची थी। घर पहुंचे ही बहू का ससुराल वालों ने बैंडबाजे के साथ स्वागत कर रिश्तेदारों को दावत दी थी। अब मीनल को पाकिस्तान की नापाक हरकत की वजह से भारत से जाना पड़ा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी लोगों के लिए सभी तरह की वीजा सेवाओं को सस्पेंड कर दिया है। अभी तक 59 कश्मीरी नागरिक भारत छोड़ चुके हैं। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नागरिकों को जल्द से जल्द तय की गई तारीख तक भारत छोड़ देने के लिए कहा था। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने यह भी घोषणा की कि पाकिस्तानी लोगों को अब सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की इजाजत भी नहीं दी जाएगी

नफरत का बाजार : मसूरी में कश्मीरी शाल वाले पलायन को मजबूर, अलीगढ़ में भी क्रूरता

ब्यूरो

पहलगाम हमले के बाद मसूरी और अलीगढ़ में समुदाय विशेष से नफरत वाली घटनाएं हुई हैं। ऐसी घटनाएं घटने के बजाय बढ़ रही हैं। सांप्रदायिक असहिष्णुता भारत के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उत्तराखंड के मसूरी और उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में दो अलग-अलग घटनाओं ने देश में बढ़ती सांप्रदायिक असहिष्णुता और हिंसा की चिन्ताजनक स्थिति को पेश किया है। मसूरी में दो कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर कुछ स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर हमला किया गया, जिसके बाद 16 विक्रेता डर और असुरक्षा के कारण अपने घर कश्मीर लौट गए। वहीं, अलीगढ़ में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़के पर हमला किया गया और उसे कथित तौर पर पाकिस्तानी झंडे पर पेशाब करने के लिए मजबूर किया गया। दोनों घटनाएँ सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों पर गंभीर सवाल उठाती हैं। मसूरी की घटना के मामले में पुलिस ने कुछ उपद्रवियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मसूरी में दो कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर कुछ स्थानीय लोगों ने बेरहमी से हमला किया। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावरों ने उनसे गाली-गलौज की। उनकी धार्मिक पहचान को निशाना बनाया और मारपीट की गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देहरादून पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इस घटना ने

मसूरी में मौजूद अन्य कश्मीरी विक्रेताओं के मन में डर पैदा कर दिया। एक पीड़ित विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम यहां सालों से शॉल बेच रहे हैं। हमारा काम ईमानदारी से जीविका कमाना है, लेकिन इस बार हमें अपमानित किया गया। कोई हमारे लिए नहीं खड़ा हुआ। इस घटना के बाद, 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता, जो मसूरी में मौसमी व्यापार करते थे, अपने परिवारों के साथ कश्मीर वापस लौट गए। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों का कहना है कि यह घटना मसूरी जैसे शांत और पर्यटक-केंद्रित शहर के लिए शर्मनाक है। कुछ लोगों ने इसकी निंदा की, लेकिन कई विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें अब यहाँ सुरक्षित महसूस नहीं होता। सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी रमेश सिंह ने कहा, यह सिर्फ दो लोगों पर हमला नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक एकता पर हमला है। हमें सभी समुदायों के साथ सम्मान और भाईचारे से रहना चाहिए। देहरादून पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, और हम सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ न हों। पुलिस ने कुछ लोगों को इस मामले में गिरफ्तार भी किया है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक और दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 15 वर्षीय लड़के पर कुछ लोगों ने हमला किया और उसे कथित तौर पर पाकिस्तानी झंडे पर पेशाब करने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना सांप्रदायिक नफरत से प्रेरित थी, और हमलावरों ने लड़के की धार्मिक पहचान को निशाना बनाया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है और जाँच शुरू कर दी है। पीड़ित लड़के के परिवार ने बताया कि वह इस घटना से गहरे सदमे में है और बच्चे को मनोवैज्ञानिक सहायता की जरूरत है। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने शुरू में मामले को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन जब मामला मीडिया में उजागर हुआ, तब कार्रवाई शुरू हुई। अलीगढ़ के पुलिस अधीक्षक ने एक बयान में कहा, "हम इस मामले की गहन जाँच कर रहे हैं। यह एक गंभीर अपराध है, और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि पीड़ित को न्याय मिले। सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे नफरत और हिंसा का परिणाम बताया है। इन दोनों घटनाओं ने देश में बढ़ती सांप्रदायिक असहिष्णुता और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति हिंसा के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। मसूरी की घटना में कश्मीरी विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी अपमानित किया गया। वहीं, अलीगढ़ की घटना एक नाबालिग के साथ क्रूरता का उदाहरण है, जो समाज में बढ़ती नफरत की मानसिकता को दर्शाती है। मानवाधिकार कार्यकर्ता शबनम हाशमी ने कहा, ये घटनाएँ समाज में गहरे जड़ जमाए नफरत के बीज को दिखाती हैं। हमें शिक्षा, जागरूकता और सख्त कानूनी कार्रवाई के माध्यम से इस प्रवृत्ति को रोकना होगा। उन्होंने सरकार से माँग की कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ और पीड़ितों को फौरन इंसाफ दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

अन्नदा महाविद्यालय की NCC कंपनी ने रोड व कैंडल मार्च से दी श्रद्धांजलि

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की स्मृति में अन्नदा महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) व NSS इकाई ने बुधवार को एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया।
कार्यक्रम की शुरुआत एक शांतिपूर्ण रोड मार्च से हुई, जिसमें कैडेट्स ने हाथों में तख्तियाँ लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और आमजन को शांति और एकता का संदेश दिया। इसके पश्चात झंडा चौक पर कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर कॉलेज के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट पंकज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर देशसेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करना था, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और संवेदनशीलता की भावना को जागृत करना भी था। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नीलमणि मुखर्जी ने कहा कि हमारे कैडेट्स ने न केवल शारीरिक रूप से अनुशासित हैं, बल्कि उनमें संवेदनशीलता और देशप्रेम की भावना भी गहराई से जुड़ी हुई है। यह श्रद्धांजलि मार्च शहीदों के प्रति हमारा कर्तव्य और सम्मान है।

सेक्रेड हार्ट स्कूल, आर्य नगर, हज़ारीबाग में संस्थापक दिवस, फैंसी ड्रेस एवं मज़दूर दिवस धूमधाम से मनाया गया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। सेक्रेड हार्ट स्कूल, आर्य नगर, हज़ारीबाग में दिनांक 30/04/2025 को संस्थापक दिवस, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं मज़दूर दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर नर्सरी से कक्षा 2 तक के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया।
कार्यक्रम का संचालन श्री विनोद सर ने किया। उन्होंने विद्यालय के संस्थापक Rt. Rev. Louis Van Hoeck, S.J. के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे एक महान समाजसेवी थे। उनका जीवन निस्वार्थ सेवा, समर्पण और मानवता के लिए कार्य करने का प्रतीक रहा है। आज भी उनके सिद्धांत और मूल्य विद्यालय में जीवित हैं और विद्यार्थियों को एक उज्ज्वल दिशा प्रदान करते हैं।
फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छोटे-छोटे बच्चों ने किसान, सैनिक, डॉक्टर, नर्स, पुलिस, मज़दूर आदि के रूप में आकर्षक वेशभूषा धारण कर मंच पर शानदार प्रस्तुति दी। उनकी मासूमियत और आत्मविश्वास ने सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।
इस पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बच्चों को प्रशिक्षण देने से लेकर मंच सज्जा तक में विशेष सहयोग दिया। उनके मार्गदर्शन और परिश्रम से ही यह आयोजन सफल हो सका। विद्यालय परिवार द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से न केवल संस्थापक की स्मृति को सम्मानित किया गया, बल्कि बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं श्रम के प्रति सम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित किया गया।

खतियानी परिवार की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। पुराना धरना स्थल के नजदीक अशोक राम की अध्यक्षता में खतियानी परिवार की बैठक की गई, बैठक में सर्व समिति से इस मुद्दे पर चर्चा की गई की, हम खतियानी परिवार के लोग यह समझ नहीं पाते हैं कि, अपना मतदान किसे दे सभी लोग जनता के दर्द की बात करते हैं लेकिन सत्ता मिलते ही कार्यालय के दबाव में आ जाते हैं बड़े-बड़े दावे जनता की सेवा के लिए किए जाते हैं लेकिन जनता छटपटाती रहती है और समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए दौड़ धूप करते रहते है, बड़का गांव के गोंदलपुरा पंचायत, की जनता महिला और पुरुष लगभग अपनी जमीन और अस्तित्व की रक्षा के लिए 2 वर्षों से अधिक समय से सत्याग्रह पर लगे हुए हैं, लेकिन उनकी समस्या का समाधान कही दिखाई नहीं पड़ती है, जान देंगे पर जमीन नहीं देंगे यह स्लोगन के साथ जनता आंदोलन रत है, खतियानी परिवार भी अपना समर्थन आंदोलन कार्यो के प्रति दिखता है लेकिन आज तक कोई सार्थक परिमाण देखने को नहीं मिल रहा है इस आंदोलन को व्यापक तरीके से फैलाने की आवश्यकता है सरकार की दमन कार्य नीतियों के सामने बौने पड़ जा रहे हैं। जब कांग्रेस की विधायक अंबा प्रसाद जिस उम्मीद से जनता उनका समर्थन कर रही थी इस समय खटाई पड़ गई और आंदोलन करने वाले लोग दिगभ्रमित होकर अनावश्यक अपने विनाश के लिए निर्णय लेने लगी आश्चर्य है झारखंड की सेवा का सौगंध खाने वाले बाहुबलीयो अपना नेता चुन लिया तब हम खतियानी परिवार के लोग निर्णय लेने की स्थिति में नहीं रह गए हैं आंदोलन की जितनी भी बात कही जाए झारखंड के शोषण करने वालों की कमी नहीं है यह लोग राजनीति का भी प्रभावित करते रहते हैं जनता भोली भाली नेताओं के लुभावनी बातों में फंस जाते हैं जनता टटसत होकर निर्णय लेने की स्थिति में नहीं रह जाती।

जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह आदर्श दंपत्ति सम्मेलन एवं सीएचओ सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय के निर्देशानुसार जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वधान में बुधवार को स्थानीय नगर भवन में जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन-सह आदर्श दंपत्ति सम्मेलन एवं सीएचओ सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। समारोह का उदघाटन कार्यक्रम मे आए अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं में सहियाओं और सीएचओ की भूमिका की सराहना की गई। इस अवसर पर डॉ. शशि जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने में सहियाओं और सीएचओ की अहम भूमिका होती है। सहिया और सीएचओ स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ के रूप में जानी जाती हैं। सहिया के अस्तित्व में आने से स्वास्थ्य विभाग को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि समारोह के माध्यम से सहिया एवं सीएचओ के अनुभव एवं तकलीफ को समझने का प्रयास किया जा रहा है। संस्थागत प्रसव कराने, फैमिली प्लान्स को इंप्रूव करने सहित कई कार्यो में आपकी सहयोग सराहनीय रही है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य सहिया और सीएचओ को आगे भी अधिक समर्पित भाव से कार्य करने को प्रेरित किया।
कार्यक्रम में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी आर. के. जायसवाल ने कहा कि जिले को टी.बी. मुक्त बनाने मे अपनी अग्रणी भूमिका निभाकर सहिया और सीएचओ अपना योगदान दे सकते हैं। जिस लगन से आप सभी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य विभाग के द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही सेवाओं का लाभ दिलाने में सहायता प्रदान करते हैं ठीक उसी प्रकार जिले को यक्ष्मा मुक्त बनाने में सहायता प्रदान करने का मजबूत प्रयास कीजिए। ग्रामीण क्षेत्रों में आप सब लोगों को हेल्थ एजुकेशन के बारे में जागरूक करने का कार्य करें।
समारोह में सीएचओ और सहिया को प्रभावी तरीके से स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करनेवाली सहिया और सीएचओ को सम्मानित किया। उन्हें प्रमाण पत्र, शील्ड और पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह की सक्रियता से कटकमदाग में बिजली संकट का समाधान, ग्रामीणों में खुशी की लहर

● मेरा मुख्य उद्देश्य हमेशा से ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना रहा है: मुन्ना सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
कटकमदाग। बुधवार को कटकमदाग प्रखंड के बेस पंचायत के फुटानी चौक में 63 केवीए के जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलकर 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। यह कार्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह के नेतृत्व और सक्रियता के कारण संभव हो सका। उनके अथक प्रयासों से इलाके के सैकड़ों ग्रामीणों को लंबे समय से चले आ रहे बिजली संकट से राहत मिली है। इससे पहले, पुराने ट्रांसफार्मर की खराबी के कारण कई दिनों तक बिजली की आपूर्ति बाधित रहती थी, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अब नए ट्रांसफार्मर की स्थापना के साथ बिजली आपूर्ति की स्थिति में सुधार हुआ है और इससे इलाके में खुशी की लहर दौड़ गई है।मौके पर निजी मीडिया प्रतिनिधि विक्की कुमार धान ने ट्रांसफार्मर को ग्रामीणों के हवाले किया और यह कार्य मुन्ना सिंह जी के निरंतर नेतृत्व में संपन्न हुआ। स्थानीय ग्रामीणों ने मुन्ना सिंह के प्रयासों का आभार व्यक्त किया और कहा कि इस पहल से न केवल बिजली की समस्या हल हुई है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सुधार होगा। मौके पर मुन्ना ने कहा कि मेरा मुख्य उद्देश्य हमेशा से ही ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करना रहा है। यह कदम इसी दिशा में उठाया गया है और भविष्य में भी हम इस क्षेत्र की अन्य बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय रूप से काम करेंगे। ग्रामीणों ने इस पहल के लिए मुन्ना सिंह जी का धन्यवाद किया और कहा कि इससे उनके दैनिक जीवन में सुधार होगा। इस मौके पर बबलू सिंह,मनोज कुमार महतो, बीरबल कुमार महतो, गोपी गंझु, तिलेश्वर महतो, बबली महतो, तिलो महतो उपस्थित थे।

जनजातीय अध्ययन केंद्र प्रारंभ करना विभावि की प्राथमिकता: कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह

● स्थानीय सांसद एवं पद्म पुरस्कार विजेता से लिया जाएगा मार्गदर्शन

● विस्तृत प्रस्ताव बनाने के लिए मानवविज्ञान विभाग को दिया है दायित्व

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय मुख्यालय में अवस्थित जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन में पठन-पाठन एवं अन्य गतिविधियों को प्रारंभ करना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इस संबंध में बहुत जल्द स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल एवं पद्म पुरस्कार विजेता तथा जनजातीय मामलों के विशेषज्ञ अल्फ्रेड बुलू ईमान से मार्गदर्शन हेतु संपर्क किया जाएगा। उक्त जानकारी विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने सोमवार को विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ सुकल्याण मोइत्रा को दी।
उन्होंने बताया कि जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ विनोद रंजन को 28 अप्रैल 2025 को इस संबंध में प्रस्ताव बनाने का दायित्व दिया है। प्रस्ताव का प्रारूप 2 मई को समर्पित करने को कहा गया है। ज्ञात हो कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय का मानव विज्ञान विभाग जनजातीय अध्ययन एवं शोध मे कीर्तिमान स्थापित करने के लिए जाना जाता है। जल्द विश्वविद्यालय का जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा (टिआरएल) विभाग को इस कार्य से जोड़ा जाएगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय मुख्यालय में कार्यरत जनजाति शिक्षक एवं जनजाति मामलों के जानकार शिक्षकों को भी इसमें शामिल करते हुए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन शीघ्र किया जाएगा।
प्रोफेसर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड में और विशेष कर विनोबा भावे विश्वविद्यालय के क्षेत्र में जनजातियों की एक बहुत बड़ी और खूबसूरत आबादी है। इसी को देखते हुए विश्वविद्यालय ने जनजातीय अध्ययन केंद्र भवन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को समर्पित किया था। अब इसमें जनजातीय अध्ययन एवं शोध हेतु पुस्तकालय की स्थापना तथा जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषाओं का अलग-अलग स्तर पर अध्ययन की व्यवस्था किया जाना है। इसके अलावे इस परिसर के समक्ष एक जनजातीय अखड़ा का निर्माण किया जाएगा। साथ ही इस भवन में उच्च स्तरीय तथा आधुनिक जनजातीय संग्रहालय की स्थापना होना है। इसमें डिजिटल संग्रहालय की तकनीक का भी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में दिल्ली के कुछ विशेषज्ञ से वह बात कर रहे हैं।
कुलपति ने बताया कि पहले चरण में प्रस्ताव का निर्माण किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में कोई भी कार्य करने के लिए संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण करना पड़ता है। इसमें राजभवन तथा झारखंड सरकार का उच्च शिक्षा मंत्रालय से भी अनुमति लेनी पड़ती है। इसमें कुछ समय लगते हैं।
उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा समर्पित प्रस्ताव को राजभवन तथा राज्य सरकार से स्वीकृति मिलने में जो समय लगेगा उस समय का भी सदुपयोग करते हुए इस भवन में आसपास के जनजाति एवं अन्य ग्रामीण समुदाय के लोगों के लिए कुछ छोटे-छोटे व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी।
कुलपति ने कहा कि वह भारत का अग्रणी कृषि विश्वविद्यालय से आए हैं और चाहते हैं कि उनके इस पृष्ठभूमि का लाभ हजारीबाग एवं आसपास के जिलों के लोगों को मिले।

संविधान बचाओ अभियान के तेहत की गई प्रेसवार्ता

गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने किया प्रेस को संबोधित

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण वल्लभ आश्रम में संविधान बचाओ अभियान के तेहत एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने की । झारखंड प्रदेश के गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संवैधानिक मूल्यों के बेतुके उल्लंघन और राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से केंद्रीय एजेंसी के खुले तौर पर हथियारबंद किए जाने संघीय सिद्धांतों के बार-बार अतिक्रमण और बढ़ती महंगाई बेरोजगारी तथा बढ़ती असमानता पर सरकार किस शर्मनाक उपेक्षा के खिलाफ एक शक्तिशाली जनआधारित राजनीतिक प्रतिरोध का प्रतीक है ।संविधान के प्रति एक घोर अपमान की भावना से न्यायपालिका को भी अब अप्रत्यक्ष धमकियों और दबाव की रणनीति से शिकार बनाया जा रहा है जो बढ़ती तानाशाही का स्पष्ट संकेत है। इन्होंने कहा कि राज स्तरीय संविधान बचाओ रैली 6 मई को रांची में पुराने विधानसभा धुर्वा मैदान में आयोजित की गई है इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राष्ट्रीय महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और केंद्र स्तरीय नेता, प्रदेश स्तरीय नेता विभिन्न जिला के पदाधिकारी और भारी संख्या में जनता की भागीदारी होगी। इसके बाद जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां 4 में से 10 मई तक प्रत्येक जिला मुख्यालय में जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में किया जाएगा इस कार्यक्रम के बाद विधानसभा स्तरीय संविधान बचाव रैली 11 से 17 मई तक हर विधानसभा मुख्यालय में सुनिश्चित किया गया है । इसके बाद 20 मई 30 मई तक घर-घर जन संपर्क अभियान चलाया जाएगा । इस अभियान में लगातार उन्मुख मुद्दों को उजागर किया जाना चाहिए जो हमारे गणतंत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रवक्ता रियाज अंसारी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा संविधान और स्वतंत्र संस्थानों पर लगातार किए जा रहे हैं हमले केंद्रीय एजेंसीयों के माध्यम से पार्टी नेतृत्व के खिलाफ सत्ता का खुला दुरुपयोग और महंगाई व रोजगार सृजन में सफलता ने देश को गंभीर संकट में धकेल दिया है इस सरकार की नीतियों ने सामाजिक असमानताओं को बढ़ाया है और गरीबों व सबसे कमजोर वर्गों को निराश किया है । प्रदेश में 06 मई को होने वाले संविधान बचाओ रैली कार्यक्रम में भारी संख्या में हजारीबाग से कांग्रेसी कार्यकर्ता भाग लेंगे।

डिज्नीलैंड मेला में लोग करेंगे माता वैष्णो देवी अमरनाथ के दर्शन, उद्घाटन कल

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। बड़कागांव-हजारीबाग रोड स्थित शांति नर्सिंग होम के सामने डिज्नीलैंड मेला सह मीना बाजार लगाने की तैयारी जोर-शोर से की जा रही है। इस मेले में चार धाम यात्रा माता वैष्णो देवी, अमरनाथ गुफा का दिव्य दर्शन लोग कर सकेंगे। साथ ही साथ टावर झूला, टोरा-टोरा, फ्रेज्जबील झूला, ब्रेक डांस झूला, नौका मारुति सर्कस, ड्रैगन बच्चों के मनोरंजन के लिए छोटे झूले, मीना बाजार में हरेक तरह की आधुनिक सामान की दुकानें लोगों को अपनी ओर काफी आकर्षित करेगी, मेले के आयोजक पंचम कुमार ने बताया की मेला लगाने को लेकर सारी तैयारियां जोरों पर है और माता वैष्णो देवी का पंडाल झूला मीना बाजार आदि लगाया जा रहा है रंग रोगन का काम किया जा रहा है। 2 मई शुक्रवार को उद्घाटन किया जाएगा।

अक्षय तृतीया के दिन प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव को मिला था प्रथम आहार दान

● हजारीबाग के दोनों दिगंबर जैन मंदिरों में गन्ने का रस वितरित कर मनाया गया आहार दान दिवस

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अक्षय तृतीया (अखा तीज) के पावन अवसर पर मंगलवार को हजारीबाग नगर क्षेत्र के दोनों प्रमुख दिगंबर जैन मंदिर – बड़ा बाजार और बॉडम बाजार – में प्रातः काल से ही धार्मिक वातावरण श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण रहा। श्रद्धालुओं ने शांतिधारा, अभिषेक एवं विशेष पूजा-अर्चना कर प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) के प्रथम आहार दान दिवस को श्रद्धापूर्वक मनाया।
जैन परंपरा के अनुसार, भगवान ऋषभदेव ने दीक्षा लेने के पश्चात छह माह तक उपवास किया और फिर नियमपूर्वक आहार की प्रतीक्षा करते हुए नगर-नगर विचरण करते रहे। वे केवल शुद्ध भावना से और विधिपूर्वक दिए गए आहार को ही स्वीकार करने के लिए तत्पर थे। अंततः तेरहवें मास के अंत में, अक्षय तृतीया के दिन, हस्तिनापुर के राजा सुमित्र के पुत्र श्रेयांस कुमार को अपने पूर्व जन्म की स्मृति जाग्रत हुई, जिसके प्रभाव से उन्हें यह ज्ञान हुआ कि मुनिराज को किस विधि से आहार दिया जाता है। उन्होंने नियमपूर्वक गन्ने का रस (इक्षुरस) अर्पित किया, जिसे भगवान ऋषभदेव ने स्वीकार किया। यही ऐतिहासिक घटना जैन इतिहास में प्रथम आहार दान के रूप में प्रसिद्ध हुई, जिसे आज आहार दान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस परंपरा को जीवंत करते हुए, हजारीबाग के दोनों मंदिरों में गन्ने का रस भक्तों के बीच वितरित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस रस का पान कर भगवान ऋषभदेव के प्रथम आहार ग्रहण की स्मृति को आत्मसात किया। मंदिरों में दिनभर भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा।
इस अवसर पर मीडिया प्रभारी श्री राजेश लुहाड़िया ने बताया कि - अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं, बल्कि जैन संस्कृति के जीवंत मूल्यों – त्याग, तप, दान, संयम और सेवा – की प्रेरक स्मृति है। यही वह ऐतिहासिक दिन है जब जैन धर्म में दान तीर्थ की परंपरा का प्रवर्तन हुआ। प्रथम आहार दान की यह घटना हमें यह सिखाती है कि शुद्ध भाव से दिया गया आहार न केवल मुनिराज के लिए बल्कि दाता के लिए भी आत्मकल्याण का माध्यम बनता है। इसी कारण आज के दिन कुछ न कुछ दान देने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है, जो पुण्य, परोपकार और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। यह दिवस जैन समाज के लिए गौरव, श्रद्धा और आत्मकल्याण का प्रेरणास्त्रोत है। इस दिन दिया गया दान और पुण्य कभी क्षय नहीं होता, इसलिए इसे अक्षय (जिसका कभी नाश न हो) कहा जाता है तथा यह घटना वैशाख शुक्ल तृतीया की थी - इसीलिए यह दिन अक्षय तृतीया कहलाया।

संक्षिप्त समाचार

डी नोबिली स्कूल के पहले बैच ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन - 100% परिणाम

गोमो। डी नोबिली स्कूल के लिए यह गर्व का क्षण है की विद्यालय के कक्षा 10 के पहले बैच ने ICSE बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100त्न परिणाम प्राप्त किया है। CISCE द्वारा आयोजित इस परीक्षा में विद्यालय के कुल 29 छात्रों ने भाग लिया एवं सभी छात्र सफल घोषित किए गए। इस प्रथम बैच में 29 में से 13 छात्रों ने 80त्न से अधिक अंक प्राप्त किए है, जो कि उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रत्यक्ष प्रमाण है।
इस बैच के टॉपर भावेश बिसु है जिन्होंने 92.4त्न अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि अपने माता-पिता का सिर भी गर्व से ऊँचा कर दिया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य फॉ. जेम्स थरानिएल ने इस अवसर पर छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और विद्यालय के शैक्षणिक माहौल का परिणाम है। यह केवल एक शुरुआत है- हमारे छात्रों का भविष्य और भी उज्जवल है। विद्यालय की उपप्रधानाचार्या सि0 उर्मिला खाखा, समस्त शिक्षकगण एवं सभी स्टाफ विद्यार्थियों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। डी नोबिली स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्टता की दिशा में अग्रसर है, और यह उपलब्धि उसी का प्रमाण है।

प्रेम प्रसंग के मामले में चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। इटखोरी पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर हलमता पंचायत के ग्राम जुगुडीह गांव के एक आरोपी को गिरफ्तार कर बुधवार को चतरा जेल भेज दिया है। इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह बताया कि बिनोद उर्फ़ छोटू यादव पिता लालो यादव के विरुद्ध इटखोरी थाने में प्रेम प्रसंग को लेकर कुछ माह पहले भुरकुंडा जंगल में एक व्यक्ति को चाकू मार कर घायल करने संबंधित कांड संख्या 30/25 का मामला दर्ज था। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी फरार चल रहा था। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपी की खोजबीन में लगातार जुटी हुई थी। आरोपी को नगवां से गिरफ्तार कर लिया गया और न्यायिक हिरासत में चतरा जेल भेज दिया गया है।

ने.सु.च.बो. जं. गोमो स्टेशन पर चलाया गया किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान

गोमो। धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज 30 अप्रैल 2025 को ने.सु.च.बो. जं. गोमो स्टेशन पर गोमो की चेकिंग दस्ता द्वारा किला बंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत सुबह 8 बजे से चलाया गया। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशन के प्रत्येक प्रवेश व निकास द्वार तथा मार्गों पर टिकट चेकिंग स्टाफ की इस प्रकार तैनाती की गयी कि प्रत्येक आने-जाने वाले यात्री के टिकट की जांच की जा सके। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप कुल 140 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 76 हज़ार 205 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की सलाह देता है तथा यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है उसी श्रेणी में यात्रा करने का अनुरोध करता है।
मोहम्मद इकबाल
(वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद
एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी)

एक्सआईएसएस के 64वें दीक्षांत समारोह में हुसैनाबाद निवासी अशोक कुमार सिंह को दिया जाएगा प्रतिष्ठित एलुमनाई अवार्ड, ज़िप उपाध्यक्ष आलोक ने दी अग्रीम बधाई

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू
हुसैनाबाद। जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) का 64वाँ दीक्षांत समारोह 03 मई की शाम 4:30 बजे संस्थान परिसर में आयोजित होगा। इसमें बैच 2023-2025 के 312 विद्यार्थियों को डिप्लोमा वितरित किए जाएँगे। झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय विकास सलाहकार

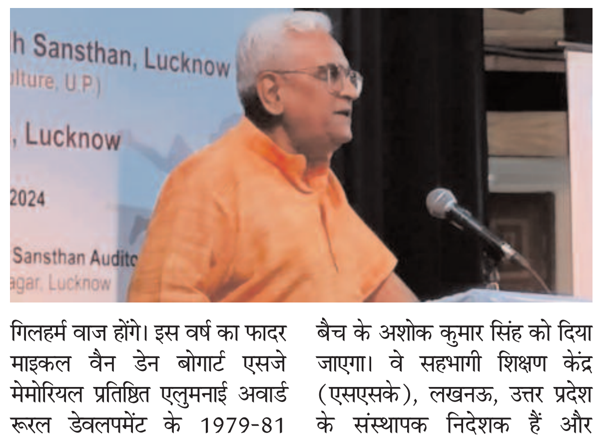

गिलहर्म वाज होंगे। इस वर्ष का फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल प्रतिष्ठित एलुमनाई अवार्ड रूरल डेवलपमेंट के 1979-81 बैच के अशोक कुमार सिंह को दिया जाएगा। वे सहभागी शिक्षण केंद्र (एसएसके), लखनऊ, उत्तर प्रदेश के संस्थापक निदेशक हैं और हुसैनाबाद के महुअरी गाँव के निवासी हैं। उन्हें मिलने वाले इस अवार्ड पर पलामू ज़िला परिषद उपाध्यक्ष सह युवा झामुमो नेता आलोक कुमार सिंह उर्फ़ टुटू सिंह ने उन्हें अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि अशोक जी की इस उपलब्धि पर हुसैनाबाद का महुअरी गाँव समेत पूरा ज़िलावासी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं।
विदित हो कि दीक्षांत समारोह में 24 विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए जाएँगे। साथ ही, 04 विद्यार्थियों को 1.62 लाख रुपये का नक़द पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, चयनित 24 छात्र-छात्राओं को 7.6 लाख रुपये की संस्थागत छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। इनमें फादर माइकल वैन डेन बोगार्ट एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (एससी/एसटी वर्ग के मेधावी छात्रों के लिए), फादर माइकल अल्बर्ट विंडी एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (मेधावी छात्रों के लिए) और फादर लुइस फ्रेंकेन एसजे मेमोरियल स्कॉलरशिप (सभी श्रेणियों के विद्यार्थियों के समग्र प्रदर्शन के लिए) शामिल हैं।
संस्थान में अपनी लंबी सेवा के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में अभिभावक और पूर्व छात्र भी भाग लेंगे। विषयवार स्नातक हो रहे विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार है - मानव संसाधन प्रबंधन में 118, ग्रामीण प्रबंधन में 77, वित्तीय प्रबंधन में 58 और विपणन प्रबंधन में 59। समारोह में दिए जाने वाले पदकों में स्वर्ण 11, रजत 08, काँस्य 05 शामिल हैं।

शिक्षा के महत्व के साथ-साथ जीवन के उद्देश्य को भी समझें विद्यार्थीः अविनाश देव

मेदिनीनगर। वर्तमान समय में तमाम देशों में जो परिदृश्य दिख रहा है, वह मानवता को कलंकित कर रहा है। जिस तरह से उन्नत प्रौद्योगिकी के दौर में विज्ञान अपने पैर पसारता जा रहा है, मानव जीवन को सुगम बनाने के लिए वैज्ञानिक तमाम आविष्कार कर रहे हैं, सोशल मीडिया के दौर में भाईचारा एवं सौहार्द होना चाहिए, लेकिन हृदय की संवेदना इस कदर छिन गई है कि लोग अपने धर्म की ध्वजा फहराने और अपने देश को सर्वश्रेष्ठ साबित करने के लिए बेपरवाह लहू की धाराएं बहा रहे हैं, जो मानव जाति के लिए निंदनीय है।
उक्त बातें संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने प्रार्थना सभा में बच्चों को कहीं। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षा के महत्व के साथ-

साथ जीवन के उद्देश्य को भी समझना ज़रूरी है। जिस तरह से हम धर्म को आराध्य मानते हैं, उसी प्रकार अध्यात्म को भी अपने जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता है, ताकि हम अपने जीवन के उद्देश्य को समझ सकें। शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी सीखना है, ताकि हम हृदय को संवेदनशील बना सकें। वैज्ञानिक परख प्रवृत्ति के साथ-साथ आत्मज्ञान को भी अर्जित करना होगा, ताकि हम अपने देश में भाईचारे व सौहार्द की सुगंध बिखेर सकें।
चेयरमैन अविनाश देव ने छात्रों एवं छात्राओं को उत्कृष्टता के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए कहा। साथ ही, कहा कि इसका उद्देश्य अपने निजी स्वार्थ एवं सिर्फ़ परिवार की खातिर नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए भी होना चाहिए, क्योंकि जब तक हमारे देश में स्नेह का संबंध, सहिष्णुता की सुगंध, नैतिकता का निर्वाह और पवित्रता की परवाह नहीं होगी, तब तक हमारा घर, परिवार और समाज भी सुरक्षित नहीं होगा।

जपला स्टेशन पर चला सघन टिकट चेकिंग अभियान

आदिवासी एक्सप्रेस लालू कुमार यादव हुसैनाबाद पलामू
हुसैनाबाद पलामू डीडीयू रेल मंडल के जपला स्टेशन पर मंगलवार को सीटीआई दीपक कुमार व आरपीएफ निरीक्षक प्रभारी राजेश कुमार मीणा के नेतृत्व में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमे टिकट जाँच कर्मी, वाणिज्य निरीक्षक/पर्यवेक्षक सहित सभी वाणिज्य अधिकारी व आरपीएफ कर्मी उपस्थित रहे द्यइस दौरान डेहरी ऑन सोन-बरवाडीह शटल पैसेंजर,डीजीआर व बीडीएम पैसेंजर ट्रेनों को लक्ष्य कर गहन जाँच किया

टिकट चेकिंग अभियान चलाते आरपीएफ व टीटीई

गया तथा बिना टिकट/अनुचित टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों से नियमानुसार जुर्माने की राशि वसूल की गयी द्यवही आरपीएफ ने महिला व विकलांग बोगी में अनाधिकृत रूप से यात्रा कर रहे दो व्यक्ति व एक भेंडर पकड़ा जिसे अग्रिम कारवाई हेतु रेलवे न्यायालय डाल्टनगंज प्रेषित किया। साथ ही बिना टिकट व अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों को नियमित टिकट लेकर चलने हेतु प्रेरित किया गया।
सीटीआई दीपक कुमार ने बताया कि इस तरह के टिकट चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेंगे। सभी से अनुरोध है कि सदैव उचित टिकट लेकर संबंधित श्रेणी के कोच में ही यात्रा करें एवं अन्य यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखें। मौके पर आरपीएफ के एसआई कार्तिक बिंझा, जेपी प्रसाद, टीटीई आशीष कुमार, मुकेश कुमार मित्रा ,रविंद्र कुमार, संजय सिंह समेत कई कर्मी मौजूद थे।

रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार के सभी फैसलों को स्वास्थ्य मंत्री इरफान ने बताया असंवैधानिक

संवाददाता द्वारा
रांचीः झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद दोबारा पदभार ग्रहण करने वाले रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार के 29 अप्रैल को लिए गए सभी फैसले को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने असंवैधानिक करार दिया है. उनके साथ मौजूद अपर मुख्य निदेशक (स्वास्थ्य) अजय कुमार सिंह ने कहा कि जब रिम्स के एसोसिएट और असिस्टेंट प्रोफेसर की पदोन्नति का मामला रिम्स शासी परिषद की बैठक में पास ही नहीं हुआ तो फिर निदेशक ने कैसे यह फैसला ले लिया. अपर मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि पिछले कुछ दिनों से रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार मीडिया में आकर बयानबाजी कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है.
नेपाल हाउस मंत्रालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जिसका कोई वजन नहीं है और जो स्वास्थ्य महकमे के छोटा सा अंग है वह इन दिनों ऐसा दिखा रहा है कि मानो वह मंत्री और स्वास्थ्य विभाग से टकरा रहा है. इरफान अंसारी ने कहा हम चुप

सिर्फ इसलिए हैं, क्योंकि हम न्यायालय का सम्मान करते हैं.÷ जब कोर्ट ने अगले 06 मई को सुनवाई की तारीख रखी है, तब तक उन्हें (डॉ. राजकुमार) को इंतजार करना चाहिए था.
स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि 29 अप्रैल को रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार का लिया सभी फैसला अमान्य होगा, क्योंकि ये सभी असंवैधानिक हैं. मंत्री ने कहा कि रिम्स के 81 चिकित्सक शिक्षकों को प्रमोशन देने से बाकी बचे 19 डॉक्टर्स शिक्षक हड़ताल करने जा रहे थे. जिन्हें उन्होंने आग्रह कर रुकवाया है. मंत्री ने कहा कि अपर मुख्य सचिव ने भी साफ कर दिया है कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी.
शासी परिषद की बैठक के बाद रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार पर कई आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने उन्हें निदेशक पद से बर्खास्त कर दिया था. विभाग की ओर से रिम्स की डीन डॉ. शशिबाला सिंह को प्रभारी निदेशक बनाने के निर्देश भी जारी कर दिए थे. स्वास्थ्य मंत्री और सरकार के इस फैसले के खिलाफ डॉ. राजकुमार झारखंड उच्च न्यायालय चले गए थे. अदालत ने मामले की सुनवाई करते गए डॉ. राजकुमार को निदेशक पद से हटाने के 17 अप्रैल के आदेश को स्थगित करते हुए 06 मई को अगली सुनवाई की तिथि तय की थी.
इस फैसले के आलोक में डॉ. राजकुमार ने 29 अप्रैल को दोबारा से रिम्स निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया था और उसके बाद रिम्स फैकल्टी के लंबित 81 चिकित्सा शिक्षकों के पदोन्नति की सूची जारी की थी, वहीं सीटी स्कैन मशीन खरीद का भी पत्र जारी किया था, इसके साथ साथ उन्होंने एक रास्ते को भी खुलवा दिया था. अब स्वास्थ्य मंत्री और अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने रिम्स निदेशक के इन तीनों फैसले को गलत बताते हुए जल्द जीबी की बैठक बुलाने की बात कही है.

प्रथम पृष्ठ का शेष

हमने कहा था कि जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे....

जातिगत जनगणना का इतिहास क्या है? : जातिगत जनगणा की शुरुआत अंग्रेजों के समय से हो गई थी। सबसे पहले साल 1931 में जाति जनगणना करवाई गई थी। अंग्रेजों के दौर में तो वैसे भी हिंदुस्तान के लोगों को जाति के आधार पर ही देखा जाता था, ऐसे में तब ऐसी किसी भी जनगणना को होना काफी आम बात थी। वैसे एक बात तो तब भी तय कर दी गई थी, हर 10 साल में जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। ऐसे में 1941 में भी इस प्रक्रिया को किया गया, लेकिन तब आंकड़े सामने नहीं रखे गए। तर्क दिया गया कि जाति आधारित टेबल तैयार नहीं हो पाई, ऐसे में आंकड़े भी जारी नहीं हुए।
फिर देश आजाद हुआ और 1951 में फिर जाति जनगणना करवाई गई। यहां पर पहली बार बड़ा खेल हुआ, इतने बड़े सर्वे में ओबीसी वर्ग को शामिल नहीं किया गया। सिर्फ अुसूचित और अनुसूचित जनजातियों को जनगणना में रखा गया। 2011 तक ऐसे ही चलता रहा, जनगणना तो हुई लेकिन ओबीसी वर्ग को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई।
जातिगत जनगणना की अब क्यों जरूरत? : असल में देश में जब मंडल कमीशन लागू हुआ था, तब कहा गया था कि देश में ओबीसी वर्ग की आबादी 52 फीसदी है। लेकिन तब वीपी सरकार जिस 52 फीसदी के आंकड़े तक पहुंची थी, उसका आधार 1931 का सेंसस था। ऐसे में उसे कितना सटीक माना जाए, यही सबसे बड़ा सवाल रहा। तर्क दिया गया कि देश में समय के साथ ओबीसी की आबादी भी बदल चुकी है, काफी ज्यादा बढ़ी भी है, ऐसे में 52 फीसदी का आंकड़ा कितना सही माना जाए? अब यह सवाल उन पार्टियों द्वारा सबसे ज्यादा उठाया गया जो चाहते थे कि जातिगत जनगणना करवाई जाए।
वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने एक फैसले में साफ कर दिया था कि सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकती हैय़ अब यही पर जाति जनगणना की बात करना जरूरी है। इसका विरोध करने वाले मानते हैं कि अगर ओबीसी की आबादी ज्यादा निकली तो 50 फीसदी की सीमा को भी तोड़ दिया जाएगा। कुछ का तर्क तो यह भी है कि ऐसे किसी भी सेंसस से देश में और ज्यादा बंटवारा हो जाएगा।
जातिगत जनगणना से कोई फायदा?: जातिगत जनगणना का जो समर्थन करते हैं, उनका तो साफ मानना है कि एक सेंसस से पिछड़े-अति पिछड़े वर्ग के बारे में काफी कुछ पता चलेगा। उनकी शैक्षणिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति को लेकर स्पष्टता आएगी। जब उन आंकड़ों में स्पष्टता आएगी तब सरकार भी उनके लिए और मजबूती के साथ नीतियां बना पाएगी। जरूरत पड़ने पर उनकी उचित सहायता भी की जा सकेगी।
जाति जनगणना को लेकर बीजेपी की विचारधारा : बीजेपी की जाति जनगणना को लेकर विचारधारा बदलती रही है। जिस समय इस पार्टी का जन्म हुआ था, तब तो यह पूरी तरह ऊंची जातियों की कही जाती थी। ब्राह्मण और बनियों वाला तमगा तो उसके साथ मजबूती से जुड़ चुका था। लेकिन 1985 में पार्टी ने पहली बार अपनी विचारधारा में बदलाव किया। मंडल आयोग की सिफारियों को लागू करने वाले एक प्रस्ताव को पास किया। उस समय माना गया कि बीजेपी समझ चुकी थी कि बिना अगड़ी जाति के राजनीति नहीं हो सकती। लेकिन बीजेपी का यह विचार भी लंबे समय तक नहीं टिका। राम मंदिर आंदोलन ने फिर उसे हिंदुत्व की राजनीति की ओर ढकेल दिया। तब कमंडल बनाम मंडल की राजनीति का आगाज हुआ।
अब कई सालों तक बीजेपी ऐसे ही राजनीति करती रही, उसे हिंदुओं की कई जातियों का वोट तो मिला, लेकिन ओबीसी उससे दूर जाता गया। ऐसे में केंद्र में जब पहली बार मोदी सरकार आई, इस वर्ग को साधने की तैयारी शुरू हुई। फिर 2019 में आर्थिक रूप से पिछड़ी ऊंची जातियों के लोगों के लिए भी 10% आरक्षण की व्यवस्था ने भी समीकरणों को बदला। अब बीजेपी ओबीसी वोटरों के बीच में खासा लोकप्रिय हो चुकी है।
कांग्रेस सांसद ने कहा, आज मैं कानपुर गया था और आंतकवादी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार से मुलाकात की। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं जिन्होंने ये किया है उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। हमने कहा था कि जो हुआ है वो स्वीकार्य नहीं है। पूरा विपक्ष सरकार को समर्थन करेगा और हम दे रहे हैं। पीएम मोदी को सख्त कार्रवाई करनी है और हम सब उनके साथ खड़े हैं। परिवार ने पीएम मोदी के लिए एक संदेश दिया है, उन्होंने कहा है कि उनके बच्चे को 'शहीद' का दर्जा दिया जाए।

बड़कागांव मे प्रखंड स्तरीय स्कूल रुआर, 2025 कार्यक्रम का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। झारखंड शिक्षा परियोजना की ओर से बृहस्पतिवार को प्रखंड संसाधन केंद्र बड़कागांव स्थित कन्या मध्य विद्यालय सभागार भवन में प्रखंड स्तरीय स्कूल रुआर 2025 कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन बीपीएम प्रहलाद गुप्ता व शिक्षक अवधेश कुमार ने संयुक्त रूप किया। कार्यक्रम का शुभारंभ बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल, सीओ मनोज

कुमार, सांसद प्रतिनिधि सह मुखिया संघ रंजीत कुमार, सांसद सह प्रतिनिधि एवं पंचायत समिति कृष्णा राम ,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद, मुखिया कमला देवी के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया।
कार्यशाला का उद्देश्य को बदलते हुए प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी जवाहर प्रसाद ने कहा कि स्कूल द्वारा कार्यक्रम 16 दिनों तक नियमित रूप से संचालित किया जाएगा इसके तहत प्रखंड क्षेत्र में ड्रॉप आउट और जिनका नामांकन नहीं हुआ है उन्हें स्कूल से जोड़ना लक्ष्य है। इसमें शिक्षक ,अभिभावक, विद्यालय प्रबंधन समिति, माता समिति और जनप्रतिनिधि के सहयोग से कार्यक्रम को सफल करना है। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि प्रखंड क्षेत्र का कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न हो। बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल ने अपने संबोधन में कहा कि स्कूल रुआर2025 एक महत्वकांक्षी पहल है जिसका उद्देश्य 6 से 18 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा में लाना है। अंचलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा रुआर कार्यक्रम का उद्देश्य है कि प्रखंड क्षेत्र का कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न हो। कार्यक्रम में मुखिया संघ अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि रंजीत कुमार, कृष्णा राम मुखिया कमला देवी ने भी अपने संबोधन में रुआर कार्यक्रम में प्रखंड क्षेत्र का कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहने की बात कही। सभा में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक शिवराम शर्मा ने किया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक अशोक कुमार, रवि शंकर पाठक, जेलेंद्र प्रसाद चौरसिया,शमशेर आलम, जलाल सगीर, बिरेंद्र कुमार, मो मौसुफ, लखेश्वर महतो,सागर कुमार गुप्ता, सुनील कुमार रजक, राज कुमार ,रंजीत नाग समेत बीआरपी ,सीआरपी, एवं प्रखंड भर के सैकड़ो शिक्षक एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ग्राम पंचायतों द्वारा जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को टैंकर से की जा रही है पानी की आपूर्ति

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ग्राम पंचायत द्वारा टैंकर से जरूरतमंद परिवारों को पानी पहुंचाया जा रहा है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी होने के कारण, ग्राम पंचायतें के क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही हैं ताकि लोगों की पानी की आवश्यकता पूरी हो सके। इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि गर्मी के मौसम में, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, पानी की कमी एक आम समस्या है। इसे दूर करने के लिए उपायुक्त महोदय के आदेशानुसार टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों के उन परिवारों तक पानी पहुंचाई जा रही है जो पानी की कमी से प्रभावित हैं। इसके अलावे जिस भी ग्राम पंचायत क्षेत्र में हैंडपंप ख़राब हो गया था जलसहिया से सर्वेक्षण कराकर उसे ग्राम पंचायत और पेयजल स्वच्छता विभाग के द्वारा मरम्मती कराई गई है और इस पर पैनी नजर रखते हुए निरंतर जलसहिया और ग्राम पंचायतों से सम्भावित खराब हेण्डपंपों को दुरूस्त कराने के लिए कार्रवाई की जा रही है ताकि हैंडपंपों के सूख जाने के कारण जलसंकट उत्पन्न ना हो।

बायोश्री योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को एलिम्को के द्वारा दिव्यांगजनो को निशुल्क जांच शिविर का आयोजन हुआ

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) बुधवार को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों को ADIP के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायता एवं उपकरण कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के द्वारा जाँच शिविर का आयोजन किया गया।
इस आयोजित शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आयोजित शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरण, स्पाइनल ब्रेसेस, सर्वाइकल कॉलर उपकरण और दिव्यांगजनों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऊपरी और निचले अंग के लिए पुनर्वास सहायक उपकरण जैसे व्हील चेयर, बैसाखी और ट्राई व्हीलर, मोटराईज ट्राई साइकल, कान की मशीन आदि आवश्यकताओं की जाँच किया गया। इस शिविर में दिव्यांगजनों को निशुःल्क सहायता एवं उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के कृत्रिम अंग विशेषज्ञ विनय कुमार के द्वारा लगभग 46 वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों का जाँच कर उनमें में से 35 मरीजों को सहायक उपकरण के लिए चिन्हित किया गया।

बासमती में हो रहे पुल निर्माण का ग्रामीणों में नाराजगी

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता आमडा़पड़ा

अमड़ापाड़ा-प्रखंड क्षेत्र के बासमती गांव में मंगलवार को मेला डंगाल में हों रहें पुल निर्माण कार्य का ग्रामीणों के द्वारा विरोध किया गया।ग्रामीणों ने बताया कि बासमती गांव के दुर्गा पूजा मेला डंगाल में ग्रामीण कार्य विभाग के तहत मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना मद से बासमती-धनजोड़ी के बाँसलोई नदी पर पुल निर्माण कार्य की कुल प्राक्कलित राशि 528.596 लाख का निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया है।वहीं पुल निर्माण स्थल पर दुर्गा पूजा का मेला व सोहराय का आयोजन होता है।मेला डंगाल से ग्रामीणों का आस्था जुड़ा हुआ है। मेला डंगाल स्थल पर दुर्गा माता की प्रतिमा स्थल भी मौजूद है।और यह गोचर जमीन है। और यहां कोई भी निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है।वहीं बाँसलोई नदी में करीब एक किलोमीटर की दूरी में दो पुल का निर्माण पूर्व में ही हुआ है। ऐसी स्थिति में यहां पुल निर्माण का कोई औचित्य नहीं है।मौके पर दर्जनों स्थानीय ग्रामीण महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

काली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गयी भव्य कलश यात्रा

आदिवासी एक्सप्रेस/कृष्णा गोस्वामी

देवघर। सारठ प्रखंड क्षेत्र के अलुवारा गांव में काली मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गयी। इसमें क्षेत्र 251 से ज्यादा कन्या व महिलाओं ने हिस्सा लिया। पतरो नदी घाट पर पूजन कर विधिविधान के साथ कलश में जलभर कर कलश यात्रा शुरू हुआ कलश यात्रा में शामिल सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने करीब 4 किलोमीटर भ्रमण करते हुए मंदिर प्रांगण तक पहुंचे. प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तीन दिनों तक चलेगा. इस अवसर पर जय मां काली, जय श्री राम के जयकारे से माहौल भक्तिमय हो उठा। काली मां की मंदिर सैकड़ों वर्षो से यहां विराजित है। जिनका जीर्णोद्धार कराया गया है।

प्रमंडलीय स्तरीय बाल श्रम उन्मूलन अभियान श्रम नहीं शिक्षा का हुआ आगाज़

दुमका। बाल श्रम के विरुद्ध चल रहे राष्ट्रीय आंदोलन को मजबूती प्रदान करने हेतु सीएसीएल झारखंड द्वारा प्रमंडलीय स्तरीय परामर्श बैठक के दूसरे दिन, राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर 44 दिवसीय राज्यव्यापी अभियान #श्रम नहीं शिक्षा का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य झारखंड को बाल श्रम मुक्त बनाना और प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित कराना है। कार्यशाला में बाल श्रम से संबंधित सामाजिक, आर्थिक एवं कानूनी प्रावधानों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने यह प्रतिबद्धता जतायी कि वे आगामी 44 दिनों तक सम्मिलित होकर जागरूकता अभियान, समुदाय स्तर पर बैठक, बाल अधिकार आधारित कार्यक्रम, विद्यालय स्तरीय गतिविधियाँ तथा सरकार व प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को धरातल पर सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे सभी मिलकर झारखंड को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे और हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार दिलाने हेतु समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में कार्य करेंगे। अभियान #श्रम नहीं शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को इस जनांदोलन से जोड़ा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक बच्चें विद्यालय जाए, सुचारू रूप से पठन पाठन करें, सीखें, सुरक्षित व सम्मानजनक बचपन जी को सके तथा अपने भविष्य को संवार सके। मंच का संचालन निक्कू कुमार साह ने किया। उक्त कार्यशाला को सफ़ल बनाने में बाल कल्याण समिति के सदस्य डॉ. राजकुमार उपाध्याय, सदस्या कुमारी विजय लक्ष्मी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चंद्र, जिला बाल संरक्षण इकाई व चाइल्ड हेल्पलाइन के पदाधिकारी एवं कर्मीगण, सीएसीएल के राज्य संयोजक संजीव भगत, सीएसीएल कैंपेन कॉर्डिनेटर सुप्रिया पाल, बाल गृह की अधीक्षिका कुमारी अपर्णा, लोक कल्याण सेवा केंद्र के अनिल कुमार साह, लावणी घोष ,मर्शिला मुर्मू एवं संथाल परगना प्रक्षेत्र की विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अहम भूमिका निभाई।

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव-2025 को लेकर बासुकीनाथ स्थित सभागार में हुई बैठक

- रुटलाइन एवं मेला क्षेत्र का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिया कई आवश्यक निदेश
- राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव -2025 के दौरान बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं के हर जरूरी सुविधाओं का रखा जाएगा ध्यान-आंजनेयुलु दोड्डे, उपायुक्त, दुमका

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव -2025 के सफल आयोजन को लेकर उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में बासुकीनाथ मंदिर स्थित सभागार में बैठक की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव -2025 के दौरान हमारी व्यवस्था उच्च कोटि की रहे।श्रद्धालुओं की भीड़ मेला क्षेत्र में एकत्रित नहीं हो।वे सुगमतापूर्वक जलार्पण कर सकें।इसका विशेष ध्यान रखा जाय।कहा कि मंदिर एवं आसपास के क्षेत्र में विधुत वायरिंग का कार्य दुरुस्त ससमय कर लें।मंदिर के आसपास एवं शिवगंगा की साफ सफाई पूरे मेला अवधि के दौरान बेहतर रहे।इस संबंध में निविदा का कार्य पूर्ण कर लें।
कहा कि अग्निशमन यंत्र की व्यवस्था मेला क्षेत्र में रहे ताकि विपरीत परिस्थिति में आसानी से निपटा जा सके।प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को भी अग्निशमन यंत्र चलाने का प्रशिक्षण दिया जाय।
उन्होंने कहा कि रुट लाइन के बैरिकेडिंग का कार्य मजबूती के साथ की जाय। बैरिकेडिंग करने वाले सभी महत्वपूर्ण स्थलों को चिन्हित कर लिया जाय,इस दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाय। उन्होंने कहा कि जलार्पण काउंटर के माध्यम से भी पूरे मेला अवधि के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलार्पण करते हैं,इसे ध्यान में रखते हुए जलार्पण काउंटर को बेहतर ढंग से बनाया जाय। श्रद्धालुओं को जलार्पण काउंटर के माध्यम से जलार्पण करने में कठिनाई नहीं हो इसका ध्यान रखा जाय साथ ही अधिक संख्या में श्रद्धालु जलार्पण काउंटर में एकत्रित नहीं हो इस हेतु आवश्यक व्यवस्था की जाय। कहा कि पूरे मेला क्षेत्र में पर्याप्त रौशनी की व्यवस्था रहे,रुटलाइन का आकलन कर रौशनी की व्यवस्था की जाय।साज सज्जा को लेकर भी उन्होंने संबंधित को कई आवश्यक निदेश दिए।
उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए बनाए जाने वाले आवासन केंद्र को श्रद्धालुओं की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए बनाने का निदेश दिया है।कहा कि पेयजल, शौचालय, मोबाइल चार्जिंग यूनिट सहित जरूरी व्यवस्था निश्चित रूप से आवासन केंद्र में रहे इसका ध्यान रखा जाय।श्रावणी मेला में आने वाले श्रद्धालु एक बेहतर अहसास के साथ बासुकीनाथ से वापस जाएं इसे ध्यान में रखते हुए सभी कार्य को ससमय पूर्ण किया जाय।
इससे पूर्व उन्होंने रुट लाइन का निरीक्षण किया एवं श्रावणी मेला के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर कई आवश्यक निदेश दिए।उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए वाहन पार्किंग,जलार्पण हेतु मंदिर जाने के लिए रुट तथा जलार्पण के पश्चात श्रद्धालुओं द्वारा प्रयोग किये जाने वाले रुट का निरीक्षण करते हुए रुटलाइन में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निदेश दिया।
बैठक में परियोजना निदेशक आइटीडीए, अनुमंडल पदाधिकारी दुमका, प्रखंड विकास पदाधिकारी जरमुंडी सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी, पंडा धर्मरक्षणी सभा के सदस्य आदि उपस्थित थे।

खनन टास्क फोर्स की संयुक्त टीम ने पाकुड़ अंचल अंतर्गत विभिन्न मौजा में स्थापित क्रशर यूनिट का किया औचक निरीक्षण

- अनियमितताओं के आलोक में 11 क्रशर यूनिट को अगले आदेश तक किया गया सील

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, दुमका के संयुक्त जाँच दल के नेतृत्व में पाकुड़ अंचल अंतर्गत विभिन्न मौजा में स्थापित क्रशर यूनिट का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के क्रम में पायी गयी अनियमितताओं के आलोक मे 11 क्रशर यूनिट को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक सील कर दिया गया।
सील किए क्रशर संचालक का नाम निम्न प्रकार है-
एच अली स्टोन वर्क्स, मोरसलिम शेख, अकबर स्टोन वर्क्स, मेसर्स कयसुधीन शेख, मेसर्स टू स्टार स्टोन वर्क्स, यार मोहम्मद, मेसर्स निपुल शेख, मेसर्स नूर स्टोन वर्क्स, मेसर्स न्यू सूर्या स्टोन वर्क्स एवं मेसर्स अजहर इस्लाम के क्रशर को अगले आदेश तक सील कर दिया गया है। साथ ही बिजली का कनेक्शन भी काट दिया गया है।

जिले के विभिन्न प्रखंड में आयोजित आयुष जांच शिविर में 193 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- अमड़ापाड़ा प्रखंड के गोरपाड़ा आंगनबाड़ी केंद्र, पाकुड़ प्रखंड के चंद्रपाड़ा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रोडगों, पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसाल एवं फूलझिंझारी में आयुष विभाग की ओर से बुधवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 193 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ0 मिथलेश सिंह, डॉ0अमरेश कुमार, डॉ अबूतालिब शेख, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ0 सौरभ विश्वास ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग निर्माण हेतु जांच शिविर का किया गया आयोजित

आदिवासी एक्सप्रेस,लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) बुधवार को प्रखंड कार्यालय लिट्टीपाड़ा में राष्ट्रीय वयोश्री योजना अन्तर्गत वरिष्ठ नागरिकों को ADIP के तहत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायता एवं उपकरण कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के द्वारा जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजित शिविर में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आयोजित शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरण, स्पाइनल ब्रेसेस, सर्वाइकल कॉलर उपकरण और दिव्यांगजनों के लिए उत्पाद श्रृंखला में ऊपरी और निचले अंग के लिए पुनर्वास सहायक उपकरण जैसे व्हील चेयर, बैसाखी और ट्राई व्हीलर, मोटराईज ट्राई साइकल, कान की मशीन आदि आवश्यकताओं की जाँच किया गया। इस शिविर में दिव्यांगजनों को निशुःल्क सहायता एवं उपकरण भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के कृत्रिम अंग विशेषज्ञ विनय कुमार के द्वारा लगभग 46 वृद्धजनों एवं दिव्यांगजनों का जाँच कर उनमें में से 35 मरीजों को सहायक उपकरण के लिए चिन्हित किया गया।

डुमरचीर पंचायत की मुखिया ने गर्मी के मौसम में पेयजल के लिए की 15वें वित्त आयोग के तहत पानी टैंकर की व्यवस्था

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस
संवाददाता अमडा़पाडा़

अमडा़पाडा़ (पाकुड़) भीषम गर्मी के बीच ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रखंड क्षेत्र के डुमरचीर पंचायत के पतरापाडा़, मालीपाडा़, बोचामु, पालमोण्डो, जामकुणदर पहाड़िया टोला, बड़ा बास्को, माणडो पहाड़, निपनिया, पुसूरभिटटा, पाकुडीह सहित अन्य गांव के ग्रामीणों को 15 वें वित्त आयोग के तहत खरीदें दिए गए पानी टैंकर से पंचायत के मुखिया रामी पहाडिंण की उपस्थिति में पानी उपलब्ध करवाया गया।वहीं पानी मिलने से ग्रामीणों में काफी प्रसन्नता का माहौल देखी गई,और ग्रामीणों ने पानी मिलाने से काफी राहत महसूस की।प्रचंड गर्मी में ग्रामीणों को पेयजल के लिए इस तरह की व्यवस्था करना प्रखंड प्रशासन की ओर से एक अच्छी पहल है।वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता एवं पंचायत राज पदाधिकारी जूलूर रहमन ने बताया कि 15 वें वित्त आयोग योजना से अमडा़पाडा़ प्रखंड के सभी पंचायतों में पानी टैंकर उपलब्ध है,और यह कार्य उपायुक्त पाकुड़ के निर्देश पर किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि पेयजल प्राप्त करने के लिए पंचायत सचिव व मुखिया से संपर्क कर सकते हैं।पेयजल की समस्या को निपटने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय है।उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े चापाकल एवं जलमीनर की मरम्मती का काम तेजी से की जा रही है।

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर लिया गया शपथ

सौरभ भगत
आदिवासी संवाददाता

अमडा़पाडा़- झारखंड विकास परिषद द्वारा सुरक्षित बचपन के लिए दामिन पहल परियोजना के तहत बुधवार को एक दिवसीय अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम कन्या मध्य विद्यालय अमड़ापाड़ा के साथ किया गया।कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संस्था के परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम बाल विवाह जैसे सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगे एवं किशोरियों को भी पढ़ने लिखने का समान अवसर मिले,कन्या मध्य विद्यालय की शिक्षिका कंचन वाला एक्का ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से किशोरियों में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता पैदा होती है एवं जीवन में लक्ष्य तय कर कुछ बनने का जज्बा पैदा होता है जिससे वह अपने स्वयं के अधिकार को पहचान सके और इस बाल विवाह जैसे कुरीतियां के खिलाफ आवाज उठा सके.इस कार्यक्रम के दौरान कन्या मध्य विद्यालय के 200 किशोरियों ने भाग लिया एवं शपथ लिया कि हम बाल विवाह जैसे कुरीतियों को जड़ से खत्म करेंगे एवं इसके विरुद्ध आवाज उठाएंगे व समाज को जागरूक करेंगे. वहीं दूसरी कार्यक्रम कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय,मंडरो, डूमरचीर मैं वार्डन समिष्ठा गुप्ता एवं बासमती मरांडी जी के अध्यक्षता में आयोजित की गई.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वार्डन समिष्ठा गुप्ता ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीतियां है इसे जड़ से खत्म करना चाहिए इससे बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध होता है तथा उनका जीवन नर्क हो जाता है द्याराजीव रंजन ने किशोरियों को शपथ दिलाया कि बाल विवाह नहीं करेंगे एवं इसके प्रति अभिभावक को जागरूक करेंगे एवं अपने शिक्षा को बढ़ाएंगे तथा कहीं बाल विवाह होता है तो इसकी सूचना हम चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 112, 1098,100 पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी को देंगे.
इस कार्यक्रम में जशीनता मिंज ने किशोरियों को प्रोत्साहित करने का काम किया.वही अजय मुर्मू ने भी बाल बाल विवाह से होने वाले नुकसान पर किशोरियों को जागरूक किया.इस कार्यक्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के कुल 300 किशोरियों ने भाग लिया.इस कार्यक्रम को आयोजन करने में मार्टिना हेंब्रम, मिनी सोरेन,फुलमनी सोरेन,कीरानी मुर्मू की अहम भूमिका रही.

विद्यालयों में बच्चों को बाल विवाह जैसी कुरितियों पर किया गया सजग

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- बुधवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, पाकुड़ एवं शिक्षा विभाग पाकुड़ के संयुक्त तत्वाधान में जिला अंतर्गत सभी प्रखंड स्तर पर संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सहित सभी हाई स्कूलों में अध्ययनरत किशोर/किशोरियों के बीच बाल विवाह की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई के पदाधिकारियों के द्वारा बाल विवाह से संबंधित अधिनियम, बाल विवाह के कारण, इससे होने वाले दुष्परिणाम, सजा के प्रावधान एवं जिला स्तर पर बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी एवं उनके द्वारा किए जाने वाले कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सभी किशोर /किशोरियों को इस बात की जानकारी दी गई कि उनके परिवार, रिश्तेदार,समाज, मित्र के होने वाले बाल विवाह या अन्य स्थान पर यदि बाल विवाह के आयोजन होने की जानकारी प्राप्त होने पर इसकी सूचना बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी सहित स्थानीय पुलिस थाना एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के टॉल फ्री नंबर 1098 को अवश्य उपलब्ध कराएं ताकि बाल विवाह जैसे सामाजिक कुरीति को रोका जा सके और बाल विवाह मुक्त जिला बनाने में सफलता प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के दौरान पूरे जिले के विभिन्न स्कूलों के कुल 2510 किशोर/ किशोरियों, संबंधित स्कूलों के शिक्षक/ शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। साथ ही गैर सरकारी संगठन- एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रन के द्वारा पाकुड़ सदर सहित अन्य प्रखंडों के विभिन्न मंदिरों, धार्मिक स्थलों, वैवाहिक भवन में जाकर उनके मुख्य पुजारी एवं मुख्य प्रबंधक से मिलकर होने वाले संभावित बाल विवाह के बारे में विस्तृत से जानकारी दी गई एवं इसके रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए विशेष रूप से आग्रह किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला शिक्षा विभाग,पिरामल फाउंडेशन,पाकुड़ के प्रतिनिधि, बचपन बचाओ आंदोलन के जिला प्रोग्राम एसोसिएट, चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधि,बाल संरक्षण मुद्दे पर कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठन -- एक्सेस टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन, जनलोक कल्याण परिषद, पाकुड़, झारखंड विकास परिषद, आमरापाड़ा, टैगोर सोसाइटी फॉर रूरल डेवलेपमेंट, महेशपुर के प्रतिनिधि द्वारा सक्रिय रूप से योगदान दिया गया।

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता

>> विचार

> “जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चैनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफ़रत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चैनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था।

अनिल जैन

इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा। भारतीय मीडिया, खास कर टेलीविजन के राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल इस वक्त अपने अल्प इतिहास में सार्वकालिक पतन के दौर से गुजर रहे हैं। ताजा मामला है कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उसका रवैया। कश्मीर घाटी के बाशिंदों को पिछले एक दशक में जितना बदनाम और भावनात्मक रूप से जितना आहत भाजपा की प्रोपेगेंडा मशीनरी ने नहीं किया है, उससे ज्यादा उन्हें बदनाम करने और उनके जख्मों को कुरेदने का काम देश के इन राष्ट्रीय टीवी चैनलों ने किया है। इसीलिए आम तौर पर इन टीवी चैनलों को भी अब भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा ही माना जाने लगा है। इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बांशिदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए समूचे कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चैनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफ़रत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चैनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था और उसका विभाजन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। तब भी इन टीवी चैनलों ने अपने संवाददाताओं को कश्मीर भेजे बगैर ही कश्मीर के बारे में खूब मनगढ़ंत और बेसिर-पैर की खबरें अपने दर्शकों को परोसी थीं। उस समय विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले से कश्मीर घाटी के लोग बेहद क्षुब्ध और निराश थे। अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने कई दिनों तक अपना काम-काज बंद रखा था। समूची कश्मीर घाटी में लॉकडाउन जैसे हालात थे। उसी दौरान इन पंक्तियों के लेखक ने अपने साथी पत्रकार महेंद्र मिश्र के साथ हालात का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी की यात्रा की थी। हम लोग वहां एक सप्ताह तक रहे थे। उस समय तमाम टीवी चैनल कश्मीर को लेकर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे थे मानो वह किसी दूसरे देश का हिस्सा था, जिसे भारत सरकार ने हमला कर जीत लिया हो और अपना हिस्सा बना लिया है। यह बात बार-बार जोर देकर बताई जा रही थी कि अब कोई भी भारतीय वहां आसानी से जमीन खरीद सकेगा, वहां बस सकेगा। यही नहीं, भाजपा के कुछ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने तो ऐसे भी बयान दिए थे कि अब भारत के दूसरे प्रदेशों के नौजवान कश्मीर से अपने लिए दुल्हन भी ला सकेंगे। ऐसे बेहूदा बयानों को तमाम टीवी चैनल बढ़-चढ़कर दिखा रहे थे। इसी बात को सोशल मीडिया पर भाजपा का समर्थक वर्ग और भी ज्यादा भद्दे तरीके से प्रचारित कर रहा था, जिससे हर कश्मीरी बुरी तरह आहत और दुखी था, वह अपने को अपमानित महसूस कर रहा था। ऐसा महसूस करते हुए उसका दुखी होना स्वाभाविक भी था। उस समय तमाम बेखबरी टीवी चैनल रोजाना पुराने फुटेज और सरकारी दावों के आधार पर बता रहे थे कि कश्मीर घाटी में जनजीवन लगातार सामान्य हो रहा है, लेकिन श्रीनगर पहुंचकर हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही हमने पाया था कि कहीं कुछ सामान्य नहीं है। उस दिन कश्मीर में जनता द्वारा लागू लॉकडाउन का 32वां दिन था। डिजिटल इंडिया में उस 'नए कश्मीर' का जनजीवन बगैर मोबाइल फोन और इंटरनेट के पूरे 33 दिन से अपाहिज बना हुआ था। हमने एक हफ्ते वहां रहते हुए देखा था कि सरकारी स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं लेकिन वहां पढ़ने वाले बच्चे नदारद हैं। सरकारी परिवहन के साधन बंद थे। सरकारी दफ्तर, बैंक आदि भी खुलते थे लेकिन उनमें सन्नाटा पसरा रहता था। होटलें, रेस्टोरेंट, दुकानें पूरी तरह बंद थे। देशी-विदेशी पर्यटकों का आना पूरी तरह बंद था। डल झील में तमाम शिकारे खामोश और उदास खड़े थे। पूरे श्रीनगर में हर दस कदम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात थे। हमने देखा था कि सुबह के वक्त दो घंटे के लिए खाने-पीने के सामानों की दुकानें खुलती थीं, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की जरुरतों का सामान खरीद सकें। बस उन्हीं दो घंटों की लड़खड़ाती और उदास चहल-पहल के बाद पूरे दिन घाटी में सन्नाटा पसरा रहता था। यही माहौल बाद में दो महीने तक और रहा था। फिर भी टीवी चैनलों की खबरों में इन सब बातों का कोई ज़िक्रनहीं हो रहा था। जो कुछ बताया जा रहा था, वह हकीकत से एकदम उलट यानी सरासर बकवास था। इसी वजह से घाटी के बाशिंदों में जबरदस्त गुस्सा था। उनका कहना था कि ये सारे चैनल कश्मीर के मौजूदा हालात की लगातार गलत तस्वीरें पेश कर रहे हैं। बहरहाल, इस समय पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी टीवी चैनलों का रोल बेहद आपत्तिजनक और गंदा है। उनकी खबरों के प्रस्तुतिकरण में वस्तुनिष्ठता सिरे से नदारद है। हमले के दौरान और हमले के बाद श्रीनगर, पहलगाम और आसपास के इलाकों के बांशिदों ने पीड़ित पर्यटकों की जिस तरह मदद की, उसे सिरे से नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर उन्हें मारा। अगर यह बात सही है तो जाहिर है कि उनका मकसद इस नरसंहार के जरिये देश के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अलगाव व नफ़रत की खाई को और ज्यादा गहरा व चौड़ा करना था। तमाम टीवी चैनल आतंकवादियों के इसी मकसद को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। किसी भी टीवी चैनल की ओर से सरकार से यह सवाल नहीं पूछा जा रहा है कि जब पूरे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न सुरक्षा बलों के ढाई लाख से ज्यादा जवान तैनात हैं तो जिस जगह हमला हुआ वहां सुरक्षा बल का एक भी जवान क्यों नहीं तैनात था? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एक बार नहीं, कई मर्तबा किए गए इस दावे पर कोई सवाल नहीं उठा रहा है कि नोटबंदी और जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद आतंकवाद की कमर टूट गई है। सबसे खतरनाक बात तो यह है कि देश में युद्धोन्माद फैलाने के मकसद से कुछ चैनलों पर भारतीय सेना की संभावित रणनीतियों और पाकिस्तान की संभावित चालों पर भी खुली बहस हो रही है। जिस जानकारी तक दुश्मन देश को पहुंचने में समय लगता है, उसे टीवी चैनलों के स्टूडियो से मुफ्त में परोसा जा रहा है। सवाल है कि ऐसे चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाने की इजाजत किसने दी है? राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट भी इस सिद्धांत को मजबूती से स्थापित करते हैं कि किसी भी परिस्थिति में संवेदनशील सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से मीडिया के लिए एक एडवाइज़री जारी की गई है, लेकिन लगता नहीं है कि सरकार में बैठे राष्ट्रवाद और देशभक्ति के झंडाबरदार भी उस एडवाइज़री को लेकर गंभीर हैं। कुछ टीवी चैनल तो टीआरपी बटोरने की अंधी दौड़ में इस कदर बदहवास हो चुके हैं कि देश के पूर्व सैन्य अधिकारियों को नाटकीय तौर पर भारतीय और पाकिस्तानी खेमों में बांटकर काल्पनिक युद्ध में भिड़ाने का तमाशा भी करवा रहे हैं। यह सिर्फ पत्रकारिता का ही पतन नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत की भी आपराधिक अनदेखी है। कोई भी सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी इस तरह टीवी कैमरों के सामने बैठकर ऐसे आपराधिक तमाशे का हिस्सा कैसे बन सकता है? कहने की आवश्यकता नहीं कि इन टीवी चैनलों ने राष्ट्र की सुरक्षा को लोगों के मनोरंजन और अपने धंधे का साधन बना लिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

संपादकीय

सड़कों पर क्यों लहूलुहान हो रही जिंदगी?

सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर सड़क हादसों में इतने लोगों की जान जा रही है, तो बड़े-बड़े राजमार्गों के निर्माण का क्या उद्देश्य है। अदालत ने केंद्र सरकार से सड़क हादसों में नकदीरहित इलाज की योजना के अब तक लागू न होने को लेकर भी सवाल पूछे। अव्वल तो सड़क सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, चाहे उसके लिए नियम-कायदे बनाना हो या फिर लोगों के भीतर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाना। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में हादसे होते हैं तो उसके बाद हताहतों के जीवन को बचाना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यह तथ्य है कि सड़क दुर्घटना में अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके बाद के एक घंटे का वक्त यानी ‘गोल्डन आवर’ उसके जीवन के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण होता है। इस अवधि में अगर उसे उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बच सकती है। मगर हकीकत यह है कि लंबी दूरी के राजमार्गों या एक्सप्रेस-वे तो बना दिए गए हैं, लेकिन हादसे की स्थिति में घायलों को समय पर इलाज मुहैया कराने के लिए अस्पताल की व्यवस्था से लेकर वहां पहुंचाए जाने के जरूरी इंतजामों की अनदेखी की जाती है। सवाल है कि अगर सरकार ने हादसे के बाद एक घंटे की बेशकीमती अवधि में नकदीरहित इलाज का भरोसा दिया है, तो व्यवहार में उसे लागू करने में उसे क्या दिक्कत है। सड़क हादसों में अनेक ऐसे लोगों की भी मौत हो जाती है, जिन्हें समय पर इलाज मुहैया करा कर बचाया जा सकता था।

मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य उस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है। भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारवेलू चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत समेत लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह का कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझे। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुये हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने ‘काम करना, नाम जपना, बांट छकना और दसवंध निकालना का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का विनम्रता का राज स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था। मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती हैं मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है। हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ही उनको कोई ढ़ग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं। बड़े शहरों में झोंपड़ पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करता है। इसको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना हीं किसी राजनीतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़ पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़ पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर इसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटो धूप में खडे रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नही हो पाता है। देश के कारखानो में काम करने वाले मजदूरो पर हर वक्त इस बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनकी छटनी कर काम से हटा दे। कारखानो में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानो में श्रम विभाग के मापदण्डो के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है। कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरो को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिको द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनो को मजदूरो की बजाय मालिको की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियने अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है। हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारे मजदूरो के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बाते लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरो के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कहीं उलटी हैं। मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को तो दो जून की रोटी मिल जाए तो मानों सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालो में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किस लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

‘उन्हें’ नहीं पता कि गुस्सा किस पर करें!

व्यंग्य

राजेंद्र शर्मा

भाई ये गजब देश है। पहलगाम में आतंकवादी हमला हो गया। अट्ठाईस लोग मारे गए और डेढ़ दर्जन से ज्यादा गंभीर रूप से घायल। नाम पूछकर और धर्म देखकर, गोली मारी। फिर भी पब्लिक है कि ठीक से गुस्सा तक नहीं है। लोग गुस्सा भी हो रहे हैं तो बच-बचकर। और तो और, जिन्होंने अपने परिजन खोए हैं, वह भी एक ही सांस में आतंकवादियों को गाली भी दे रहे हैं और कश्मीरियों के गुन भी गा रहे हैं। और कश्मीरी नेताओं के नहीं, मामूली कश्मीरियों के गुन गा रहे हैं। टट्टू वालों का, टूर गाइडों का, छोटे-मोटे सामान की दुकान चलाने वालों का, टैक्सी ड्राइवरों का, होटल वालों का शुक्रिया अदा कर रहे हैं कि उन्होंने संकट के वक्त में बड़ा साथ दिया। जो बच गए, उन्हीं ने तो मौत के मुंह से बचा के निकाला। अपनी जान की परवाह नहीं की, अपरिचित सैलानियों को, घायलों को, औरतों को, बच्चों को बचाकर निकाला। जब गोलियां चल रही थीं, तब भी खुद बचकर भागने के बजाए, पीठ पर उठाकर घायलों को बचाया। अजब देश है, जहां आंसुओं के बीच से भी मौका निकालकर भुक्तभोगी, स्थानीय कारोबारियों, दुकानदारों, व्यापारियों तक की तारीफ कर रहे हैं, जिन्होंने अपना नफा-नुकसान नहीं देखा, दर्द से तड़पते सैलानियों को इस कदर अपना लिया कि उनकी हमदर्दी में, कई दिन सब काम-काज बंद ही रखा। मारने वाले कश्मीरी थे कि नहीं, यह तो पता नहीं, पर खुद को मुसलमान जरूर कहते थे। पर मदद करने वाले पक्के कश्मीरी भी थे और मुसलमान भी। मारने वाले अगर चार या छह थे, हालांकि उनके पास बंदूक की राक्षसी ताकत थी, लेकिन जो मदद को बढ़े हाथ हजारों थे, जिनके पीछे इंसानियत का जज्बा था। फिर मारने वालों की वजह से, बचाने वालों पर गुस्सा कैसे करें? और वह भी तब, जबकि मरने वालों में टट्टू चलाने वाला सैयद आदिल हुसैन शाह भी था, जो सैलानियों को बचाने के लिए आतंकवादियों से ही भिड़ गया और मरते-मरते आतंकवादियों का मुसलमान का नकाब फाड़कर, उनकी पहचान फकत आतंकवादी की कर गया। तब सिर्फ गुस्सा करें, तो कैसे? गुस्से के साथ ही जो प्यार आ रहा है, उसका क्या करें? फिर भी देश गजब सही, पर देश में बहुत से अजब लोग भी हैं। ये परेशान हैं कि गुस्सा करें, तो किस पर? सिर्फ नकाबपोश आतंकवादी पर गुस्सा करें, तो गुस्सा निकालें किस पर? आस-पड़ोस का कोई तो होना चाहिए, जिस पर गुस्सा कर सकें! अफसोस कि हिंदुओं का खून, उतना नहीं खौला, जितना खौलना चाहिए था और सारे नफरती कड़ाह चढ़ाने के बाद भी हिंदुओं का खून उतना नहीं खौला। फिर भी उनकी मेहनत भी पूरी तरह अकारथ नहीं हुई और कुछ गर्मी तो हिंदुओं के खून ने दिखाई ही। भुक्तभोगी अपीलें करते रह गए कि आम कश्मीरी मुसलमानों को दोषी बनाकर, गुस्से के नाम पर आतंकवादियों के मंसूबों को उनकी गोलियों से आगे बढ़ाने का काम कोई नहीं करे, पर खून की गर्मी जोर मारे बिना नहीं रही। नाराजगी थी आतंकवादियों से और निकाल दी पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा वगैरह में जगह-जगह कश्मीरी छात्रों पर; छोटा-मोटा काम करने वाले आम कश्मीरियों पर। जहां-जहां राज में भगवाधारी, वहां-वहां उतनी ही मति गयी मारी! देश अजब-गजब है, तो राज करने वाले और भी गजब हैं। पहलगाम के हमले की खबर मिली, तो मोदी जी अपनी विदेश यात्रा अधूरी छोड़कर बीच में से ही वापस लौट आए। पर कश्मीर नहीं आए। शाह साहब को पहले ही कश्मीर भेज चुके थे, वह भी सब को बताकर। शाह साहब भी बिना वक्त गंवाए मरने वालों को सरकारी श्रद्धांजलि देने पहुंचे, लाल कालीन पर चलकर। शाह साहब मीटिंग-मीटिंग खेलकर दिल्ली लौट भी आए, पर मोदी जी कश्मीर नहीं आए। कश्मीर तो कश्मीर, मोदी जी तो पहलगाम पर अपनी सरकार की बुलायी सर्वदलीय बैठक तक में नहीं आए। मोदी जी आए बिहार में मधुबनी में। बिहार में जल्द ही चुनाव भी तो होना है। सोचा, पब्लिक का दिमाग गर्म है, बेनिफिट ले सकते हैं। फिर क्या था, आंतकवाद पर जमकर बरसे। मधुबनी में हिंदी में तो हिंदी में, अंगरेजी में भी बरसे, ताकि इंग्लैंड-अमरीका तक सुनाई दे। आतंकवादियों को और उनके मददगारों को मिट्टी में मिला देने का एलान कर दिया। ऐसी सजा देने की धमकी दे डाली, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की होगी। फिर बिहार के लिए तोहफों की एक और किस्त का एलान किया। दो रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। मंच पर नीतीश कुमार के साथ खी-खी की और दिल्ली आ गए। राहुल गांधी कश्मीर हो आए, पर मोदी जी कश्मीर नहीं आए। वैसे, मणिपुर तो उनका दो साल से इंतजार कर रहा है, कश्मीर का नंबर तो अभी चार-छह रोज पहले ही लगा है! गजब देश है, तो मोदी जी के विरोधी भी कम अजब नहीं हैं। पहलगाम की खबर आने के बाद से, एक ही बात का शोर मचा रहे हैं कि यह तो सुरक्षा चूक हुई। फिर खुद ही सवाल करने लग जाते हैं कि इस सुरक्षा चूक के लिए जिम्मेदार कौन है? बेचारी सरकार कह रही है कि दुःख है, गहरा दुःख है, पर ये चूक और उसकी जिम्मेदारी पर ही अड़े हुए हैं। विपक्ष वालों ने चूक का इतना शोर मचाया, इतना शोर मचाया कि बेचारे छोटे वाले मंत्री, किरण रीजिजू से एक चूक तो करवा ही ली। अगले के मुंह से निकल ही गया कि चूक हुई थी, सब कुछ अच्छा चलने के बावजूद, कुछ चूक हुई थी! क्या फायदा हुआ? बेचारे को बाद में वीडियो का चूक वाला हिस्सा काटकर बाहर करना पड़ा। पर तब तक जुबान से निकले हुए शब्द, वह भी वीडियो में दर्ज शब्द, दूर-दूर तक फैल चुके थे। खैर! जैसे चूक की बात मानकर भी सरकार को वापस लेनी पड़ी है, वैसे ही कहीं जिम्मेदार कौन, का अपना जवाब भी सरकार को वापस नहीं लेना पड़ जाए। सर्वदलीय बैठक में सरकार ने कहा कि बैसारण घाटी में कोई सुरक्षा नहीं थी, क्योंकि सरकार को किसी ने बताया ही नहीं था कि वहां सैलानी जा रहे थे। सारी गलती मारने वालों के बाद अगर मरने वालों की नहीं भी मानी जाए, तब भी होटलवालों और टूर ऑपरेटरों की जरूर थी; सरकार की इजाजत के बिना ही घाटी को सैलानियों के लिए खोल दिया! पर पता नहीं क्यों पहलगाम वाले और जम्मू-कश्मीर की सरकार वाले इस पर अड़े हुए हैं कि बैसारण की घाटी तो हमेशा से, ज्यादा बर्फ के टैम को छोड़कर, पूरे साल ही खुली रहती है। ना किसी से इजाजत ली जाती है, ना किसी को जानकारी दी जाती है। सरकार तो इतना बताए कि वहां से सीआरपीएफ किस के कहने पर हटाई गयी थी। दिल्ली की सरकार को अगर यह बहाना भी वापस लेना पड़ गया, तो सर्वदलीय बैठक में से बचेगा क्या; बाबा जी का ठुल्लू। पर ठुल्लू बचा कैसे कहूं!

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सदर अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड का सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले के बड़े सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने बुधवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया उन्होंने आईपीडी,ओपीडी व एसएनसीयू का निरीक्षण किया जहाँ सिविल सर्जन ने चिकित्सक को अपने समय पर डिप्टी पहुंचने की बात कही की ने कहा कि सदर अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराए. कहां की सदर अस्पताल के व्यवस्था में सुधार लाया जा रहा है अस्पताल मैनेजर का मोबाइल नंबर जारी है. सदर अस्पताल की विधि व्यवस्था में सुधार लाने एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के समाधान के लिए अस्पताल मैनेजर डॉ यशवंत राव एवं जयराम यादव का मोबाइल नंबर जारी है साथ ही अस्पताल परिसर में जारी नंबर को जगह-जगह पर लगाया गया है ताकि अस्पताल से संबंधित किसी भी समस्या होने पर परिजन संबंधित पदाधिकारी से संपर्क पदस्थापित कर सके. जिसको लेकर सिविल सर्जन सदर अस्पताल का निरीक्षण कर कई दिशा निर्देश दिए.

निशुल्क स्कूल बैगज्ञान सेतु का अभ्यास पुस्तिका का वितरण बुधवार को किया गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। बोरियो झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वाधान में प्रखंड के एक दर्जन स्कूलों में बच्चों के बीच निशुल्क स्कूल बैग एवं ज्ञान सेतु का अभ्यास पुस्तिका का वितरण बुधवार को किया गया। जानकारी के अनुसार पीएस उर्दू दनवार, यूपीएस कोलखा, यूपीएस बड़ा घाघरा, पीएस बड़ा पांगडों, यूएचएस सती चौकी पांगडों, पीएस उर्दू बड़ा मदनशाही, यूपीएस मांझी टोला तेलो, मोहली टोला मोतीपहाड़ी, यूएमएस बड़ा बियासी, पीएस पत्थर घट्टा एवं यूएमवि काशी गुनिया आदि स्कूलों में बच्चों को स्कूली बैग एवं ज्ञान सेतु की पुस्तकों का वितरण हुआ। इस मौके पर सीताराम हांसदा, अर्मीना खातून, देवनारायण शाह आदि शिक्षक उपस्थित थे।

डालसा सचिव ने वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। माननीय झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने गंगा विहार पार्क के समीप स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धाश्रम की समग्र स्थिति का जायज़ा लिया, जिसमें पेयजल सुविधा, स्वच्छता, नियमित चिकित्सीय जांच एवं भोजन व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने वहाँ निवासरत वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा वृद्धाश्रम संचालक को सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बाल सुधार गृह के निरीक्षण के क्रम में भगत ने वहाँ रह रहे बच्चों से मुलाकात की और उनकी सुविधाओं की स्थिति से अवगत हुए। इस अवसर पर बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पारा विधिक स्वयंसेवक (पीएलभी) समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलिंगा में शादी विवाह का खाना बनाने के दौरान मजदूर जलकर घायल

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत होटल कलिंगा में काम करने के दौरान एक मजदूर जलकर घायल हो गया घायल मजदूर को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक ऋतुराज के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया बताया जा रहा है कि जमनी गोड्डा जिला निवासी स्वर्गीय शतन के 35 वर्षीय पुत्र प्रदीप यादव मजदूरी का काम करता है काम करने के लिए साहिबगंज आया था और शादी विवाह का खाना होटल कलिंगा में बना रहा था.इस दौरान जमीन पर पानी गिरा हुआ था. पाँव पिछल जाने से गरम तेल की कढ़ाई पर ठोकर लग गई. और कढ़ाई में तेल मजदूर के दोनों पाँव में गिर गया. जिसमें मजदूर घायल हो गया घायल का इलाज सदर अस्पताल में डॉक्टर के देखरेख में किया गया।

बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में संविधान बचाओ रैली का आयोजन

मोहित मंसूरी/
अजय कुमार कुशवाहा
आदिवासी एक्सप्रेस

मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह साहिबगंज जिला के प्रदेश प्रभारी श्री मणि शंकर जी उपस्थित रहे

दिनांक 30.4.2025 दिन बुधवार को संविधान बचाओ रैली का आयोजन साहिबगंज जिला के बरहरवा में जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में किया गया।जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने बरहरवा रेलवे स्टेशन प्रांगण से चलकर बरहरवा प्रखंड कार्यालय तक पैदल यात्रा कर केंद्र सरकार के द्वारा संविधान से छेड़ छाड़ करने पर नाराजगी जाहिर की । संविधान बचाओ रैली में मुख्य अतिथि के रूप मे झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह साहिबगंज जिला के प्रदेश प्रभारी श्री मणि शंकर जी उपस्थित रहें।

प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मणि शंकर जी ने कहा की मणि शंकर जी ने कहा कि संविधान में संवैधानिक संस्थाएं ईडी ,सीबीआई ,इनकम टैक्स वगैरा भाजपा के शाखा के रूप में काम कर रही है ईडी का दुरुपयोग विगत 6 वर्षों में बहुत ज्यादा हुआ है 5 वर्षों में 7000 कैसे ईडी में दर्ज हुआ जिसमें मात्र 122 कैसे व्यापारी या अधिकारी पर बाकी सब राजनीतिक दोष भावना से कैसे राजनीतिक लोगों पर दर्ज किया गया इसका सबसे बड़ा उदाहरण झारखंड स्वत है जहां पर ईडी जबरदस्ती झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में डाली और 5 महीने के बाद कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाए और निर्दोष हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकले जब से 2019 में हेमंत सोरेन की सरकार काबिज हुई थी तब से ईडी सीबीआई इनकम टैक्स इन लोगों का इन संस्थाओं का लगातार दबदबा रहा निर्दोष लोगों को जबरन केस में दर्ज किया गया और प्रताड़ित किया गया इसीलिए आज अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर बरहरवा में साहिबगंज जिला के कांग्रेस कार्यकर्ता जमा हुए हैं और हम लोग संविधान बचाओ रैली आज के दिन कर रहे हैं कांग्रेस जन अपनी भावना को उजागर कर रहे हैं और जो संविधान का संवैधानिक संस्थाओं का संविधान का जोदुरुपयोग हो रहा है उस दुरूपयोग को रोकने के लिए आज का यह प्रदर्शन आयोजित किया गया है

वहीं जिला अध्यक्ष बरकत खान ने भारत के संविधान के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी लोगों को दी। भारत का संविधान न केवल देश की सबसे महत्वपूर्ण विधिक दस्तावेज है,बल्कि यह दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान भी है. यह संविधान न केवल भारत के शासन तंत्र की रूपरेखा तय करता है, बल्कि नागरिकों के अधिकारों, कर्तव्यों और मूलभूत सिद्धांतों को भी स्पष्ट करता है.

भारतीय संविधान नागरिकों को छह प्रकार के मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जैसे समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, आदि. वहीं भारतीय नागरिकों को संविधान के भाग 3 में 6 प्रकार के मौलिक अधिकार (Fundamental Rights) दिए गए हैं, जो इस तरह हैं-समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18), स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22), शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24), धर्म की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25-28), संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30), संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32) और मौलिक कर्तव्य (Fundamental Duties). कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मनी शंकर जी तथा ज़िला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को झारखण्ड राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

मौके पर ज़िला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारीगण, सभी प्रकोष्ठों के जिला पदाधिकारीगण, प्रखण्ड पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण, बीस सूत्री अध्यक्ष एवं सदस्यगण, पंचायत के पदाधिकारीगण तथा सम्मानित कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक, सेहिस पोर्टल प्रशिक्षण को मिली प्राथमिकता

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। जिले में सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने की। बैठक में राज्य स्वास्थ्य समिति, राँची द्वारा भेजे गए निर्देशों के आलोक में जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रशिक्षण और पंजीकरण व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिले के सभी ड्रॉइंग एंड डिसबर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए सेहिस पोर्टल से संबंधित उन्नत ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण नामित मास्टर ट्रेनरों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। मास्टर ट्रेनरों के रूप में संदीप कुमार (डीपीओ, यूआईडी), हिना गौरव बरनवाल (डीपीएम, एनएचएम), रोहित दुबे (सार्जेंट मेजर), कुमार हर्ष (जिला शिक्षा अधीक्षक) एवं अभिजीत शर्मा (मिट्टी रसायनज्ञ) को नामित किया गया है। इन प्रशिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे डीडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को पूरी दक्षता के साथ प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि पोर्टल संचालन में कोई तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो। उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस पहल से जिले में स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, श्रम अधीक्षक धीरेंद्र नाथ महतो, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई अन्य उपस्थित थे।

स्वास्थ्यकर्मियों को ग्रामीणों ने बनाया बंधक, सिविल सर्जन की पहल से हुए मुक्त

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। मंडरो प्रखंड के खैरा उपकेंद्र अंतर्गत धोबना गांव में सर्वेक्षण कार्य के लिए पहुंचे स्वास्थ्य विभाग की टीम को ग्रामीणों द्वारा अस्थायी रूप से बंधक बना लिया गया। टीम में सहिया, सहिया साथी, एवं MPW (मल्टी-पर्पज वर्कर) शामिल थे, जो गांव में मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर सर्वे करने पहुंचे थे।

घटना की सूचना मिलते ही सिविल सर्जन, साहिबगंज ने तत्काल संज्ञान लेते हुए CHC बोरियो पहुंचकर मंडरो BDO और स्थानीय प्रशासन से समन्वय स्थापित किया प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों को समझा-बुझाकर स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित मुक्त कराया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले एक टीम बिना पूर्व सूचना के गांव पहुंची और रातभर मच्छर पकड़ने का कार्य किया। (दिल्ली से आए हुए टीम) इससे ग्रामीणों को असहजता का अनुभव हुआ और उनमें डर का माहौल बन गया। ग्रामीणों का उद्देश्य केवल यह समझना था कि ऐसे अभियान क्यों चलाए जा रहे हैं और इसमें उनकी भूमिका क्या है।

स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन द्वारा आश्वस्त किया कि यह कार्य पूरी तरह से जनहित में किया जा रहा है और मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है। साथ ही भविष्य में किसी भी अभियान से पूर्व ग्रामीणों को पूरी जानकारी देने का आश्वासन भी दिया गया। मौके पर MOIC बोरियो ,MO ,MO RBSK ,BPM ,MTS एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ग्राम पंचायतों द्वारा जरूरतमंद ग्रामीण परिवारों को टैंकर से की जा रही है पानी की आपूति

आदिवासी एक्सप्रेस, लिट्टीपाड़ा (पाकुड़) लिट्टीपाड़ा प्रखंड में ग्राम पंचायत द्वारा टैंकर से जरूरतमंद परिवारों को पानी पहुंचाया जा रहा है। गर्मी के मौसम में पानी की कमी होने के कारण, ग्राम पंचायतें के क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति की जा रही हैं ताकि लोगों की पानी की आवश्यकता पूरी हो सके। इस बारे में प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि गर्मी के मौसम में, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, पानी की कमी एक आम समस्या है। इसे दूर करने के लिए उपायुक्त महोदय के आदेशानुसार टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों के उन परिवारों तक पानी पहुंचाई जा रही है जो पानी की कमी से प्रभावित हैं। इसके अलावे जिस भी ग्राम पंचायत क्षेत्र में हैंडपंप ख़राब हो गया था जलसहिया से सर्वेक्षण कराकर उसे ग्राम पंचायत और पेयजल स्वच्छता विभाग के द्वारा मरम्मती कराई गई है और इस पर पैनी नजर रखते हुए निरंतर जलसहिया और ग्राम पंचायतों से सम्भावित खराब हेण्डपंपों को दुरूस्त कराने के लिए कार्रवाई की जा रही है ताकि हैंडपंपों के सूख जाने के कारण जलसंकट उत्पन्न ना हो।

जमीन विवाद में एक भाई ने दूसरे भाई को बना दुश्मन चाकू से प्रहार कर भाई को किया घायल

आदिवासी एक्सप्रेस

साहिबगंज। शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एलसी रोड निवासी को चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया बताया जा रहा है कि बुधवार को जमीन विवाद में दो भाई में मारपीट हो गई। इसमे एक भाई को चाकू लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन व आसपास के सहयोगियों ने इलाज के लिए घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में चिकित्सक ऋतुराज के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया जहाँ घायल एलसी रोड के रहने वाला मो. अशफाक उम्र 35 वर्ष है। जानकारी के अनुसार जमीन विवाद में दो भाई आपस मे भीड़ गए। इसमे मो. अशफाक के सीने के बाएं तरफ चाकू लग गया है। वही घायल ने इस संबंध में कोई भी जानकारी नही दी है। इधर डॉक्टर डॉ. ऋतु राज ने बताया कि चाकू गहरा लगा है। फिलहाल इलाज चल रहा है। वही नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि इस संबंध में अभी तक कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है. पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है. पुलिस जांच के लिए भेजी गई है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल, एक की स्थिति गंभीर

- **बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा जीवन अनमोल है वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें**

आदिवासी एक्सप्रेस, अजय कुमार कुशवाहा

बरहरवा। सिराशिन-राधानगर मुख्य पथ पर बुधवार को दोपहर के समय एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल हो गए, जिनमें से एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दोपहर की चिलचिलाती धूप में एक व्यक्ति पटसन के खेत में पानी देने के बाद थककर सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे बैठा हुआ था। और पानी पी रहा था। इसी दौरान सिराशिन की ओर से आ रही एक तेज़ रफ्तार बाइक अनियंत्रित हो गई और फिसलते हुए सीधे उस व्यक्ति से जा टकराई। इस हादसे में बाइक सवार और पेड़ के नीचे बैठे व्यक्ति दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों एक निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार किया। एक व्यक्ति का स्थिति नाजुक बताया जा रहा है। बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा कि जीवन अनमोल है। एक छोटी सी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें, हेलमेट पहनें और विशेषकर ग्रामीण सड़कों पर नियंत्रित गति से चलें। यदि तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए पकड़े गए तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मोटरसाइकिल के टक्कर से मोटरसाइकिल चालक सहित दो घायल, हायर सेंटर रेफर

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज। राजमहल प्रखंड के वार्ड नंबर 13 में राजमहल उधवा मुख्य मार्ग पर राजवाड़ा के पास बुधवार को मोटरसाइकिल दुर्घटना में मोटरसाइकिल सहित एक 10 वर्षीय बच्चा बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार राजवाड़ा निवासी बदरे जमाल के 10 वर्षीय पुत्र नूर इस्लाम सड़क के किनारे होते हुए पैदल अपने घर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान लखीपुर निवासी अशोक झा के पुत्र छोटू झा 20 वर्षीय विपरीत दिशा से तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चलाकर आ रहा था तभी वह अनियंत्रित होकर उक्त बच्चों को धक्का मार दिया। जिससे दोनों बीच सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गया। दोनों घायलों को आसपास के लोगों एवं परिजनों की मदद से इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद दोनों घायलों को गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

सदर अस्पताल के अल्ट्रासाउंड में डॉ रणविजय कुमार विलंब से पहुंचने पर सिविल सर्जन किया सौ कोज

दर्जनों मरीज भूखे डॉक्टर साहब का इंतजार करते रहे

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam

साहिबगंज: जिला सदर अस्पताल में मरीजों के लिए लगाया गया अल्ट्रासाउंड सेंटर आए दिन सुर्खियों में रहती है कभी डॉक्टर के अभाव में बंद रहता है. तो कभी मशीन खराब होने पर जिसके चलते दूरदराज से आए मरीजों को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है. सदर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड नहीं होने से मरीज निजी सेंटर पर महंगे दामों में चेकअप कराने को मजबूर हो जाते हैं, मरीजों की माने तो एक बार चेक करने पर 9 सौ रुपया फीस लिया जाता है जो किसी गरीब गर्भवती महिला के लिए काफी होता है जब जिला सदर अस्पताल में ये सुविधा उपलब्ध करा दी गई तो तब गरीब महिलाओं को काफी राहत मिली. लेकिन डॉक्टर साहब की मनमानी को लेकर मरीजों में नाराजगी देखने को मिली ताजा मामला बुधवार की है जहां जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया इस दौरान लगभग 12:30 बजे तक अल्ट्रासाउंड सेंटर पहुंचे और कई गर्भवती महिला की लंबी कतार लगी थी लेकिन डॉक्टर साहब अल्ट्रासाउंड सेंटर में नहीं पहुंचे थे. जिसको लेकर सिविल सर्जन ने नाराजगी जताते हुए. डॉ रणविजय को सौकोज किया. दूर दराज से आए अल्ट्रासाउंड कराने मैरिज तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सूतियालपड़ा निवासी महिला चिंकी कुमारी, पुरानी साहिबगंज निवासी, गुड़िया कुमारी, व अंजनी कुमारी जैसे कई मरीज ने बताई की 10 बजे अल्ट्रासाउंड करने पहुंचे लेकिन बताया गया कि एक 11बजे किया जाएगा फिर कहा गया की 12:30 बजे डॉक्टर साहब आएंगे तो करेंगे जिसको लेकर सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालिया ने बताया कि डॉक्टर रणविजय से बात हो गई है. वे आ रहे हैं. जब मरीज की बात कही कि भूखे प्यासे मरीज यहां तड़प रहे हैं. लेकिन डॉक्टर साहब अपना क्लीनिक में मरीज को देखने के बाद सदर अस्पताल रोज 12=30 के बाद पहुंचते हैं. सौकोज करने का आदेश जारी किया.

बौद्ध धर्म के रस्मों से रविदास बेटी ने रचाई शादी

● सामाजिक जागरूकता की दिशा में सराहनीय पहल

जमुआ, प्रतिनिधि। जमुआ प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चोरगत्ता के टोला कटहेरियाटांड निवासी झुपर दास एवं उषा देवी की सुपुत्री कुमारी सोनाली की शादी आज दिनांक 22 अप्रैल 2025 (मंगलवार) को संध्या 5=30 बजे बौद्ध रीति-रिवाजों के साथ सम्पन्न हुई। यह विवाह बौद्ध भिक्षु भंते महेन्द्र बौद्ध के निर्देशन में बुद्ध धम्म के अनुसार संपन्न हुआ। रविदास समाज की ओर से यह विवाह समारोह सादगीपूर्ण एवं सामाजिक जागरूकता से परिपूर्ण रहा, जिसमें परंपरागत खर्चीली एवं दकियानूसी प्रथाओं को त्याग दिया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों की उपस्थिति में विवाह समारोह का आयोजन बड़ी ही गरिमा और उत्साह के साथ किया गया। समारोह की अध्यक्षता झुपर दास ने किया साथ ही सहयोग दोरिका दास, रामदेव कुमार, बिरेंद्र मेहरा, राजु कुमार, अनुप दास, महेंद्र दास, राजेन्द्र दास, सुरेन्द्र कुमार, सुभाष कुमार, छोटू कुमार और राहुल कुमार ने की। स्थानीय ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस सामाजिक बदलाव की सराहना की। यह आयोजन बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों एवं बौद्ध धम्म की शिक्षाओं को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रेषित करता है।

गिरिडीह में मेगा फ्री मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह सदर प्रखंड के औद्योगिक इलाके में मोहनपुर स्थित श्री दुर्गा माता शिशु विद्या मंदिर में पांच दिवसीय मेगा फ्री मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन नगर विकास व आवास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने किया। यह शिविर शंकर नेत्रालय, बोक्सा ट्रस्ट और मंत्री के सहयोग से आयोजित किया गया है। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में सदर एसडीएम, प्रखंड विकास पदाधिकारी, झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह, सिविल सर्जन और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। मंत्री ने बताया कि शिविर में देश के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क मोतियाबिंद का इलाज किया जाएगा।

वक्फ कानून के विरोध में ब्लैक आउट प्रदर्शन, मुस्लिम संगठन ने की मुसलमानों ने 15 मिनट रहे अंधेरा में

वक्फ बिल के विरोध में मुस्लिम संगठन ने आज रात 9 बजे से 9:15 मिनट तक बिजली बंद

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम

टंडवा- (चतरा) ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ अधिनियम (Waqf Act) में किए गए संशोधनों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध दर्ज करने का फैसला किया है. बोर्ड ने 30 अप्रैल को रात 9:00 बजे से 9:15 बजे तक घरों, दफ्तरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की लाइटें बंद कर पुरे देश भर में बिताए रात। बोर्ड के प्रवक्ता और वक्फ संरक्षण अभियान

के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. इलियास और असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 10 अप्रैल से देशभर में इन भेदभावपूर्ण और संविधान से टकराने वाले संशोधनों के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू किया, इस अभियान के तहत अब तक कई शहरों में जनसभाएं हो चुकी हैं, नागरिक समाज और आमजनों के साथ गोलमेज चर्चाएं आयोजित की गई हैं, जिला स्तर पर विरोध प्रदर्शन, मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रम चल रहे हैं। 30 अप्रैल, बुधवार को रात 9:00 बजे से 9:15 बजे तक पूरे देश में लाइट्स आउट कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भले प्रतीकात्मक हो, लेकिन यह वक्फ अधिनियम में लाए गए अंधेरे संशोधनों के खिलाफ मुसलमानों और न्यायप्रिय नागरिकों की एकजुटता और विरोध की शक्ति को उजागर करेगा। बोर्ड ने सभी नागरिकों, विशेषकर मुसलमानों, अल्पसंख्यकों, वंचित तबकों, सामाजिक संगठनों से यह अपील की है कि वे इस सरकारी अन्याय और दमन के खिलाफ आवाज उठाएं और मात्र 15 मिनट के लिए अपने घर, दुकान, कार्यालय और व्यवसायिक केंद्रों की लाइटें बंद करके एकजुटता दर्शाएं। इसी को लेकर बुधवार रात 9 बजे से 9: 15 मिनट तक टंडवा प्रखंड से चतरा जिला और झारखंड से लेकर पूरे देश में 15 मिनट तक तमाम मुसलमानों को घर से लेकर दुकान और सभी जगहों पर अंधेरे में रहकर पूरा देश में एक संदेश दिया एकता का परिचय भी सामने आया।

सरकार से आवास के पैसे लेकर भव्य भवन बनाने वालों पर सख्ती

संवाददाता द्वारा

गिरिडीह। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना को गति देने के लिए जिलाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देश दिए हैं. डीआरडीए के निदेशक रंथू महतो के नेतृत्व में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी इसे लेकर गंभीर हैं. ऐसे में शीर्ष अधिकारियों की ओर से कार्यों की समीक्षा की जा रही है. कुछ दिन पहले ही संपन्न हुई समीक्षा बैठक में इससे जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई थी. समीक्षा में यह बात भी सामने आई है कि सदर प्रखंड के अबुआ आवास के 2023- 24 में तृतीय किस्त मिलने और 2 महीने बीत जाने के बावजूद करहरबारी, खावा, चुंजका, तेलोडीह, उदनाबाद में सबसे अधिक आवास लंबित है. इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में प्रगति

सुनिश्चित करने के निर्देश दिया है. सदर प्रखंड के बीडीओ गणेश रजक ने जब मामले की जांच की, तो तथ्य सामने आए उससे वह हैरान हुए हैं. प्रखंड के कुछ पंचायत में मॉडल नक्शे के विपरित जाकर आवास का निर्माण हो रहा है. जिसके बाद 12 से अधिक लोगों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें चिन्हित किया है उन्हें प्रखंड की तरफ से नोटिस भेजा है. जिसमें ऐसे करने वालों से रकम की रिकवरी के निर्देश हैं.

प्रारम्भिक जांच में कुछ ऐसे आवास मिले हैं जिसे देखने के बाद किसी भी स्तर से यह नहीं लग रहा है कि उक्त मकान अबुआ आवास है. कुछ लोगों ने अबुआ आवास का पैसा लिया है और भव्य भवन बनाया है. कुछ भवन की अनुमानित मूल्य 15 से 20 लाख भी है. ऐसे में सरकारी पैसा लेकर भव्य इमारत बनाने वालों को नोटिस भेजा गया है. ऐसे लोगों से पैसे की भी रिकवरी की जाएगीः गणेश रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी

बीडीओ ने बताया कि सदर प्रखंड में अबुआ आवास की 2720 योजना पूर्व में आई थी. जिसमें लगभग 700 आवास पूर्ण कर लिया गया है. अभी नया लक्ष्य 4460 आया है. इस पर भी काम शुरू कर दिया गया है. स्वीकृति प्रदान करने के बाद भुगतान हो चुका है. ऐसे में कहा जाए तो लगभग 6400 अबुआ आवास पेंडिंग है, जिसे पूरा करने के लिए पूरी टीम लगी हुई है. इसी तरह लगभग 2400 के करीब नये पीएम आवास योजना में घर बनाने का लक्ष्य है उसे भी मंजूरी देने का काम किया जा रहा है. हमने आवास के लिए लक्ष्य निर्धारित कर लिया है और जल्द गुणवत्ता के साथ काम पूरा किया जाएगा.

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह के खिलाफ धर्मगुरु संवाद का आयोजन

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह में अक्षय तृतीया के अवसर पर बनवासी विकास आश्रम द्वारा दुखहरण नाथ धाम मंदिर में बाल विवाह के खिलाफ धर्मगुरु संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संवाद में प्रमुख पुजारियों और श्रद्धालुओं ने भाग लिया और बाल विवाह की सामाजिक कुप्रथा को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य धर्मगुरुओं की भूमिका को मजबूत करते हुए समाज में जागरूकता फैलाना था। मंदिर में होने वाले विवाहों में उम्र प्रमाण की अनिवार्यता पर भी जोर दिया गया। इस पहल को बल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत आगे बढ़ाया गया।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय अखंड रामधुन संकीर्तन को लेकर निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा

कामेश्वर साह संवाददाता फुल्लीडुमर बांका

फुल्लीडुमर प्रखंड के उत्तरी कोझी पंचायत अंतर्गत पडावचक में पूर्व मुखिया पंकज कुमार यादव द्वारा स्थापित बजरंगबली मंदिर में अष्टयाम संकीर्तन को लेकर बुधवार को 201 कलश के साथ भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। श्रद्धालु महिलाओं एवं युवतियों द्वारा मंदिर परिसर से कोझी डैम तक कलश शोभायात्रा यात्रा निकाली गई। कलश शोभायात्रा गाजे बाजे, घोडे के साथ आमाटीकर,सादपुर, तेतरियाटीकर, सिमडीकुंड एवं अन्य गांवों का परिभ्रमण कर मंदिर परिसर पहुंची। जानकारी के अनुसार दो दिवसीय अष्टयाम संकीर्तन एवं कलश शोभायात्रा का नेतृत्व स्वयं पूर्व मुखिया पंकज कुमार के द्वारा किए जा रहा था। वहीं कलश शोभायात्रा के दौरान ग्रामीण एवं अन्य उत्साही युवाओं ने सक्रिय सहयोग किये। आयोजन करता पूर्व मुखिया ने बताया कि आयोजन स्थल पर भव्य भंडारे की भी व्यवस्था कि गयी है।

निकेश्वर नाथ महादेव मंदिर में अक्षय तृतीया पर पार्वती मंदिर निर्माण का हुआ भूमि पूजन

आदिवासी एक्सप्रेस /बौसी (बांका)

मंदार के प्रसिद्ध पौराणिक मधुसूदन मंदिर के समीप अवस्थित लोकप्रिय शिव धाम में से एक निकेश्वर नाथ महादेव मंदिर प्रांगण में माता पार्वती की मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। नए मंदिर के निर्माण हेतु अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर बुधवार को भूमि पूजन किया गया मंदिर के भूमि पूजन पंडित माधवन झा के द्वारा किया गया जजमान के रूप में मंदिर के पंडित विकास झा मौजूद रहे इस पूजन को सफल बनाने में पटेल झा राजीव ठाकुर डब्लू झा निर्मल कुमार झा नितेश कुमार आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे लोगों का कहना है कि यह मंदिर पार्वती के मंदिर का इतिहास और इसकी सुंदरता अद्भुत होगी माता पार्वती की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाएगी शिव के मंदिर के पास पार्वती की प्रतिमा की स्थापना की मांग काफी दिनों से की जा रही थी।

प्रेम प्रसंग में युवक आया आधी रात को प्रेमिका से मिलने ग्रामीणों ने पकडकर कराई शादी

बांका कटोरिया से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका कटोरिया थाना क्षेत्र के बसमत्ता पंचायत अंतर्गत सेजुवा गांव में प्रेमिका से मिलने आई एक प्रेमी जोड़ा को पकड़कर आधी रात में ग्रामीणों ने शादी कराई है। जानकारी के अनुसार गांव के नुनदेव यादव की पुत्री चांदनी कुमारी पिछ्ले तीन वर्षों से क्षेत्र के दमोदरा पंचायत अन्तर्गत दोलभंगा गांव के हेमलाल यादव के पुत्र भुवनेश्वर कुमार उर्फ अनिस कुमार से प्रेम प्रसंग को लेकर चर्चा में था। जिनको लेकर दोनों प्रेमियों की शादी होनें की बात चल रही थी। परन्तु प्रेमी युवक के परिजन इस बात से टाल-मटोल कर रहे थे। तभी कल रात्री को गांव में किसी दूसरे के घर में शादी हो रही थी। जिनके बरात आनें पर अपनें मां इंदु देवी के साथ प्रेमिका चांदनी कुमारी शादी-ब्याह देखनें गई थी। जिनकी सुचना गांव के किसी लोगों के द्वारा मोबाइल से प्रेमी युवक को मिलनें पर रात्री में ही बाईक से प्रेमिका के पास पहुंच कर प्रेमिका से लप्पड़ थप्पड़ मारपीट करने लगा। जिनको देख सभी ग्रामीणों ने प्रेमी युवक को पकड़ लिया एवं शादी का मुख्य रस्म सिंदुर दान प्रेमिका चांदनी कुमारी की मांग भरते हुए करा दिया। जिनकी चर्चा का बजार पुरे गांव गर्म है।

डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन

बांका से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका जिला अंतर्गत अमरपुर प्रखंड के 10 पंचायत, बाराहाट प्रखंड के 7 पंचायतों, बौंसी प्रखंड के 6 पंचायतों एवं अन्य सभी प्रखंडों के आधे पंचायतों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया।जिसमें संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों के द्वारा निरीक्षण किया गया तथा ज्यादा से ज्यादा आवेदन देने का आग्रह किया गया।

लालू,नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट दें- पी.के

सं सू पंकज कुमार ठाकुर

चांदन (बांका) प्रखंड मुख्यालय स्थित एम.एम. के.जी. हाईस्कूल चांदन के खेल मैदान में आज बुधवार को प्रशांत किशोर की उद्घोष यात्रा के तहत आयोजित जनसभा में पी.के ने कहा- इस बार लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं, बल्कि अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट देना है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी

दिसम्बर 2025 से 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रत्येक पुरुष व महिलाएं को प्रत्येक महीने 02000 रुपये पेंशन मिलेगी। 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निजी विद्यालयों में भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी।प्रशांत किशोर द्वारा बांका जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत आज एक दिवसीय दौरे पर बांका पहुंचे।बांका पहुंचने पर प्रशांत किशोर का बेलहर बाजार, साहेबगंज चौक, तेतरिया चौक, सुईया बाजार, टोला हटिया पठार चौक, कटोरिया बाजार, भालुआ चौक आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने भव्य स्वागत किया। एम.एम.के.जी. हाईस्कूल चांदन के खेल मैदान में हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। लोगों संबंधित करते हुए संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में पदाधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने से लेकर जमीन की रसीद कटाने तक के लिए रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम लोग परेशान हैं। इसलिए अगली बार वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं बल्कि अपने बच्चों के चेहरे को देखकर मतदात करें । साथ ही उन्होंने चांदन की जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट न दें। आगामी विधानसभा चुनाव में अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। आगामी दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष व महिलाएं को 02000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। साथ ही 15 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी। प्रशांत किशोर ने चांदन की जनता से वादा करते हुए कहा कि छठ पूजा के बाद बिहार के युवाओं को 10 से 12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर परदेश मजदूरी करने नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा।तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ायें और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी इंग्लिश मीडियम विद्यालय में पढ़ कर उज्जवल भविष्य बना सके।

सीसीएल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी सम्मानपूर्वक विदाई

संवाददाता द्वारा

रांची। सीसीएल मुख्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अप्रैल 2025 में सेवानिवृत्त हुए 74 कर्मचारियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई. इनमें मुख्यालय के 7 कर्मचारी भी शामिल थे.

समारोह में निदेशक (कार्मिक) हर्षनाथ मिश्र, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी तथा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के परिवारजन उपस्थित थे.

इस अवसर पर एक वीडियो फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल, योगदान और अनुभवों को भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया. उपस्थित सभी लोगों ने सीसीएल के साथ बिताए अपने सफर को साझा किया और कंपनी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

निदेशक (कार्मिक) मिश्र ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी हमेशा सीसीएल परिवार का अभिन्न हिस्सा रहेंगे. उनके अनुभव और योगदान से कंपनी को निरंतर प्रगति मिली है. मुख्य सतर्कता अधिकारी कुमार ने भी सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने किया. आयोजन को सफल बनाने में विभिन्न विभागों का सराहनीय योगदान रहा.

रेलवे भर्ती बोर्ड/द्वारा पैरामेडिकल कोटियों के विभिन्न पदों हेतु परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित

संवाददाता द्वारा

हाजीपुर। रेलवे बोर्ड (रेल मंत्रालय), नई दिल्ली के द्वारा पैरामेडिकल कोटियों के विभिन्न 19 पदों पर भर्ती हेतु रेलवे भर्ती बोर्ड/मुजफ्फरपुर को नोडल आरआरबी बनाया गया था, जिसके तहत सभी 21 आरआरबी के क्षेत्राधिकार में आने वाले पैरामेडिकल की 19 कोटियों के कुल 1376 पदों पर भर्ती हेतु केन्द्रीकृत रोजगार सूचना सख्या 04/2024 का प्रकाशन रेलवे भर्ती बोर्ड, मुजफफरपुर द्वारा किया गया था, जिसके तहत दिनांक 28 अप्रैल, 2025 से 30 अप्रैल, 2025 तक कुल 09 पालियों (प्रतिदिन 03 शिफ्ट) में पूरे भारत के

सभी 21 रेलवे भर्ती बोर्ड के क्षेत्राधिकार में कुल 327 परीक्षा केंद्रों पर 708321 अभ्यर्थियों की परीक्षा नोडल आरआरबी के रुप में रेलवे भर्ती बोर्ड, मुजफफरपुर द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। रेलवे भर्ती बोर्ड, मुजफ्फरपुर सहित पूरे भारत के सभी 21 रेलवे भर्ती बोर्ड के क्षेत्राधिकार में दिनांक 28.04.25 से 30.04.25 तक आयोजित इस कंप्यूटर आधारित टेस्ट में 433675 अभ्यर्थी सम्मिलित हुए। कंप्यूटर आधारित टेस्ट के दौरान कदाचार को रोकने और पारदर्शिता बनाये रखने के लिए सभी परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक कदम उठाये गए थे जिसके कारण पूरे भारतवर्ष में किसी भी परीक्षा केन्द्र पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 के प्रावधानों के तहत इस परीक्षा में नोडल रेलवे भर्ती बोर्ड , मुजफफरपुर के द्वारा सभी मानकों का प्रयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया गया कि आयोजित भर्ती प्रक्रिया सभी उम्मीदवारों के लिए पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वसनीय हो।

अक्षय तृतीया के दौरान बाल विवाह रोकथाम एवं निषेध हेतु विशेष जागरुकता कार्यक्रम

बांका से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा अक्षय तृतीया के दौरान संभावित बाल विवाह के रोकथाम एवं निषेध हेतु विशेष जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन बाँका सदर प्रखंड कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र, बाँका में किया गया! कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षु महिलाओं/ बालिकाओं एवं प्रशिक्षकों को संबोधित करते जिला परियोजना प्रबंधक ,महिला एवं बाल विकास निगम राजीव रंजन ने कहा कि लडकियों की शादी 18 वर्ष के बाद एवं लडकों की शादी 21 वर्ष के बाद करना चाहिए, इस निर्धारित उम्र सीमा के पूर्व शादी होने पर वह बाल विवाह माना जायेगा जो कि कानूनन जुर्म है! इसके साथ ही इसके कई दुष्परिणाम भी हैं! बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत लडके की शादी 21 वर्ष से कम उम्र तथा लडकी की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में होने पर उसे बाल विवाह

माना जाता है और इस तरह की शादी में शामिल वर-वधु पक्ष के अभिभावक/संबंधी सहित पंडित/मौलवी/ धर्मगुरू,सेवा प्रदाता यथा टेंट, कैटरर्स,बैंड बाजा, बत्ती,शादी कार्ड प्रिंटिंग प्रेस, मैरेज हॉल मालिक एवं बारात तथा शादी में शामिल वैसे सभी व्यक्ति जिनकी सहभागिता किसी भी रूप में शादी में हुई हो, कानून में उनके लिए दंड का प्रावधान है!इस अधिनियम के तहत इसके लिए दो वर्ष तक का कारावास और एक लाख तक का जुर्माने का प्रावधान है! आप सबों एवं इस जागरूकता अभियान के माध्यम से सभी लोगों से अनुरोध है कि अगर किसी का बाल विवाह हो रहा हो या होने की तैयारी हो रही हो अथवा होने की संभावना हो तो इसकी सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या आपातकालीन हेल्पलाइन 112 अथवा महिला हेल्पलाइन 181 पर दें!ऐसी शादियों(बाल विवाह) को तुरंत रोका जायेगा एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जायेगी! बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत अनुमंडल पदाधिकारी , बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी होते हैं साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी होते हैं! अनुमंडल पदाधिकारी-सह- बाल विवाह प्रतिषेध पदाधिकारी, बाँका को बाल विवाह रोकथाम एवं निषेध में आवश्यक सहयोग के लिए विभाग द्वारा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी बाँका सदर को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है! बाल विवाह रोकने के लिए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, संबंधित थाना, संबंधित पंचायत के माननीय मुखिया एवं सरपंच को दिया जा सकता है !अतः बाल विवाह रोकथाम के लिए सभी को जागरूक होना होगा इसमें आप सबों की अहम भूमिका होगी! कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह रोकथाम एवं निषेध हेतु शपथ भी दिलाया गया! इस विशेष जागरूकता कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की निशा कुमारी, अंजना भारती जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन कार्यालय के राज अंकुश, शेखर कुमार दास, बचपन बचाओ आंदोलन के शंभू कुमार एवं प्रशिक्षण केन्द्र के सभी प्रशिक्षु एवं प्रशिक्षक तथा सहकर्मियों की उपस्थिति रही!

जीविका द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन

बांका से श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट

बांका जीविका द्वारा महिला संवाद के 13वाँ दिन जिले के 11 प्रखंडों में कुल 28 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, आज भी महिलाओं में वही उमंग और उत्साह देखने को मिल रही है , इससे पता चलता है कि महिलाए को माहिला संवाद में कितनी रूझाव है। महिलाओं को इस बात को लेकर बहुत ही ख़ुशी हो रही है कि उनकी आकांक्षाओ और समस्या को सीधे सरकार तक पहुच रही है , कार्यक्रम में उपिस्थत एलईडी स्क्रीन यूक्त वाहन के माध्यम से सभी दीदियो को बिहार सरकार के द्वारा चलाए जा रहे महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम एवं लाभान्वित दीदियो को तीन वीडियो दिखाया गया। प्रत्येक कार्यक्रम में बिहार सरकार कि महिला सशिक्तकरण कि यौजनाओ के बारे में लघु फिल्म दिखाया गया ।

जिला परियोजना प्रबंधक राकेश कुमार , प्रशिक्षण पदाधिकारी खुशबू कुमारी ,प्रखंड परियोजना प्रबंधक(रजौन) मुकेश कुमार भी उपस्थिति रहे। ,उनके द्वारा बताया गया कि संवाद के मुख्य उद्देश्य सरकार और महिला के बीच संवाद कर महिलाओं के माध्यम से उनके आकांक्षाओं का संकलन करना है ।

जिला प्रशिक्षण अधिकारी सुमित कुमार ,के द्वारा महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि सरकार विभिन्न स्तरों पर महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु कार्य कर रही है। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याएं और सुझाव खुलकर साझा करें।

कार्यक्रम में महिलाओं ने कई अहम मांगें उठाईं-

सौर लाइट कि मांग की गयी

प्रत्येक पंचायत में वृद्धा आश्रम की मांग

प्रत्येक पंचायत में वेटनरी डॉक्टर कि मांग

किसानो का ऋण माफ

महिला संवाद वाहन के ज़रिए ऑडियो-विजुअल प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी गई, साथ ही लीफलेट्स का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम की खास बात रही 10 प्रेरणादायक दीदियों के अनुभव, जिन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है।

आभूषण साफ करने के बहाने महिला को बनाया ठगी का शिकार

आदिवासी एक्सप्रेस /बौसी (बांका)

क्षेत्र में आभूषण साफ करने के बहाने पैसे ठगने का मामला प्रकाश में आया है यह गिरोह प्रखंड के अलावे आसपास के क्षेत्र में भी सक्रिय है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को एक महिला इस गिरोह के ठगी का शिकार बनी मंगलवार को बौंसी के गज्जर मोहल्ले में आभूषण साफ करने के बहाने एक महिला से ठगों ने उड़ाए दो लाख से अधिक के जेवर। बताया जा रहा है कि कुछ महीने पहले थाना कालोनी में भी ठगों ने की थी ऐसी ही घटना को अंजाम दिया था।

नवजोत सिंह सिद्धू ने की अपने यू-ट्यूब चैनल की घोषणा, मोटिवेशनल स्पीकर की भूमिका में नजर आएंगे

अमृतसर। पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने बुधवार को अपने निवास पर पत्रकार वार्ता की। इस मौके पर उनके साथ उनकी बेटी राबिया सिद्धू भी मौजूद रहीं। पूर्व दाएं हाथ के बल्लेबाज ने बताया कि वह अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस चैनल पर सिद्धू क्रिकेट पर अपने नजरिए के अलावा अपने जीवन से जुड़ी प्रेरणादायक बातें दर्शकों के साथ साझा करते नजर आएंगे। सिद्धू का कहना है कि वह अपने यू-ट्यूब चैनल पर राजनीति की कोई बात नहीं करेंगे। इसके बजाय वह मोटिवेशनल चीजों पर फोकस करेंगे। अमृतसर में अपने निवास पर सिद्धू ने पत्रकारों से कहा, ÷मैं सुबह अरदास करता हूं जो मुझे मेरे माता-पिता ने सिखाई थी। मैंने बहुत संघर्ष भी किए हैं। संघर्षों के बीच ही लोग निखरकर आते हैं। इसलिए यह ऐसा पहला प्लेटफॉर्म होगा जहां मैं बहुत सारा समय देने जा रहा हूं। पूरा संसार ही मेरा परिवार है, सभी लोग मेरे भाई हैं, खुशियां फैलाना और भलाई करना मेरा धर्म है।

तेली साहू समाज ने दानवीर भामाशाह की 478 वीं जयंती मनाई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। मंगलवार को छतरपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम बैरियाडीह में श्री कमलेश गुप्ता के आवास पर दानवीर भामाशाह का 478 वीं जयंती मनाई गई।अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर भामाशाह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया ।वहीं अतिथियों को माला पहनाकर एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में पहलगाम हमले की भर्त्सना की गई. साथ ही घटना में बलिदान मृत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया.उनके जीवन के बीरगाथा। वहीं प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा की महाराणा प्रताप और दानवीर भामाशाह समाज एवं मातृभूमि के लिए सर्वस्व निछावर करने वाले महापुरुषों में विख्यात हैं इनसे प्रेरणा लेकर समाज को आगे बढ़ने की जरूरत है। मौके पर उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गुप्ता,संरक्षक भरथ साहू, चंदन गुप्ता, अजीत गुप्ता,उमेश साहू,कमलेश गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता,विश्वनाथ साहू ,जितेंद्र कुमार गुप्ता,सुदामा साहू,अमलेश प्रसाद गुप्ता,गोलू गुप्ता,जगदीश साहू, शिव शंकर साहू,लाली प्रसाद गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता सहित दर्जनों से अधिक तेली साहू समाज के प्रखंड कमेटी एवं गण्मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

श्रीलंका विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय टीम पर जुर्माना

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को श्रीलंका में चल रही विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के चलते मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना भुगतना पड़ा है। यह मुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एमिरेट्स इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी वेनेसा डी सिल्वा ने यह दंड लगाया, जब समय छूटों को ध्यान में रखने के बावजूद भारतीय टीम एक ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, निर्धारित समय में न्यूनतम ओवर गति नहीं बनाए रखने पर हर ओवर के लिए खिलाड़ियों से पांच प्रतिशत मैच फीस वसूली जाती है। यह नियम खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ दोनों पर लागू होता है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस गलती को स्वीकार करते हुए प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिससे मामले में औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस उल्लंघन की रिपोर्ट मैदान पर मौजूद अंपायर अन्ना हैरिस और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल, और चौथी अंपायर डेडुनु डी सिल्वा ने दर्ज की थी। यह घटना महिला क्रिकेट में समय प्रबंधन और नियमों के पालन के महत्व को दर्शाती है। आईसीसी बार-बार टीमों को समयसीमा का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करती रही है, जिससे खेल की लय और दर्शकों का अनुभव बेहतर बना रहे।

म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय राइफल-पिस्टल टीम घोषित, स्वप्निल और पलक की वापसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता पलक को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने जून के पहले सप्ताह में जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल वर्ल्ड कप के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। इस टीम की खास बात यह है कि डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो उन्हें इस बार की टीम में सबसे व्यस्त निशानेबाज बनाता है। पेरिस ओलंपिक के बाद स्वप्निल कुसाले के साथ संदीप सिंह भी पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं।हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने कुल 15 पदक (6 स्वर्ण सहित) जीते थे। भारत ने अर्जेंटीना में दूसरा और पेरू में तीसरा स्थान हासिल किया। उस प्रतियोगिता की 13 सदस्यीय टीम को म्यूनिख टीम में भी बनाए रखा गया है। विशेषकर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया।

स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में भिलाई के श्रीमंत झा ने जीता सिल्वर मेडल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी भिलाई के निवासी और पैरा आर्म रेशलर श्रीमंत झा ने स्विट्जरलैण्ड में 25 अप्रैल से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में 85 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर देश का तिरंगा लहराया। उन्होंने अपने इस मेडल को पहलगाम के आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीमंत झा के जज्बे की सराहना करते हुए उन्हें सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि श्री झा ने अपनी उपलब्धि से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। श्रीमंत झा दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेशलर हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 85 किलोग्राम वर्ग में क्रोशिया के लुका ड्राकन को हराकर सिल्वर मेडल जीता। श्रीमंत झा ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद कहा कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की थी। अब वे आगामी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। झा ने आगे कहा यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। मैं हर एक मैच शहीद जवानों के सम्मान के लिए जीतता हूं।

सुनील नरेन ने टी20 क्रिकेट में हासिल किया नया कीर्तिमान, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर की बराबरी की

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रमुख स्पिनर सुनील नरेन ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच जीतने वाले स्पेल के बाद एक टीम के लिए पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर समित पटेल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। नरेन ने तीन विकेट लेकर बाजी पलट दी और गत चैंपियन को 14 रन से जीत दिलाई। उन्होंने अहम मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और ऐसे जाल बिछाए जिसका दिल्ली के मध्यक्रम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। मंगलवार की रात को अपने मैच जीतने वाले कारनामों के बाद, कोलकाता के लिए नरेन के विकेटों की संख्या 208 हो गई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आजमाएगी नए संयोजन

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मुकाबलों में हार के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उतरने जा रही है। यह मुकाबले 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शुरुआती दो हार के बाद अब नई रणनीति की तैयारी

पहले मैच में भारत ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंत में 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल दाग दिए। भारत की ओर से कप्तान महिमा टेटे (27'), नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीसा फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टीवर्ट (21') और केंद्रा फिट्ज़पैट्रिक (44') ने गोल किए। दूसरे मैच में भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी।

इस मैच में भारत ने ज्योति सिंह (13') के जरिए शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एवी स्टैंसबी (17'), डेल डोल्केन्स (48') और जैमी-ली सुरहा (52') ने गोल दागे। भारत की ओर से दूसरा गोल सुनलीता टोप्पो (59') ने किया लेकिन बराबरी नहीं हो पाई। अब भारतीय टीम सीनियर ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी, जिससे मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण होगा। पिछली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में 1-0 से जीत दर्ज की थी।

कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में 26 सदस्यीय भारतीय टीम इस बार भी उसी जज्बे के साथ उतरने को तैयार है। टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए चीफ कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने कुछ सॉफ्ट गोल जरूर खाए हैं जो निराशाजनक रहे, लेकिन प्रदर्शन काफी प्रतिस्पर्धी रहा है। यह टेस्ट सीरीज है, यहां जीत-हार से ज्यादा अनुभव अहम है। कई खिलाड़ी पहली बार देश से बाहर खेलने आए हैं। मैं उन्हें मौका दे रहा हूं ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें। अब तक लगभग सभी को खेलने का मौका मिला है, लेकिन अब हम सर्वश्रेष्ठ संयोजनों को आजमाएंगे। सिंह ने बताया कि वर्ल्ड कप से पहले हर युवा खिलाड़ी को कम से कम 35 इंटरनेशनल मैच खेलने का लक्ष्य है।

आईपीएल 2025 : नारायण–वरुण की फिरकी में उलझी दिल्ली, कोलकाता ने 14 रन से दर्ज की जीत

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के वायुसेना स्टेशन स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के खो-खो, जूडो, ताइक्कांडो और शतरंज मुकाबलों में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय भनाला और रघुनाथपुरा ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिरसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-17 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय मानेसर तीसरे स्थान पर रहा।इस दौरान मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एन विश्वनाथ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन में अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। सहायक आयुक्त भूपेश भट्ट ने हार-जीत को जीवन का हिस्सा बताते हुए छात्रों को हार के बाद भी निराश न होने और निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों को संगठन की ओर से मेडल और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जूडो अंडर-14 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गुरुग्राम की अंशिका व इसी स्कूल से अंडर-17 वर्ग में भूमिका ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शतरंज अंडर-14 वर्ग में एयरफोर्स स्टेशन गुरुग्राम की लक्षिता ने स्वर्ण पदक जीता, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पालुवास से नताशा ने रजत पदक और मानसवी ने कांस्य पदक हासिल किया।

एएफसी चैम्पियंस लीगः अल-अहली ने अल-हिलाल को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

जेद्दाह। एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट सेमीफाइनल में अल-अहली ने जेद्दाह में खेले गए मुकाबले में अल-हिलाल को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ अल-अहली अब अपने पहले एशियाई खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है।

फिरमिनो और टोनी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल-अहली ने आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में रॉजर इबानेज के पास पर ब्राज़ीलियन विंगर गेलेनो ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे रॉबर्टो फिरमिनो ने छह गज के बॉक्स में पहुंचते हुए गोल में तब्दील कर दिया। 27वें मिनट में रियाद महरेज़ के पास पर इवान टोनी ने दूसरा गोल दागा। हालांकि इसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीएआर जांच के बाद गोल मान्य हुआ। पहले हाफ के आखिरी पलों में सालेम अल-दोसारी ने एक मौका भुनाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन दूसरे हाफ में अल-हिलाल को बड़ा झटका तब लगा जब 60वें मिनट में कालिदू कुलीबाली को दूसरा येलो कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई।

देर से आए मौके, लेकिन अल-अहली ने की जीत पक्की

अल-अहली ने लगातार तीसरे गोल की कोशिश की और 85वें मिनट में उसे पेनल्टी भी मिली, लेकिन फ्रैंक केसी की किक को यासीन बोनू ने बचा लिया। हालांकि इंजुरी टाइम में फेरास अल-ब्रीकान ने तीसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी और घरेलू दर्शकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

कोच जैस्ले ने टीम को सराहा: मैच के बाद अल-अहली के कोच माथियास जैस्ले ने कहा, ये एक शानदार शाम थी। मैं अपने हर खिलाड़ी और हमारे फैंस पर गर्व करता हूं। ये जीत पूरी तरह से हमारी मेहनत का नतीजा है।

फाइनल में अल-नास्त्र या कावासाकी से भिड़ंत

अब अल-अहली का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में या तो साथी सऊदी क्लब अल-नास्त्र से होगा या जापान के कावासाकी फ्रंटाले से, जो बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल खेलेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के दौरान अजिक्य रहाणे हुए चोटिल, चोट गंभीर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के दौरान हाथ में चोट लग गई। अब उनकी चोट की गंभीरता का मूल्यांकन आज टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा किया जाएगा।

फील्डिंग के दौरान लगी चोट, मैच से बाहर रहे रहाणे

रहाणे को ये चोट उस वक्त लगी जब वे शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। आंद्रे रसेल की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस ने जोरदार शॉट मारा, जो सीधा रहाणे के दाहिने हाथ पर लगा। गेंद मिड ऑफ की ओर गई और इस दौरान रहाणे तुरंत मैदान छोड़कर मेडिकल सहायता लेने चले गए। इसके बाद वे पूरे मैच में मैदान पर नहीं लौटे और उनका हाथ पट्टी से बंधा नजर आया।

सुनील नारायण ने की कप्तानी, आखिरी 9 ओवरों में दिलाई जीत

रहाणे के बाहर होने और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर की जगह इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोड़ा के आने के बाद, सुनील नारायण को टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने आखिरी नौ ओवरों में कप्तानी करते हुए शानदार गेंदबाजी की और अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और फाफ डु प्लेसिस को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।

ठीक हूं, ज्यादा गंभीर नहीं है चोट - रहाणे

पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में रहाणे ने अपनी चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं ठीक हूं, सब ठीक रहेगा।

2021 की तरह फिर से कर सकते हैं वापसी

केकेआर फिलहाल 10 मैचों में 9 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। रहाणे ने कहा कि टीम को 2021 की तरह प्लेऑफ में पहुंचने का आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा, हमेशा से बात होती है कि जब हम अच्छा नहीं कर रहे होते हैं तो वापसी की उम्मीद होती है। लेकिन यह सब बीते समय की बात है। हमारे लिए जरूरी है कि हम इस जीत से आत्मविश्वास लें और आगे बढ़ें।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल : डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने आर्सेनल को पहले चरण में 1-0 से हराया

एजेंसी

लंदन। फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में आर्सेनल को उसके घरेलू मैदान पर हराकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुक़ाबले की शुरुआत ही धमाकेदार रही। फ्रांस के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के चौथे मिनट में गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। डेम्बेले ने बीच के घेरे से गेंद आगे बढ़ाई, ख्विचा क्वारात्स्खेलिया को पास दिया और आगे दौड़ लगाते हुए वापस मिली पास पर गोल कर दिया। गोल करने के बाद पीएसजी ने पूरे मैच में संतुलित और अनुशासित खेल दिखाया। आर्सेनल को बराबरी का कोई ठोस अवसर नहीं मिल सका और उसे 18 यूरोपीय घरेलू मुकाबलों के बाद पहली हार झेलनी पड़ी। मिकेल आर्तेता की टीम इससे पहले मौजूदा विजेता रियल मैड्रिड को दो चरणों में 5-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी।

पहले हाफ के अंत में गेब्रियल मार्टिनेली का शक्तिशाली शॉट इटली के गोलकीपर जानलुइजी डोनारुमा ने शानदार बचाव से रोक दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनो का हेडर गोल में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य कर दिया। इसके बाद भी लिएंड्रो त्रोसार्ड और मेरिनो जैसे खिलाड़ियों ने मौके बनाए, लेकिन डोनारुमा दीवार बनकर खड़े रहे। मैच के अंतिम समय में पीएसजी ने गति धीमी कर खेल को नियंत्रण में रखा। हालांकि, ब्रैडली बारकोला और गोंकालो रामोस के पास बढ़त को दोगुना करने के मौके थे। लेकिन बारकोला का शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया और रामोस की कोशिश क्रॉसबार से टकरा गई।

त्रिकोणीय सीरीज : स्नेह राणा की घातक गेंदबाजी से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

एजेंसी

कोलंबो। भारत ने महिला त्रिकोणीय एकदिनी श्रृंखला के एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से शिकस्त दी। इस जीत की नायिका रहीं स्पिनर स्नेह राणा, जिन्होंने अपने वनडे करियर का पहला पांच विकेट हॉल लेते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी लगातार जीत दर्ज की। इससे पहले उसने श्रीलंका को हराया था।पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने प्रतिका रावल (78 रन, 91 गेंद) की अर्धशतकीय पारी और हरमनप्रीत कौर (नाबाद 41) की संयमित बल्लेबाजी के दम पर 276 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। मंधाना (36), जेमिमा (41), हरलीन (29) और ऋचा घोष (24) ने भी अहम योगदान दिया। दक्षित अफ्रीका के लिए मलाबा ने दो विकेट चटकाए। जबकि अयाबॉन्गा खाका, मसाबता क्लास, नेडिने क्लर्क और डर्कसन को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ताजमिन ब्रिट्स (109) और कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट (43) ने पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़कर भारत को दबाव में डाल दिया। लेकिन स्पिनरों की वापसी ने खेल का नक्शा बदल दिया। दीप्ति शर्मा ने वोल्वार्ड्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद स्नेह राणा ने लगातार विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीकी पारी को बिखेर दिया। 48वें ओवर में राणा ने तीन रन देकर तीन विकेट झटके।

ग्रैंड चेस टूर, पोलैंड ब्लिट्ज 2025: प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर, फेडोसेव शीर्ष पर कायम

एजेंसी

वारसॉ (पोलैंड)। ग्रैंड चेस टूर 2025 के सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में ब्लिट्ज सेगमेंट के पहले दिन रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप पोजिशन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वहीं भारत के आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथांबरम के लिए यह दिन मिले-जुले नतीजों वाला रहा।

फेडोसेव का अपराजेय अभियान जारी

रैपिड सेक्शन में भी दमदार खेल दिखा चुके फेडोसेव ने ब्लिट्ज के नौ राउंड में एक भी मुकाबला नहीं हारा। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन (रैपिड और चेस960 दोनों फॉर्मेट में) फेडोसेव अब 19 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं।

प्रज्ञानानंद की छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचे

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ब्लिट्ज में चार

मुकाबले जीते जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कुल स्कोर में बढ़त बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब निगाहें 30 अप्रैल को होने वाले अंतिम नौ राउंड पर टिकी हैं कि क्या युवा खिलाड़ी फेडोसेव की बढ़त को पाट पाएंगे।

चिथांबरम की लड़खड़ाती शुरुआत, तीसरे स्थान पर खिसके

अरविंद चिथांबरम ब्लिट्ज राउंड में फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैपिड सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी मैक्सिम वचिएर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट और लोकेशन

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में पहले सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड सेक्शन खेला गया, जिसके बाद डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज सेगमेंट जारी है। ब्लिट्ज में 5+2 टाइम कंट्रोल रखा गया है और हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक तथा हार पर 0 अंक मिलते हैं। टूर्नामेंट वारसॉ स्थित म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ पोलिश ज्यूज में खेला जा रहा है।

विराट मेरी जिंदगी में आने वाला सबसे शांत इंसान है : अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली। अनुष्का शर्मा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और विराट से रिश्ते पर बातकी है। उन्होंने पति के साथ रिश्ते की बारीकियों को साझा किया। अनुष्का ने अपनी शादी को अपने सबसे अच्छे दोस्त और विश्वासपात्र के साथ बंधन बताया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसे इंसान से शादी की है, जिसे मैं सिर्फ इसलिए प्यार करती हूं क्योंकि वह जैसा है, वैसा ही है। उनका रिश्ता आपसी सम्मान और समझ पर टिका है, जो उनके व्यस्त करियर के बीच एक ठहराव देता है। विराट की मैदान पर आक्रामक छवि के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा कि वह मैदान के बाहर सबसे शांत इंसान हैं। मैं उन्हें देखती हूं और सोचती हूं, 'तुम कितने शांत हो!' वह मेरे जानने वाले सबसे शांत व्यक्तियों में से एक हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की हार पर बोले विप्रज निगम - गलत शॉट चयन से मैच फिसल गया

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के एक अहम मुकाबले में मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों 14 रन से हार का सामना करना पड़ा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 190 रन ही बना सकी। फाफ डु प्लेसिस (62 रन, 45 गेंद), कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद) और युवा बल्लेबाज विप्रज निगम (38 रन, 19 गेंद) ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी।मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में विप्रज निगम ने कहा, हमारी योजना शुरू से यही थी कि हम उनके दो मुख्य स्पिनर्स को टारगेट करें और हमने वैसा ही किया। लेकिन कुछ मौकों पर शॉट सिलेक्शन सही नहीं रहा और वहीं से मैच हमारे हाथ से फिसला। जब विप्रज से पूछा गया कि

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला क्यों लिया गया, तो उन्होंने बताया, हमें उम्मीद थी कि बाद में ओस गिरेगी जिससे बल्लेबाजी आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा था। पहले पारी में 200+ और दूसरी में 190 रन बने, जिससे साफ है कि यह एक बैटिंग फ्रेंडली पिच थी। अपने अब तक के आईपीएल सफर पर बात करते हुए विप्रज ने कहा, क्रिकेट एक सफर है जिसमें उतार-चढ़ाव आते हैं। सबसे जरूरी है आपका माइंडसेट और टीम का माहौल। मुझे अक्षर भैया, केएल भैया और बाकी सीनियर खिलाड़ियों से हमेशा सहयोग मिला है। कुलदीप यादव से अपनी दोस्ती पर उन्होंने कहा, हम डोमेस्टिक क्रिकेट में एक साथ खेलते हैं, इसीलिए हमारी अच्छी बॉन्डिंग है। आईपीएल से पहले भी हमने काफी बातचीत की थी, और उन्हें टीम में पाकर अच्छा लगता है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स इस समय अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और अब टीम अगला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी, जिसमें जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में वापसी की कोशिश करेगी।

प्रभसिमरन को याद आई सचिन की सलाह, बोले- 7 साल हो गए और...

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2014 के बाद पहली बार प्ले-ऑफ में जगह बनाने की अपनी टीम की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि टीम श्रेयस अय्यर-रिकी पोंटिंग के दौर में 'अलग तरह' की क्रिकेट खेल रही है। कप्तान अय्यर और मुख्य कोच पोंटिंग दोनों ही पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले सत्र के मध्य में हैं, लेकिन प्रभसिमरन 2019 से ही टीम से जुड़े हुए हैं। पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के साथ मुझे सात साल हो गए हैं। उन्होंने जाहिर तौर पर मेरा बहुत साथ दिया

है। आप कह सकते हैं कि इस साल हम बहुत अलग तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं और मुझे लगता है कि हम ज्यादातर समय हावी रहते हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि दुर्भाग्य से, पिछले मैच (केकेआर के खिलाफ) में बारिश हो गई हुई लेकिन हमारी टीम के लिए क्वालिफिकेशन (प्लेऑफ में) की संभावना अभी भी बहुत अधिक है। हम क्वालीफाई करते हैं, तो हम ट्रॉफी की ओर देखेंगे। टीम ने इतने सालों में मुझ पर भरोसा किया है, अब उन्हें कुछ वापस देने की मेरी बारी है। प्रभसिमरन उन दो खिलाड़ियों में से एक थे जिन्हें फ्रेंचाइजी ने मेगा नीलामी से पहले रिटेन किया था। फ्रेंचाइजी ने उनके अलावा शशांक सिंह को रिटेन किया था। उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर से मिली सलाह को याद करते हुए अपने खेल में सुधार का श्रेय उन्हें भी दिया। पंजाब के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि सचिन सर ने कहा था कि मैं ज्यादा बाहर (अंतिम एकादश से बाहर) नहीं बैठता था। लेकिन मैं फिर भी तुमसे कहना चाहूंगा कि तुम अगर इतनी दूर आ गए हो तो यह देखों की यहां से क्या सीख सकते हो। इस 24 साल के सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने जब मेरे दिमाग में यह बात डाली, तो मैं सोचता था कि अगर अगर इस मैच में मौका नहीं मिला तो अगले मैच में मिलेगा।

पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 4.5लाख नए मोबाइल ग्राहक जियो से जुड़े-ट्राई

एजेंसी

भोपाल। जियो मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। टेलीकॉम रेगुलेट्री अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की ताजा रिपोर्ट में जियो के साथ सबसे ज्यादा ग्राहक जुड़े है। फरवरी 2025 में जियो पर मप्र-छग के 4.5 लाख नए मोबाइल ग्राहकों ने भरोसा जताया है। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में सभी टेलीकॉम कंपनियों के 8 करोड़ से ज्यादा मोबाइल ग्राहक है। इन आंकड़ों में जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 4.5 करोड़ हो चुकी है।वहीं, वायरलाइन ब्राडबैंड इंटरनेट उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या 23.2 लाख है। इनमें जियो फाइबर और जियो एयर-फाइबर इंटरनेट उपयोग करने वाले उपभोक्ता 12.4 लाख से ज्यादा है। ग्राहकों में जियो अनलिमिटेड ऑफर खासा पसंद किया जा रहा है। इस ऑफर के तहत 299 रुपये या अधिक के प्लान वाला नया जियो सिम कनेक्शन लेने पर या फिर कम से कम 299 रुपये का रिचार्ज कराने पर जियो ग्राहक, जियोहॉटस्टार पर मुफ्त में पूरे आईपीएल क्रिकेट सीजन का मजा ले सकते हैं। इसके साथ ही जियो घरों के लिए जियोफाइबर या जियोएयरफाइबर का मुफ्त ट्रायल कनेक्शन भी दे रहा। अल्ट्रा-फ़ास्ट इंटरनेट का मुफ़्त ट्रायल कनेक्शन 50 दिनो तक फ्री रहेगा। ग्राहक 4K में क्रिकेट देखने के बेहतरीन अनुभव के साथ शानदार होम एंटरटेनमेंट का लाभ भी उठा सकेंगे। जियोफाइबर या जियोएयरफाइबर के मुफ्त ट्रायल कनेक्शन में 800+ TV चैनल, 11+ OTT ऐप, अनलिमिटेड WIFI की सुविधा भी मिलेगी।

फिलिप्स ने लाँच की नई प्रीमियम शेवर रेंज

नई दिल्ली। हेल्थ टेक्नोलॉजी और नए-नए प्रयोग करने वाली प्रमुख कंपनी फिलिप्स ने भारतीय बाजार में अपनी नई प्रीमियम इलेक्ट्रिक शेवर रेंज लॉन्च करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 34999 रुपये तक है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ये प्रीमियम इलेक्ट्रिक शेवर्स फिलिप्स सीरीज 7000, आई9000 और आई9000 प्रेस्टीज अल्ट्रा अत्याधुनिक एआई-पावर्ड स्किनआईक्यू टेक्नोलॉजी के साथ डिज़ाइन किए गए हैं। ये शेवर्स सटीकता, आराम और उपयोग में आसानी का अनूठा मेल प्रस्तुत करते हैं, जो हर बार एक सहज और जलन-रहित शेव का अनुभव देते हैं। जैसे-जैसे पुरुषों का ग्रूमिंग सेगमेंट लगातार विकसित हो रहा है, फिलिप्स तकनीक को आम दिनचर्या का हिस्सा बनाकर ग्रूमिंग को नए आयाम दे रहा है। ये प्रीमियम शेवर्स सटीकता, आराम और टिकाऊपन के साथ नया मानदंड स्थापित करते हैं, जिससे हर शेव आसान और सुरक्षित हो जाती है। उसने कहा कि भारत में ग्रूमिंग सेगमेंट में यह अपनी तरह की पहली पेशकश है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.76 प्रतिशत लुढ़ककर 61.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

नथिंग ने लाँच किया सीएमएफ फोन 2 प्रो

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने भारतीय बाजार में अपने सीएमएफ ब्रांड के तहत एक नया स्मार्टफोन सीएमएफ फोन 2 प्रो लाँच करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 16999 रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस श्रेणी में यह पहला स्मार्टफोन है जिसमें तीन-कैमरा सिस्टम, ब्राइट डिस्प्ले और प्रीमियम डिज़ाइन दिया गया है। नथिंग के लिए यह सबसे पहला स्मार्टफोन है जिसकी मोटाई 7.8 मिलीमीटर और वजन 185 ग्राम है। यह एल्युमिनियम कैमरा सराउंड के साथ एक बॉडी में आता है। सबसे बड़े सेंसर वाले 50 एमपी का मुख्य कैमरा है। इसके साथ ही 50 एमपी का टेलीफ़ोटो लेंस 2एक्स ऑप्टिकल जूम और 20 एक्स अल्ट्रा जूम तक प्रदान करता है। इसमें 8 एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा भी है जबकि 16 एमपी का फ्रंट कैमरा आपकी सबसे शानदार सेल्फी लेने के लिए तैयार है। नए अपग्रेड किए गए मीडियाटेक डायमेंस्टी 7300 प्रो 5 जी प्रोसेसर में 8-कोर सीपीय है। इसमें 5000 एमएएच की बैटरी है।इसमें 6.77 इंच का एफएचडी प्लस एमोलेड डिस्प्ले है।

जावेद अख्तर ने रचनात्मक स्वतंत्रता को बाजारवाद से बचाने के लिए मजबूत तंत्र बनाने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। फिक्की ने नई दिल्ली में 'आईपी एंड म्यूजिकः फील द बीट ऑफ आईपी' सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें प्रसिद्ध गीतकार एवं भारतीय फॉर्मिंग राइट सोसाइटी (आईपीआरएस) के अध्यक्ष जावेद अख्तर ने रचनात्मक स्वतंत्रता को बाजारवाद से बचाने के लिए मजबूत तंत्र बनाने का आग्रह किया। अख्तर ने चेतावनी दी कि कॉरपोरेटाइजेशन ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जहां रचनात्मकता के लिए जगह कम होती जा रही है क्योंकि मार्केटिंग विभाग कलात्मक विकल्पों को निर्धारित करते हैं। अख्तर ने कहा कि रचनात्मकता और बाजार के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने कहा, आप बाजार के आदेश का पालन कर रहे हैं, तो आप किस तरह के मार्केटिंग व्यक्ति हैं? कोई रचनात्मकता नहीं है, कोई प्रयोग नहीं है, कोई साहस नहीं है। अख्तर ने बताया कि 2017 में कानून संशोधन के बाद आईपीआरएस ने लोगों को एक नया मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 2017 में आईपीआरएस की आय 42 करोड़ रुपये थी, जो इस साल 730 करोड़ रुपये पार कर गई और जल्द ही एक हजार करोड़ तक पहुंच जाएगी।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने कई नए पहलों की घोषणा की, जिनमें स्पोटिफाई और यू-ट्यूब जैसे डिजिटल मंचों से एकाग्र कर पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देना शामिल है। साथ ही पारंपरिक वाद्ययंत्रों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग योजना भी साझा की गई। इसमें आईपीआर पंजीकरण में क्षेत्रीय कलाकारों को सहायता देना, सांस्कृतिक उद्योगों में विशेष सेल बनाना शामिल है। फिक्की-आईपीआर समिति के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने बताया कि एक दशक की मेहनत के बाद विश्व शेयर बाजार संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के साथ आईपी फॉर बिजनेस सेंटर की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है। सम्मेलन में डिजिटल युग में आईपी लागू करने का अनावरण भी किया गया और पुलिस अधिकारियों के लिए एक नया आईपी प्रवर्तन टूलकिट पेश किया गया।

रायपुर के आईआईएम और एनआईटी को 178 करोड़ रुपये देने की घोषणा

एजेंसी

रायपुर। भारत के टॉप फाइव स्टॉक एक्सचेंज ब्रोकर कंपनी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंसियल लिमिटेड के मालिक रामदेव अग्रवाल ने रायपुर के आईआईएम और एनआईटी को 178 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी और रायपुर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर रह चुके अबिनाश मिश्रा ने उन्हें इन दोनों संस्थाओं को दान देने के लिए प्रेरित किया। । ओपी चौधरी ने सोशल मीडिया पर इसके लिए रामदेव अग्रवाल को आभार जताया है। रामदेव अग्रवाल रायपुर जिले के आरंग के रहने वाले हैं। उनका बचपन आरंग में गुजरा, स्कूली शिक्षा भी आरंग में हुई। इसके बाद वे मुंबई चले गए। वे देश की शीर्षस्थ फाइनेंसियल कंपनी मोतीलाल ओसवाल लिमिटेड के मालिक हैं। उन्होंने गरीब बच्चों और एजुकेशनल संस्थाओं की मदद के लिए मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन बनाया है। उनकी संपत्ति 107 बिलियन डॉलर है। इस संबंध में मोतीलाल ओसवाल

फायनेंसियल लिमिटेड रायपुर के आईआईएम और एनआईटी के प्रबंधन को एक मेल भेजा है।

डाक विभाग और एसबीआई म्यूचुअल फंड के बीच करार, निवेशकों को घर बैठे केवाईसी सुविधा का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्राहक ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस करार से अब एसबीआई म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ग्राहकों को केवाईसी के लिए डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, उन्हें घर बैठे यह सुविधा प्राप्त होगी। यह समझौता डाक भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। इसमें डाक विभाग की व्यवसाय विकास निदेशालय की महाप्रबंधक मनीषा बंसल बादल और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुनिश सभरवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

डाक विभाग के पास देशभर में 1.64 लाख से अधिक डाकघरों का व्यापक नेटवर्क है, जो सबसे दूरदराज़ क्षेत्रों तक फैला हुआ है। यह साझेदारी वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के अनुसार, डाक विभाग के प्रशिक्षित कर्मचारी निवेशकों से उनके जरूरी दस्तावेज और फॉर्म घर जाकर एकत्र करेंगे। इससे दस्तावेज़ी प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, सटीक और गोपनीय होगी। इस पहल से न केवल निवेशकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि इससे ग्रामीण और दूरदराज़ इलाकों में रहने वाले लोगों को भी निवेश से जुड़ने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। यह कदम डिजिटल और वित्तीय समावेशन की दिशा में सरकार के प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगा।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता प्रगति की ओर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों की वाशिंगटन में बैठक हुई है। इसमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ता पर चर्चा हुई है जिसमें सकारात्मक प्रगति है। टीम ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने के उपायों पर चर्चा की, जिसमें शुरुआती पारस्परिक लाभप्रद अवसर भी शामिल हैं।

वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चल रही चर्चाओं के हिस्से के रूप में भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 23 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन, डी.सी. में मुलाकात की। नई दिल्ली में मार्च, 2025 में आयोजित द्विपक्षीय चर्चाओं के बाद यह बैठक हुई थी। वाशिंगटन, डी.सी. में बैठकों के दौरान, टीम ने टैरिफ और गैर-टैरिफ मामलों को कवर करने वाले व्यापक विषयों पर लाभदायक चर्चा की। यह ध्यान देने योग्य बात है कि वर्चुअल तौर पर क्षेत्रवार विशेषज्ञ स्तर की बैठकें लाभदायक रही हैं और मई के अंत से व्यक्तिगत क्षेत्रवार बैठकों की योजना है।ये लाभदायक चर्चाएं द्विपक्षीय व्यापार समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को आगे बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए फरवरी 2025 में नेताओं के वक्तव्य के अनुरूप द्विपक्षीय प्रयासों का हिस्सा हैं।

रोजगार को लेकर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और रैपिडो के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और रैपिडो के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह करार नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल के माध्यम से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया और राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में आज एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर डॉ मांडविया ने कहा, ÷एनसीएस पोर्टल देशभर में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बन चुका है। इस पोर्टल पर 1.75 करोड़ से अधिक सक्रिय नौकरी खोजने वाले और 40 लाख से अधिक पंजीकृत नियोक्ता हैं। रैपिडो के अगले 1-2 वर्षों में 50 लाख आजीविका अवसर प्रदान करने के लक्ष्य की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि एनसीएस पोर्टल माय भारत, ई-श्रम, सिद्ध और एमईए-ई मायग्रेट जैसे प्लेटफॉर्म्स से जुड़ चुका है। राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने रैपिडो के महिला-केंद्रित रोजगार प्रयासों की सराहना की, जिसमें 5 लाख महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुन्टुपल्ली ने 'पिंक रैपिडो' पहल की चर्चा करते हुए कहा कि यह सहयोग रोजगार को नए स्तर पर ले जाएगा। एमओयू के अंतर्गत रैपिडो एनसीएस पोर्टल पर नियमित रूप से दोपहिया टैक्सी, ऑटो और कैब के लिए वैरिफाइड नौकरियों की जानकारी साझा करेगा और एपीआई इंटीग्रेशन के माध्यम से रियल टाइम भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। यह कदम रोजगार, समावेशन और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बजाज फाइनेंस का शुद्ध मुनाफा 18.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। देश की प्रमुख गैर बैंकिंग वित्तीय सेवा कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 3,824.53 करोड़ रुपये के मुकाबले 18.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 4,545.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 4,545.57 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 3,824.53 करोड़ रुपये से 18.9 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 14,931.84 करोड़ रुपये से 23.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 18,468.74 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 9,829.77 करोड़ रुपए से 30.5 प्रतिशत बढ़कर 12,830.18 करोड़ रुपये रहा। बीएफएल ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 16,779.48 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14,451.17 करोड़ रुपये से 16.1 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 54,982.51 करोड़ रुपये से 26.8 प्रतिशत बढ़कर 69,724.78 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसी तरह उसका कुल व्यय 35,680.58 करोड़ रुपये के मुकाबले 33.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 47 ,662.96 करोड़ रुपये हो गया।

अक्षय तृतीया 2025: सोने-चांदी की रिकॉर्ड कीमतों के बीच 16 हजार करोड़ के व्यापार की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्षय तृतीया को सौभाग्य और समृद्धि से जोड़ा जाता है। इस दिन सोने-चांदी की खरीद को अत्यंत शुभ माना जाता है। हालांकि इस बार त्योहार से पहले सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिली है। इससे बाजार में खरीदारी का रुझान प्रभावित हो सकता है।

इसके बावजूद भी अनुमान है कि कल 16 हजार करोड़ के सोना-चांदी के व्यापार होने की संभावना है। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस वर्ष 10 ग्राम सोने का दाम 1 लाख रुपये और चांदी 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष ये दरें क्रमशः 73,500 और 86 हजार थीं। कैट के अनुसार 2023 में अक्षय तृतीया पर करीब 14,500 करोड़ का व्यापार हुआ था, जबकि 2024 में लोकसभा चुनाव के चलते इसमें गिरावट देखी गई। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि इस वर्ष अक्षय तृतीया पर करीब 12 टन सोना (12 हजार करोड़) और 400 टन चांदी (4 हजार करोड़) की बिक्री संभावित है, जिससे कुल व्यापार 16 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। अरोड़ा ने सोने-चांदी के दाम बढ़ने के पीछे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की बढ़ती रुचि को प्रमुख कारण बताया। विवाह सीजन के चलते बाजार में कुछ मांग बनी हुई है। कैट अध्यक्ष बी. सी. भरतिया के अनुसार, शादी-ब्याह में सोने की खरीद परंपरागत है, जिससे ग्राहक कम मात्रा में ही सही, लेकिन खरीदारी कर रहे हैं। व्यापार संगठनों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे केवल हॉलमार्क ज्वैलरी खरीदें और विश्वसनीय ज्वैलर्स से ही लेन-देन करें।

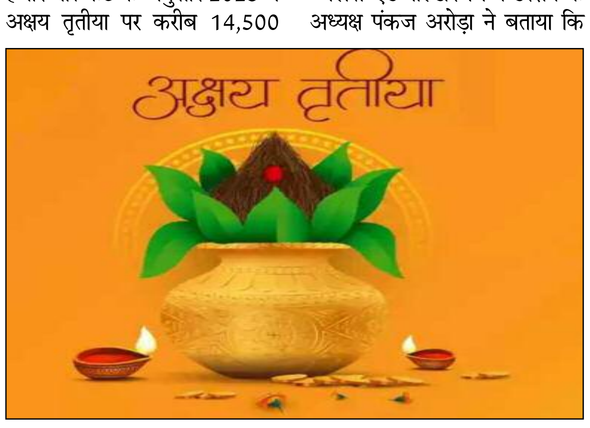

मुथूट फिनकॉर्प ने लॉन्च की नई एनसीडी सीरीज, 350 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

एजेंसी

मुंबई। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने सुरक्षित और प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की नई श्रृंखला लॉन्च की है, जिसके जरिए उसने इस वर्ष 29 अप्रैल से 13 मई तक 350 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस इश्यू के माध्यम से उसने 350 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 100 करोड़ रुपये का बेस साइज और 250 करोड़ रुपये का ग्रीन शू विकल्प शामिल है। 29 अप्रैल से 13 मई, 2025 तक खुली रहने वाली यह पेशकश 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले सुरक्षित एनसीडी के रूप में है, जिसे कंपनी की ऋण-वित्तपोषण गतिविधियों, मौजूदा ऋण की अदायगी और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा।यह एनसीडी श्रृंखला 24, 36, 60 और 72 महीनों के कार्यकाल में नौ प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के प्रभावी वार्षिक प्रतिफल की पेशकश करती है। इस इश्यू को क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड ने 'क्रिसिल एए-/स्टेबल' रेटिंग दी है, जो समय पर वित्तीय दायित्वों के भुगतान के लिए उच्च सुरक्षा को दर्शाती है। इन एनसीडी को बीएसई के ऋण बाजार खंड में सूचीबद्ध किया जाएगा। निवेशक पांच लाख रुपये तक के आवेदन यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है जबकि एससीएसबी, स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफ़ॉर्म और डिपॉजिटरी प्रतिभागी जैसे माध्यम भी उपलब्ध हैं। मुथूट फिनकॉर्प वन मोबाइल ऐप के माध्यम से निवेश को सरल और सहज बनाया गया है, जो कंपनी के 3,700 से अधिक शाखाओं के मजबूत ऑफलाइन नेटवर्क का डिजिटल पूरक है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शाजी वर्गीस ने कहा, हमें अपनी नई एनसीडी सीरीज के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट

वाराणसी। योगी सरकार द्वारा बनारस की गुलाबी मीनाकारी को जीआई पहचान दिलाकर और ओडीओपी में शामिल करके इसे इंटरनेशनल मार्केट दिला दिया है। जिससे गुलाबी मीनाकारी को अक्षय तृतीया में नया बाजार मिल गया है। सोने के दामों में उछाल ने अक्षय तृतीया पर कुंदन गुलाबी मीनाकारी (गहने) के उत्पादों की मांग बढ़ा दी है। देश और विदेशों दोनों ही जगहों से अक्षय तृतीया पर गुलाबी मीनाकारी के आर्डर में वृद्धि हुई है। हस्त शिल्पियों को अक्षय तृतीया पर लगभग एक करोड़ से अधिक का आर्डर मिला है। योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीआई और ओडीओपी उत्पादों के ब्रांड एम्बेस्डर बनकर उत्तर प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट को विश्व के बाजार में पंहुचा दिया है। बदलते ट्रेंड में अब कुंदन गुलाबी मीनाकारी की ज्वेलरी लोगों को खूब भा रही है। जीआई विशेषज्ञ पद्मश्री रजनीकांत ने बताया कि बनारस गुलाबी मीनाकारी को बनाने में सोने और चांदी का इस्तमाल होता है, इसलिए लोग शुभ मानकर इस प्राचीन हस्तकला को अक्षय तृतीया में खूब पसंद कर रहे है। योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट लगभग 12 से 15 करोड़ से अधीक का है।

राजधानी के पांच रेस्त्रां को सेवा शुल्क वापस करने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने राजधानी के पांच रेस्तरां के खिलाफ़ स्वतः संज्ञान लेते हुए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं और उन्हें सेवा शुल्क राशि वापस करने के निर्देश दिए हैं। जारी एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत सेवा शुल्क वापस न करने के मामले में मखना डेली, ज़ीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्रवाई इस उद्देश्य से की गयी है कि उपभोक्ताओं पर किसी रेस्तरां में सेवा शुल्क के अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए का दबाव न पड़े। बयान में कहा गया है कि कोई होटल या रेस्तरां उपभोक्ताओं को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता अथवा किसी अन्य नाम से उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क की वसूली नहीं की जा सकती । उल्लेखनीय है कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने चार जुलाई 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनमें यह स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क (सर्विस चार्ज) नहीं जोड़ेगा और न ही किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क की वसूली करेगा।इसी तरह निर्देश है कि सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर उपभोक्ताओं पर प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट निर्देश है कि सेवा शुल्क को भोजन बिल के साथ जोड़कर कुल राशि पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की वसूली नहीं नहीं की जा सकती। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस वर्ष 28 मार्च सेवा शुल्क पर सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा है।

'उनका बुरा हाल हो...', पहलगाम हमले पर छलका दीपिका कक्कड़ का दर्द, कहा - 'जितना मैंने इस्लाम को समझा....'

पहलगाम हमले के बाद लोगों का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है. आतंकी हमले से पहले टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम पहली बार कश्मीर घूमने पहुंचे थे. अपने इस ट्रीप के दौरान दीपिका –शोएब ने कई व्लॉग बनाए, वीडियोज और रील्स भी बनाईं. लेकिन पहलगाम हमले के बाद भी जब दोनों लगातार व्लॉगिंगस के जरिए कश्मीर पर बात करते रहे थे, तो लोगों ने इन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. अब दीपिका ने अपने नए व्लॉग में अपना दुखा जाहिर किया है.

दीपिका की मानें तो जब वो दिल्ली वापस लौट रहे थे, तो उन्हें उसी दौरान इस आंतकी हमले के बारे में पता चला. दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'जब हम ट्रिप पर थे तो मैंने ऐसे ही ऑन एंड ऑफ व्लॉग बनाए हैं क्योंकि मैं ज्यादातर रूहान को अटेंड कर रही थी. उसके बाद पिछले दो–तीन दिनों से तो एक अलग सी मायूसी कह लो या सोचने समझने की कपैसिटी नहीं होती, वैसी सिचुएशन थी. क्योंकि जो कुछ भी हुआ्‍ हमारे साथ तो ऐसा हुआ कि जिस दिन हम दिल्ली

में लैंड किए हैं, धीरे–धीरे पता चलने लगा पहलगाम में ऐसा अटैक हुआ है.

दिल दहलाने वाला हादसा –दीपिका कक्कड़

दीपिका ने आगे कहा, शुरुआत में मुझे ऐसा लहा कि छोटा–सा कुछ हुआ है, ऐसा लग रहा था. लेकिन जिस तरह से इस सिचुएशन की गंभीरता पता चली है. मतलब इतना भयानक कहूं या दर्दनाक, जो हादसा हुआ है पूरी तरह से हिला कर रख दिया है. दीपिका ने महिलाओं और बच्चों की हालत पर दुख जाहिर किया. एक्ट्रेस ने इस हादसे को दिल दहलाने वाला बताया.

सबका बुरा हाल हो, सबके सामने हो – दीपिका कक्कड़

अपने व्लॉग में दीपिका ने ये भी कहा, मैं तो दिल से दुआ करती हूं कि जिस किसी ने भी ये किया है, एक तो जिन चार लोगों का स्केच सामने आया था वो, और इसके पीछे जो भी लोग हैं उन सबका बुरा हाल हो, इतना बुरा हाल हो, सबके सामने हो. जैसे आज ये बेचारी फैमिली तड़प रही हैं, वैसे ही वो तड़पें. हर एक दर्द को महसूस करें. जितना मैं इस्लाम को समझी हूं, मैं ये चीज पूरे यकीन के साथ कह सकती हूं कि ये कोई ईमान वाला मुसलमान ये काम कर ही नहीं सकता.

मैं मर जाऊं तो मुझे जला देना, किसी को बताना मत... राजकुमार की आखिरी इच्छा ऐसी क्यों थी?

दिवंगत एक्टर राजकुमार काफी मुंहफट स्वभाव के व्यक्ति थे. अमिताभ बच्चन, सलमान खान से लेकर गोविंदा जैसे सुपरस्टार्स तक की उन्होंने मुंह पर बेइज्जती की थी. उनसे जुड़े कई किस्से काफी मशहूर हैं. लेकिन आपको ये बात हैरान कर सकती है कि एक्टर की इच्छा अपने अंतिम संस्कार में किसी को भी बुलाने की नहीं थी. उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी जो आपको भी कफी हैरान कर सकती है या सोचने पर भी मजबूर कर सकती है.

राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को पाकिस्तान के लोरलाई में हुआ था. राजकुमार ने अपने करियर में काफी नाम कमाया था. फैंस उनके अभिनय के साथ ही उनकी डायलॉग डिलीवरी के भी दीवाने रहे. लेकिन इस दिग्गज एक्टर के असामयिक निधन से फैंस को बड़ा झटका लगा था. दरअसल राजकुमार को अपने अंतिम दिनों में गले का कैंसर हो गया था. इस बीमारी के चलते उनका 3 जुलाई 1996 को मुंबई में निधन हो गया था.

राजकुमार को हो गया था मौत का आभास

राजकुमार को मौत से ठीक पहले मौत का आभास हो गया था. गले के कैंसर के चलते एक्टर ने महज 70 साल की उम्र में दुनिया छोड़ दी थी. एक दिन उन्होंने परिवार के लोगों को बुलाया और उन्हें सख्त हिदायत दी थी. दिवंगत अभिनेता ने कहा था कि मेरे मरने के बाद किसी को मेरी मौत की खबर मत देना. मुझे जला देना, मेरा अंतिम संस्कार कर देना. इसके बाद ही लोगों को मेरे निधन की खबर देना.

राजकुमार ने क्यों जताई थी ऐसी इच्छा ?

राजकुमार का अंतिम संस्कार कहां और कब हुआ था इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है. उनकी इच्छा के मुताबिक उनकी फैमिली ने उनका अंतिम संस्कार गुपचुप तरीके से कर दिया था. दरअसल वो नहीं चाहते थे कि उनकी मौत के बाद किसी तरह का कोई मजाक या तमाशा बने. उनकी इच्छा थी कि न ही लोग और न ही मीडिया उनके अंतिम संस्कार का हिस्सा बने.

फिल्मों के लिए सब–इंस्पेक्टर की नौकरी छोड़ी

राजकुमार कभी मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर नौकरी करते थे. लेकिन किसी ने उन्हें फिल्मों में आने की सलाह दी तो वो नौकरी छोड़कर बॉलीवुड में आ गए. राजकुमार ने अपने करियर में 'मदर इंडिया', 'तिरंगा', 'पैगाम', 'दिल अपना और प्रीत पराई', 'रिश्ते नाते' और 'सौदागर' सहित कई फिल्मों में काम किया था.

सलमान खान की 'मुझसे शादी करोगी' का बनेगा सीक्वल, खबर पढ़कर भाईजान के फैंस का दिल टूट जाएगा

सलमान खान ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्हें सालों बाद भी उनके फैंस देखना पसंद करते हैं. ऐसी फिल्मों में एक नाम है 'मुझसे शादी करोगी' का, जो साल 2004 में रिलीज हुई थी. डेविड धवन ने फिल्म को डायेरक्ट किया था और साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे. अब इस फिल्म के सीक्वल बनने की खबर है.